सूर्योदय 6:12 सूर्यास्त 6:12

आज का तापमान

शिमला	14.0 न्यू	19.0 अधि
धर्मशाला	16.0 न्यू	24.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,896
निफ्टी	23,141

सोना 1,52,000 चांदी 2,32,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 27 सितंबर 2026 | 11 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 153, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

यूरोप पर सैन्य कार्रवाई की कोई योजना नहीं: पुतिन

एजेंसी, सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तैयारी के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि रूस यूरोप पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है और ऐसे दावों का इस्तेमाल तनाव बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग में यूनाइटेड कल्चर फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि यूरोपीय देश यूक्रेन को समर्थन जारी रखने के लिए रूस से जुड़े खतरे की बात कर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन के साथ बातचीत की संभावनाओं पर भी कहा कि मॉस्को रूस के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर कोई फैसला करेगा। पुतिन ने युद्धविराम से जुड़े कुछ मुद्दों पर चर्चा होने का दावा भी किया।

नगालैंड में मिलावटी शराब से 19 मौतें

एजेंसी, कोहिमा। नगालैंड के मोकोकचुंग और त्वेनसांग जिलों में संदिग्ध मिलावटी शराब पीने से पिछले दो दिनों में 19 लोगों की मौत की सूचना है। पुलिस के अनुसार मोकोकचुंग में आठ और त्वेनसांग में 11 लोगों की जान गई। मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आई. बुंगलांग चांग के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई है। संदिग्ध शराब के नमूने फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे गए हैं। रिपोर्ट से मौतों के वास्तविक कारण और किसी जहरीले पदार्थ की मौजूदगी का पता चलेगा। पुलिस शराब के स्रोत और आपूर्ति श्रृंखला की भी जांच कर रही है।

ट्रक से टकराई कार 3 लोगों की मौत

एजेंसी, सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में दसाडा-शंखेश्वर हाईवे पर शनिवार को सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वडगाम और पानवा गांव के बीच तेज रफ्तार ईको कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में चेन्नई निवासी राजेश शेढिया की मौके पर मौत हो गई, जबकि मुंबई निवासी अजीत जैन ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रक का क्लीनर घबराकर पास के खेत में भागा, जहां फसल की सुरक्षा के लिए लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से उसकी भी मौत हो गई। हादसे में चार-पांच लोग घायल बताए गए हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

श्रीकल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद को धमकी

एजेंसी, संभल। श्रीकल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को दावा किया कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय नंबरों से जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि दो-तीन दिन पहले ऑडियो संदेश के जरिए बम से उड़ाने और रॉकेट लॉन्चर से हमला करने की धमकी दी गई। धमकी देने वाले ने अपना नाम कुलवीर सिंह सिद्धू बताया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम के अनुसार धमकी से जुड़े ऑडियो, नंबर और उसकी ट्रांसक्रिप्ट उत्तर प्रदेश पुलिस, संभल पुलिस अधीक्षक, पंजाब पुलिस तथा केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी गई है। उन्होंने सुरक्षा की मांग करते हुए कहा कि धमकी के बावजूद श्रीकल्कि धाम का निर्माण कार्य जारी रहेगा। पुलिस की ओर से धमकी देने वाले की पहचान या किसी संगठन से संबंध की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

एशियन गेम्स में एक दिन में भारत का कबड्डी में डबल गोल्ड धमाका

महिला व पुरुष दोनों टीमें बनी चैंपियन, दोनों ने फाइनल में ईरान को हराया



एजेंसी, नागोया। भारत ने शनिवार को एशियन गेम्स में कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने ईरान को 37-34 और पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष टीम ने लगातार 10वीं बार और महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल जीता।

भारत ने मुकाबले में कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने वापसी की कोशिश जारी रखी। आखिरी मिनटों में भारतीय डिफेंस ने बढ़त बनाए रखी और मैच 37-34 से अपने नाम किया। महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल हासिल किया। वहीं, पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में लगातार 10वीं बार मेडल जीता। ईरान ने पहले हाफ के आखिर में बढ़त बना ली और ब्रेक तक स्कोर 18-17 उसके पक्ष में था। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी ईरान ने दबाव बनाए रखा, लेकिन भारत ने धीरे-धीरे मैच का रुख बदल दिया।

सुमित ने डिफेंस में लगातार अहम टैकल किए, जबकि अर्जुन देशवाल ने रेडिंग में अंक जुटाए। भारत ने 21-21 की बराबरी के बाद बढ़त बनानी शुरू की। आखिर में भारत ने 40-34 से जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। इस प्रकार भारत ने कबड्डी में दोनों स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

पुरुष मैराथन में भारत को 44 साल बाद मेडल

एजेंसी, नागोया। भारत के सावन बरवाल ने एशियाई खेल 2026 में पुरुषों की मैराथन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। सावन ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड के समय के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और दूसरे स्थान पर रहे। इस इवेंट में भारत को 44 साल बाद कोई मेडल मिला है। जापान के इचिटाका यामाशिता ने 2:10:49 घंटे के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सावन का 2:11:37 का समय नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उन्होंने इसी साल अप्रैल में बनाए अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में 21 सेकंड का सुधार किया। इस पदक के साथ सावन एशियाई खेलों की पुरुष मैराथन में पदक जीतने वाले भारत के इतिहास में चौथे पुरुष एथलीट बन गए हैं। उनसे पहले छोटा सिंह ने 1951 के नई दिल्ली एशियाई खेलों में स्वर्ण, सूरत माथुर ने 1951 में कांस्य और एचके सीताराम ने 1982 के नई दिल्ली एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था।



सीएम सुक्खू ने मंडी को दी 136 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात



भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंडी जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान बल्ह क्षेत्र के कंसा मैदान में बल्ह, नाचन, मंडी सदर और करसोग विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी 136.25 करोड़ रुपये की 21 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। इन परियोजनाओं में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, पंचायत भवन, सरकारी कार्यालय और कर्मचारी आवास सहित विभिन्न कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने 10.73 करोड़ रुपये की चंडियाल-पिपली-कुठवाड़ी-कांडी-तारापुर-खारसी-मनसा माता मंदिर डोला-टिक्कर सड़क, 8.28 करोड़ रुपये की सकरोहा-नैना माता मंदिर पिपली-नदौल-कासला-मलवाणा सड़क, 5.11 करोड़ रुपये की लखवाण-डहणू-भनशोट-रठोल-अंद्रेटा-मैरामसीत सड़क तथा 3.08 करोड़ रुपये की टांडा-कोहला-टिक्करी-कावलकोट सिद्धकोठी सड़क के मेटलिंग एवं टारिंग कार्यों का उद्घाटन किया।

इसके अलावा 3.51 करोड़ रुपये से निर्मित डोयडा पुल-छजवाण-खाबू पंचायत घर-दरबयास सड़क, 2.08 करोड़ रुपये के नेरचौक लोक निर्माण विभाग मंडल कार्यालय भवन और 25.89 करोड़ रुपये के नेरचौक-रत्ती-कलखर सड़क उन्नयन कार्य सहित अन्य परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया गया। बेहना में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र तथा कोठी में पशु औषधालय भवन भी जनता को समर्पित किए गए।

मुख्यमंत्री ने बल्ह तहसील में 43.91 करोड़ रुपये की उठाऊ जलापूर्ति योजना सहित मंडी क्षेत्र में 17.01 करोड़ की बहली-महादेव एवं नेरी-कांगर-पन्यास उठाऊ जलापूर्ति योजना का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही राजकीय प्राथमिक पाठशाला बाल का 4.42 करोड़ रुपये का भवन, डहणू व मलथेहड़ पंचायत घर, पंडोह में ग्रामीण हाट तथा रजबाड़ी और करसोग में पटवारखानों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर हलयातर में

◆ सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और पंचायत सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, कांगणी में कर्मचारी आवास, रत्ती में पंचायत सामुदायिक केंद्र तथा बल्ह तहसील में सेकड़ खड्ड और बैहना नाला पर एफपीक्यू उपलब्ध करवाने की परियोजना का शिलान्यास भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से संबंधित क्षेत्रों में मूलभूत अधोसंरचना और जन सेवाओं को मजबूती मिलेगी। सड़क परियोजनाओं से यातायात सुविधा बेहतर होगी, जबकि जलापूर्ति योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ, सुरक्षित और नियमित पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

भारत 10 फीसदी से ज्यादा आर्थिक वृद्धि कर सकता हासिल: सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत 10 फीसदी से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि तेज आर्थिक विकास से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की यात्रा को गति मिलेगी, लेकिन इसके लिए सभी क्षेत्रों में व्यापक प्रयास और तकनीक का बड़े स्तर पर इस्तेमाल जरूरी है।



बेंगलुरु में आईआईटी मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम 2026' कार्यक्रम में फायरसाइड चैट के दौरान सीतारमण ने कहा कि 10 फीसदी से अधिक वृद्धि दर हासिल करना संभव है। उन्होंने 2015 के बाद देश में स्टार्टअप क्षेत्र के तेजी से विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में स्टार्टअप अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वित्त मंत्री ने कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से किसानों और उत्पादकों को बाजार से जोड़ने के साथ उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने जमीन के सटीक मानचित्रण के लिए ड्रोन के इस्तेमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि स्टार्टअप से होने वाले नवाचारों को हर क्षेत्र तक पहुंचना चाहिए।

कार्यक्रम में 'आईआईटीएम यूनिकॉर्न फ्रंटियर फंड-द्व' भी लॉन्च किया गया। यह फंड यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स और आईआईटी मद्रास/आईआईटीएम रिसर्च पार्क के सहयोग से शुरू किया गया है।

एसआईआर में नाम कटा तो घर पहुंचेगा चुनाव आयोग

छूटे मतदाताओं के दस्तावेज जुटाने के लिए अधिकारी करेंगे घर-घर संपर्क



एजेंसी, नई दिल्ली। एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से छूटे लोगों के लिए प्रक्रिया स्पष्ट की है। आयोग के अनुसार, जिन मतदाताओं का नाम सूची में शामिल नहीं है, वे नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद संबंधित अधिकारी जरूरत पड़ने पर उनके घर जाकर दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। आवेदन पर निर्धारित समय के भीतर संबंधित निर्वाचन अधिकारी निर्णय लेगा।

शनिवार को दिल्ली स्थित निर्वाचन भवन में हुई बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी मौजूद रहे। बैठक में एसआईआर से जुड़े दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया पर चर्चा की गई।

आयोग के अनुसार, एसआईआर के तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। देश में कुल 97.98 करोड़ से अधिक मतदाता हैं।

दिल्ली और महाराष्ट्र में दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में इन मामलों का निपटारा 30 नवंबर, जबकि महाराष्ट्र में 10 नवंबर तक किया जाना है।

गोवा में छूटे मतदाताओं के लिए ब्लॉक अधिकारी घर-घर जाकर फॉर्म-6 एकत्र करेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से दावा किया जा सकता है। आयोग के मुताबिक फॉर्म-6 की प्रक्रिया को लेकर कोई विवाद नहीं है और इसे सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है।

अतिवृष्टि से निपटने को पूरी मुस्तैदी से जुटें अधिकारी: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश ने आम जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अतिवृष्टि को लेकर शासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को मुस्तैदी के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने 32 जिलों में आकस्मिक बाढ़ आने व 10 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में अतिवृष्टि को लेकर मुख्यमंत्री निर्देश दिए हैं। शनिवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि बारिश से जनहानि, पशुहानि और आर्थिक नुकसान का समय से आकलन करें। सभी वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में उतरकर राहत-बचाव कार्य की निगरानी के निर्देश दिए हैं। प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। अतिवृष्टि और आकाशीय बिजली से हुई क्षति का 24 घंटे में आकलन कर मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से अपील की है कि आकाशीय बिजली व अतिवृष्टि के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। अतिवृष्टि के दौरान नदियों और जलाशयों में स्नान से बचें, विशेष सावधानी बरतें।

महामारी से निपटने को वैश्विक सहयोग जरूरी: भारत

स्वास्थ्य सचिव ने समानता, साझा जिम्मेदारी को बताया महामारी तैयारी का आधार

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने भविष्य में महामारियों की रोकथाम, तैयारी और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए वैश्विक सहयोग व आपसी एकजुटता को जरूरी बताया है। भारत ने कहा कि महामारी से निपटने की तैयारी साझा जिम्मेदारी है और इसमें समानता को केंद्र में रखा जाना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महामारी रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से मिली सीख के आधार पर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत करने, संस्थागत क्षमता बढ़ाने और भविष्य के स्वास्थ्य संकटों से निपटने के लिए लगातार निवेश जरूरी है।

उन्होंने बताया कि भारत में प्रयोगशाला नेटवर्क, आपातकालीन समन्वय व्यवस्था, स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता, चिकित्सा भंडार और उपचार सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रयासों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी महत्वपूर्ण है।

100 देशों को 30 करोड़ वैक्सीन खुराक



भारत ने कोविड-19 के दौरान करीब 100 देशों और संयुक्त राष्ट्र की दो संस्थाओं को लगभग 30 करोड़ वैक्सीन खुराक उपलब्ध कराई थी। इसके अलावा 150 से अधिक देशों को चिकित्सा सहायता दी गई। भारत ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे को वैश्विक सार्वजनिक संसाधन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

महामारी समझौते में निष्पक्ष व्यवस्था पर जोर

भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी समझौते को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए रोगजनकों तक पहुंच और उनसे मिलने वाले लाभों के बंटवारे में निष्पक्षता की मांग की। भारत ने कहा कि रोगजनक उपलब्ध कराने वाले देशों की संप्रभुता का सम्मान करते हुए उन्हें टीके, जांच, उपचार और तकनीक तक समय पर पहुंच मिलनी चाहिए। बैठक में वैश्विक महामारी तैयारियों को मजबूत करने के लिए टिकाऊ और समान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर भी चर्चा हुई।

ईरान में बस पलटने से 11 लोगों की मौत

एजेंसी, तेहरान। ईरान में शनिवार को एक यात्री बस पलट गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 24 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार है। यह हादसा मध्य मरकजी प्रांत के सावेह-हमदान फ्रीवे पर हुआ। प्रांतीय ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि ड्राइवर की थकान और नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने तुरंत यह नहीं बताया कि बस कहां जा रही थी। ईरान का ट्रैफिक सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया के सबसे खराब रिकॉर्ड्स में से एक है। यहां हर साल हादसों में 17,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। जानकारों का मानना है कि इतनी ज्यादा मौतों की वजह असुरक्षित गाड़ियां, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और अपर्याप्त इमरजेंसी सेवाएं हैं। इससे पहले इस महीने, पश्चिमी शहर सनंदाज के पास एक फ्यूल टैंकर दूसरे वाहनों से टकराकर फट गया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

रेखा गुप्ता ने बुराड़ी में खोला स्वचालित प्रशिक्षण केंद्र

एटीएस से वाहन फिटनेस जांच में पारदर्शिता और सटीकता बढ़ने की उम्मीद



एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत शनिवार को बुराड़ी में स्वचालित प्रशिक्षण केंद्र (एटीएस) का उद्घाटन किया। एटीएस की प्रतिवर्ष 90,000 वाहनों की फिटनेस टेस्टिंग क्षमता है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 सितंबर को तेहखंड और महज 23 दिनों में आज बुराड़ी में दूसरा एटीएस मिला है, इससे पहले नंद नगरी डिपो में एटीएस शुरू किया जा चुका है। यही हमारी सरकार की काम करने की गति है। उन्होंने कहा कि पूरी परीक्षण प्रक्रिया स्वचालित होगी, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और वाहन फिटनेस आकलन में सटीकता और पारदर्शिता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एटीएस में वाहनों की फिटनेस के लिए ब्रेक क्षमता, सस्पेंशन प्रदर्शन, हेडलाइट संरेखण, साइड-स्लिप, उत्सर्जन स्तर और वाहन के निचले हिस्से की जांच जैसी जरूरी जांच भी की जाएगी और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सरकार के निरंतर प्रयासों को भी नई ताकत मिलेगी। मंत्री पकंज कुमार सिंह ने कहा कि वाहनों की फिटनेस टेस्टिंग में तकनीक के इस्तेमाल से जांच प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी और मॉनिटरिंग भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी। इसका सीधा लाभ सड़क सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे उत्तर-पूर्वी दिल्ली और दिल्ली के लाखों कमर्शियल वाहन को फिटनेस टेस्ट के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी।

नशामुक्त पंजाब के लिए भाजपा सरकार जरूरी: धामी

ट्रैक्टर पर सवार होकर किया रोड शो, नशे के खिलाफ उठाई आवाज

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पंजाब के होशियारपुर ग्रामीण के मुकेरियां में 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के तहत रैली को संबोधित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ट्रैक्टर पर सवार होकर रोड शो में शामिल हुए। सीएम ने जगह-जगह गाड़ी रुकवाकर लोगों से मुलाकात की। उनसे हाथ मिलाया। ट्रैक्टर से लोगों को अभिवादन किया। उन्होंने नशे को लेकर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, आज उस भरोसे के साथ खिलवाड़ हुआ है। पंजाब में नशे की समस्या गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है और इसका सबसे बड़ा नुकसान प्रदेश की युवा पीढ़ी और उनके परिवारों को उठाना पड़ रहा है। पंजाब में भी अगर भाजपा की सरकार बनती है तो नशे के कारोबार के खिलाफ कठोर कार्रवाई, तस्करों पर शिकंजा और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी प्रयासों को और गति दी जाएगी। भाजपा की ये यात्रा 18 से 30 सितंबर तक पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी।

सीएम बोले- नशा पूरे परिवार को करता बर्बाद

मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद करता है। माता-पिता वर्षों तक अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मेहनत करते हैं, लेकिन जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में फंसता है तो उसके साथ पूरे परिवार के सपने टूटते हैं। मुख्यमंत्री ने पंजाब के युवाओं से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, रोजगार, खेल और राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'नशा मुक्त पंजाब' केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि पंजाब की युवा पीढ़ी और आने वाले भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। नशे के खिलाफ लड़ाई को जन-आंदोलन बनाकर समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी।



अभ्यास तरंग शक्ति-2026 का आगाज, 8 देशों के 3 हजार से ज्यादा एयर वॉरियर्स होंगे शामिल

जोधपुर के आसमान में दिखेगा वायु सेनाओं का दम

एजेंसी, जोधपुर। जोधपुर एयरबेस पर शनिवार से बहुराष्ट्रीय वायु युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 शुरू हो गया। 12 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत सहित आठ देशों की वायु सेनाएं हिस्सा ले रही हैं। अभ्यास में 3 हजार से अधिक एयर वॉरियर्स और करीब 100 अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जबकि 32 देशों के प्रतिनिधि ऑब्जर्वर के रूप में सैन्य गतिविधियों का जायजा ले रहे हैं।

अभ्यास में भारतीय वायुसेना के राफेल, तेजस और सुखोई-30 एमकेआई सहित विभिन्न लड़ाकू विमान हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका का एफ-35 लाइटनिंग-2, एफ-16, फ्रांस का राफेल और हवा में ईंधन भरने वाले एयर-टू-एयर रिफ्यूलर विमान भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। अभ्यास के दौरान विभिन्न वायु अभियानों व संयुक्त ऑपरेशनल गतिविधियों का प्रशिक्षण किया जाएगा। तरंग शक्ति-2026 के दौरान भारतीय वायुसेना ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख को भी अभ्यास में शामिल करेगी। जोधपुर के अलावा पश्चिमी सीमा क्षेत्र के चार से पांच एयरबेस का उपयोग किया जाएगा। अलग-अलग एयरबेस से विमान निर्धारित टास्क के अनुसार उड़ान भरकर ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

इस बार के अभ्यास का प्रमुख आकर्षण अमेरिकी वायुसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान है। पहली बार अमेरिकी एफ-35 भारतीय धरती से इस तरह के बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास में ऑपरेट करेगा। फ्रांस अपने राफेल विमानों के साथ भाग ले रहा है, जबकि संयुक्त अरब अमीरात एफ-16 विमानों के साथ अभ्यास का हिस्सा है। अभ्यास में अमेरिका, फ्रांस, यूएई, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश और श्रीलंका की वायु सेनाएं शामिल हैं। इसके माध्यम से विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच सहयोग, अनुभव और संचालन संबंधी बेहतर प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। साथ ही भारतीय वायुसेना अपनी स्वदेशी तकनीक और तेजस जैसे विमानों की क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

तरंग शक्ति का पहला संस्करण वर्ष 2024 में तमिलनाडु के सुलूर और जोधपुर में आयोजित किया गया था। इस बार इसका दायरा पहले की तुलना में व्यापक रखा गया है। अभ्यास के दौरान मित्र देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के भी जोधपुर पहुंचने की संभावना है।



फ्रांस के डिप्टी कमांडर बोले- तरंग शक्ति हमारे लिए महत्वपूर्ण

फ्रांस के वायु रक्षा एवं हवाई संचालन कमान के डिप्टी कमांडर जूलियन साबेने ने कहा कि तरंग शक्ति-2026 फ्रांस के लिए महत्वपूर्ण अभ्यास है। उन्होंने भारत को फ्रांस का महत्वपूर्ण वैश्विक रणनीतिक साझेदार बताते हुए कहा कि दोनों देशों की वायु सेनाएं इस दौरान अनुभव और बेहतर प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करेंगी। फ्रांस के पेगास-26 मिशन के तहत राफेल विमान भी अभ्यास में शामिल हुए हैं।

गांधी जयंती पर शिमला में निकाली जाएगी प्रभात फेरी

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को शिमला में प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया तथा प्रभात फेरी को सफल एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने बताया कि 2 अक्टूबर को प्रात: छह बजे लाल बहादुर शास्त्री चौक, केंद्रीय तारघर से प्रभात फेरी शुरू होगी। इसके बाद प्रभात फेरी लोअर बाजार से होते हुए शेर-ए-पंजाब रेस्टोरेंट के रास्ते रिज मैदान पहुंचेगी।

रिज मैदान पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप प्रभात फेरी का समापन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभात फेरी में शामिल होने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा



न हो। इसके लिए मार्ग पर आवश्यक व्यवस्थाएं करने के साथ आयोजन स्थल पर भी उचित प्रबंध किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी करने को कहा।

अनुपम कश्यप ने कहा कि महात्मा गांधी की जयंती केवल उन्हें स्मरण करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा भी देती है। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सद्भाव और राष्ट्रसेवा को जीवन का आधार बनाया। वर्तमान समय में भी उनके विचार समाज को एकजुट करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। बैठक में प्रभात फेरी में विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।

आयोजन के दौरान गांधी जी के प्रिय भजनों और देशभक्ति गीतों के माध्यम से उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण माना गया। उपायुक्त ने जिला के लोगों से अपील की कि वे गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित प्रभात फेरी में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करें। उन्होंने लोगों से सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी कानून एवं व्यवस्था पंकज शर्मा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी प्रोटोकॉल ज्ञान सागर नेगी, एसडीएम शहरी सन्नी शर्मा, डीएसपी हेडक्वार्टर विक्रम चौहान, जिला भाषा अधिकारी सरोजना नरवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

बैठक में प्रभात फेरी के मार्ग पर यातायात व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। प्रशासन ने आयोजन में विभिन्न विभागों, विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित यह प्रभात फेरी लोगों को सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

पार्टी नीतियों और सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों के प्रचार के निर्देश

रजनी पाटिल ने कांग्रेस के पदाधिकारीयो के साथ समीक्षा बैठक की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल ने पार्टी के मीडिया विभाग और सामाजिक माध्यम प्रकोष्ठ को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। राजीव भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक माध्यम लोगों तक सूचना पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में पार्टी की नीतियों और सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने की आवश्यकता है। हालिया कार्यक्रम के संबंध में उपलब्ध रिपोर्टों में भी मीडिया विभाग और अग्रणी संगठनों के कामकाज की समीक्षा का उल्लेख है।

बैठक में पार्टी के प्रवक्ताओं, मीडिया समन्वयकों, सामाजिक माध्यम से जुड़े पदाधिकारियों और पैनल सदस्यों ने भाग लिया। रजनी पाटिल ने मीडिया विभाग के कामकाज की जानकारी लेते हुए संगठन की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने पदाधिकारियों से पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और सरकार की ओर से किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों को तथ्यात्मक एवं प्रभावी तरीके से सामने रखने को कहा। उन्होंने कहा कि मीडिया से जुड़े पदाधिकारियों को पार्टी की ओर से महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसलिए उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और ईमानदारी के साथ करना चाहिए। बैठक में विपक्ष की ओर से उठाए



जाने वाले मुद्दों पर पार्टी का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने तथा सार्वजनिक विमर्श में तथ्यों के आधार पर जवाब देने पर भी चर्चा हुई।

रजनी पाटिल ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों को लेकर पदाधिकारियों से फीडबैक भी लिया। अग्रणी संगठनों और विभागों के पदाधिकारियों से उनके स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों तथा संगठनात्मक कार्यों की जानकारी ली गई। उन्हें आगामी गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। प्रदेश कांग्रेस में हाल में जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा भी की जा रही है। बैठक में संगठन को सक्रिय रखने, पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। रजनी पाटिल ने कहा कि मीडिया और सामाजिक माध्यम के माध्यम से संगठन की गतिविधियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसके लिए मीडिया विभाग और सामाजिक माध्यम से जुड़े पदाधिकारियों को नियमित रूप से संगठन की गतिविधियों की जानकारी साझा करनी होगी। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, विभागीय समन्वय और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर भी चर्चा की गई।

राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंज उठा विद्युत सुन्टा सरस्वती विद्या मंदिर

भारतेन्दु संवाददाता, पुजारली-3 (खलावन)। विद्युत सुन्टा सरस्वती विद्या मंदिर, पुजारली-3 (खलावन) में 'वन्दे भारतम्-वन्दे मातरम्' कार्यक्रम के अंतर्गत 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन उत्साह, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा विद्यालय परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामूहिक गायन के दौरान पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के स्वरों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना रहा। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में देशभक्ति का वातावरण बना रहा और विद्यार्थियों ने राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना



प्रदर्शित की। विद्यालय प्रबंधन की ओर से बताया गया कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व से परिचित करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आपसी सहयोग, अनुशासन और एकता की भावना भी विकसित होती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने तथा समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

शिक्षकों ने कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल भावनाओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे अपने व्यवहार, कार्य और जिम्मेदारियों के माध्यम से भी प्रदर्शित किया जाना चाहिए। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और देशप्रेम का संदेश दिया।

मशोबरा स्कूल में एक भारत श्रेष्ठ भारत और आपदा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



भारतेन्दु संवाददाता, मशोबरा। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मशोबरा में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' एवं आपदा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यकारी प्रधानाचार्या डॉ. उपासना देष्टा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रवक्ता रमन कुमार ने गतिविधियों की रूपरेखा बताई, जबकि कार्यक्रम प्रभारी डॉ. अनुकम्पा ठाकुर ने अभियान के उद्देश्यों और सांस्कृतिक एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण के कनिष्ठ वर्ग में लक्षिता प्रथम, ईशाना द्वितीय और अदिति तृतीय रहीं। वरिष्ठ वर्ग में दिव्या ने प्रथम, प्रिया ने द्वितीय और शिवांगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आपदा जागरूकता एवं तैयारी विषयक प्रश्नोत्तरी में भी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आपदा प्रबंधन प्रभारी दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को आपदा से बचाव, तैयारी और सुरक्षित व्यवहार की जानकारी दी। विद्यालय प्रशासन ने प्रतिभागियों को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देश की विविधता, एकता और आपदा के समय सुरक्षित रहने के उपाय सीखे।

जुन्गा में अंडर-19 छात्रा वर्ग की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आरंभ

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुन्गा में शनिवार को अंडर-19 छात्रा वर्ग की जिला स्तरीय मेजर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में शिमला जिला के 18 विद्यालयों की 165 छात्राएं विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। प्रतियोगिता के दौरान हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं।

प्रतियोगिता का शुभारंभ एपीएमसी शिमला के अध्यक्ष देवानंद वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश शर्मा ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों, निर्णायकों, शारीरिक शिक्षकों और विभिन्न विद्यालयों से पहुंची छात्राओं का स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ी छात्राओं को अनुशासन, एकता और आत्मविश्वास के साथ खेल भावना



का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनमें नेतृत्व क्षमता और टीम भावना भी विकसित करते हैं।

उद्घाटन समारोह के दौरान विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। इसमें पोर्टमोर स्कूल ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के पहले दिन फुटबॉल मुकाबले में पोर्टमोर स्कूल ने किन्नू स्कूल को 3-1 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। वहीं, एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया।

100 मीटर दौड़ में मशोबरा की आशा ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि एमपीएस फागू की विभूति ने रजत और पोर्टमोर स्कूल की एंजेल ने कांस्य पदक जीता। 3000 मीटर दौड़ में मझोली टिपर की मनीषा ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। किन्नू की दीपिका ने रजत और एमपीएस फागू की आस्था ने कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में अगले दो दिनों के दौरान विभिन्न खेलों की अन्य स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

सेब मंडियों में ओवरपैकिंग पर शिकंजा, 47 हजार रुपए जुर्माना

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के निर्देश पर सेब सीजन के दौरान मंडियों में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तन अभियान जारी है। कृषि उपज मंडी समिति शिमला एवं किन्नौर तथा सोलन की टीमों ने टापरी, पराला और सोलन स्थित मंडी परिसरों में निरीक्षण कर नियमों के उल्लंघन के 11 मामले पकड़े। इन मामलों में कुल 47 हजार रुपये के चालान किए गए हैं।

जांच के दौरान मुख्य रूप से यूनिवर्सल कार्टन में निर्धारित सीमा से अधिक सेब भरने यानी अधिक पैकिंग के मामले सामने आए। मंडी समितियों के अनुसार निर्धारित मानकों के अनुरूप पैकिंग करना जरूरी है, ताकि किसानों और आढ़तियों के हितों की रक्षा के साथ सेब की खरीद-बिक्री व्यवस्था पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनी रहे। अधिक पैकिंग से उपज के वजन और गुणवत्ता को लेकर विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है। मंडी समितियों ने किसानों, आढ़तियों और कमीशन एजेंटों से अपील की है कि वे सेब की पैकिंग निर्धारित मानकों के अनुसार ही करें। मंडी परिसरों में कारोबार के दौरान सभी नियमों और प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी नियमित रूप से प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही मंडी समितियां निरीक्षण के माध्यम से नियमों के पालन पर निगरानी बनाए रखेंगी। मंडी समितियों ने कहा कि निर्धारित मानकों का पालन करने से किसानों और आढ़तियों के हित सुरक्षित रहेंगे। नियमों की अनदेखी पर आगे भी चालान और जुर्माने की कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग का नर्वस सिस्टम हैं फार्मासिस्ट-अनिरुद्ध सिंह

विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 पर होटल मरीना में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 के अवसर पर हिमाचल प्रदेश ऑल इंडिया गवर्नमेंट एंड प्राइवेट सेक्टर फार्मासिस्ट्स एसोसिएशन तथा चीफ फार्मेसी ऑफिसर्स एंड फार्मेसी ऑफिसर्स एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में होटल मरीना में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में फार्मासिस्टों की भूमिका और फार्मेसी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं फार्मासिस्ट: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। दवाओं के सुरक्षित और तर्कसंगत



उपयोग के साथ मरीजों को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने में उनकी अहम भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि सही समय पर उचित दवा उपलब्ध न होने से मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है। फार्मासिस्ट स्वास्थ्य विभाग का नर्वस सिस्टम हैं और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी संचालन में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक मशीनों और उपकरणों के साथ सुविधाओं को लगातार मजबूत कर रही है। पिछले साढ़े तीन वर्षों में मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ के हजारों पद भरे गए हैं, जबकि सैकड़ों पदों को भरने की प्रक्रिया अभी जारी है। फार्मासिस्टों के पदोन्नति चैनल को विकसित करने के लिए भी सरकार की ओर से प्रयास किए जाएंगे।

आधुनिक तकनीक और बेहतर मरीज देखभाल पर जोर: मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं, आधुनिक तकनीक और बेहतर मरीज देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेडिकल और पैरामेडिकल पदों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप भरने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

करीब 100 फार्मासिस्टों के पद भरने की प्रक्रिया शुरू: निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी हैं। मरीजों को दवाएं उपलब्ध करवाने के साथ उनके सही उपयोग की जानकारी देना भी उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान फार्मासिस्टों के सहयोग से प्रदेश ने टीकाकरण अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा कमला नेहरू अस्पताल को लेकर दिए गए फैसले का स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने कमला नेहरू अस्पताल को लेकर हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का स्वागत किया है। समिति ने कहा कि अदालत के निर्णय से स्पष्ट हुआ है कि कमला नेहरू अस्पताल को आइजीएमसी में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। साथ ही अस्पताल परिसर में विधायकों के आवास बनाने की योजना नहीं होगी और इस स्थान का उपयोग महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ही किया जाएगा।

समिति ने कहा कि गायनी के पूरे वार्ड को आइजीएमसी में स्थानांतरित करने को लेकर भी उच्च न्यायालय ने सरकार से दोबारा हलफनामा देने को कहा है। समिति के अनुसार आइजीएमसी में गायनी वार्ड के लिए उपलब्ध स्थान कमला नेहरू अस्पताल की तुलना में कम है। इसके लिए अन्य विभागों के स्थान का उपयोग किए जाने से वहां उपचार के लिए आने वाले मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति ने कहा कि गायनी और प्रसूति सेवाओं को अलग-अलग नहीं किया जाना चाहिए। दोनों सेवाएं एक-दूसरे की पूरक हैं और महिलाओं को एक ही परिसर में उपचार की सुविधा मिलनी चाहिए।

समिति ने मांग की कि गायनी सेवाओं को तत्काल आइजीएमसी से वापस कमला नेहरू अस्पताल में शुरू किया जाए। समिति के अनुसार गायनी ओपीडी के आइजीएमसी जाने के बाद महिलाओं को कभी आइजीएमसी तो कभी कमला नेहरू अस्पताल भेजा जा रहा है, जिससे उन्हें परेशानी हो रही है। कमला नेहरू अस्पताल प्रदेश का प्रमुख मातृ एवं शिशु अस्पताल है और यहां प्रदेशभर से महिलाएं उपचार के लिए पहुंचती हैं।

विदाई जिला प्रशासन ने मंजीत शर्मा के समर्पित सेवाकाल और योगदान को सराहा

एसडीएम मंजीत शर्मा को सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उपमंडल दंडाधिकारी शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा के सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन शिमला की ओर से विदाई समारोह आयोजित किया गया। मंजीत शर्मा 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह में उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्ञान सागर नेगी, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (कानून एवं व्यवस्था) पंकज शर्मा, उपमंडल दंडाधिकारी शिमला शहरी सनी शर्मा सहित जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर उपायुक्त अनुपम कश्यप सहित उपस्थित अधिकारियों ने मंजीत शर्मा



को सम्मानित किया और उनके लंबे एवं समर्पित सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया। उपायुक्त ने कहा कि मंजीत शर्मा ने प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ किया। उनके अनुभव और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से जिला प्रशासन को हमेशा लाभ मिला। समारोह के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने मंजीत शर्मा के साथ सेवाकाल के अनुभव साझा किए।

उन्होंने उनके बेहतर स्वास्थ्य, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य तथा दीर्घायु की कामना की।

अधिकारियों ने कहा कि सरकारी सेवा के दौरान मंजीत शर्मा ने विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाया और प्रशासनिक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में योगदान दिया। सेवानिवृत्त हो रहे एसडीएम मंजीत शर्मा ने जिला प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से मिले स्नेह, सम्मान और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए उन्हें अनेक महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुए, जिन्हें वह हमेशा याद रखेंगे।

भराड़िया में स्वच्छता का संदेश, विद्यार्थियों ने की सार्वजनिक स्थलों की सफाई

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भराड़िया में ग्राम पंचायत दरभोग, महिला मंडल दरभोग और विद्यालय परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यालय परिसर के साथ आसपास के सार्वजनिक क्षेत्रों की भी सफाई की गई। अभियान के तहत मानसून के बाद विद्यालय परिसर और रास्तों के किनारे उगी झाड़ियों, घास और खरपतवार को हटाया गया। इससे आवागमन के रास्तों को सुगम बनाने में मदद मिली। वहीं, विद्यालय परिसर तथा आसपास बिखरे प्लास्टिक कचरे, रैपर और अन्य अजैविक कचरे को एकत्र कर उचित निस्तारण किया गया। स्वच्छता अभियान में महिला मंडल के सदस्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए घरों और आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने का आग्रह किया गया। लोगों से एकल उपयोग वाली प्लास्टिक सामग्री का प्रयोग न करने और कचरे का उचित निस्तारण करने की अपील भी की गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत दरभोग के प्रधान कमल ठाकुर, विद्यालय के प्रधानाचार्य वच्चन सिंह चौहान, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राधाकृष्ण शर्मा सहित शिक्षक एवं गैर-शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय ठियोग में राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का आयोजन



भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग के प्राणी विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक करना और पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों की उपयोगिता बताना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि पद्मश्री से सम्मानित नेक राम शर्मा रहे। उन्होंने भारत की पारंपरिक खाद्य संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए मोटे अनाज, विभिन्न अनाज और दालों के पोषण महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक एवं टिकाऊ खाद्य पदार्थों को दैनिक भोजन में शामिल करना चाहिए।

साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपेन्द्र सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के बजाय पारंपरिक और संतुलित आहार अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ पोषण स्वस्थ व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की आधारशिला है। कार्यक्रम में डीन छात्र कल्याण प्रो. अनीता राठौर, डॉ. राजेश आजाद, डॉ. राजिन्दर प्रकाश, प्रो. प्रदीप ठाकुर, डॉ. मोहिन्दर राठौर, प्रो. विक्रांत गौतम, डॉ. बृज मोहन, प्रो. ऋतिका और डॉ. अनिल कुमार सहित अन्य प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

मोहब्बेवाला सड़क हादसों का मुद्दा उठाने पर भारतेंदु शिखर की पहल को डीएम और विधायक ने सराहा

विकास बलूनी

देहरादून। मोहब्बेवाला हाईवे पर लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर भारतेंदु शिखर द्वारा लगातार उठाए जा रहे सवाल अब जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक पहुंच चुके हैं। हादसों के कारणों और स्थायी समाधान की जरूरत को प्रमुखता से उठाने की पहल को जिलाधिकारी तथा क्षेत्रीय विधायक ने भी सराहा।

मोहब्बेवाला क्षेत्र में लगातार सामने आ रहे हादसों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में केवल हादसे के बाद मौके का निरीक्षण, जांच और आश्वासन पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि दुर्घटनाओं के मूल कारणों की तकनीकी जांच कर स्थायी और प्रभावी समाधान लागू किया जाए।

भारतेंदु शिखर ने मोहब्बेवाला हाईवे की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गति नियंत्रण, ट्रैफिक डायवर्जन, रोड सेफ्टी ऑडिट और आवश्यक तकनीकी सुधार जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। उनके द्वारा लगातार इस विषय को सामने लाने से यह मुद्दा अब व्यापक चर्चा का विषय बना है।

डीएम और क्षेत्रीय विधायक द्वारा इस पहल की सराहना किया जाना महत्वपूर्ण है, लेकिन असली परीक्षा अब कार्रवाई की है। सवाल यह है कि क्या इस मुद्दे को केवल चर्चा और सराहना तक सीमित रखा जाएगा या फिर हाईवे पर ऐसे ठोस उपाय किए जाएंगे, जिनसे हादसों का सिलसिला वास्तव में कम हो सके?



डीएम, आशीष चौहान



विधायक विनोद चमोली

खबर का असर



परेशानी

भारी वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण से लेकर सुरक्षित बैरियर तक, हाईवे पर कई चुनौतियां, ईंटों से भरा ट्रक डिस्टर्ट की दीवार में घुसा

मोहब्बेवाला बना हादसों का शिकार, कब जागेगी सरकार?

मोहब्बेवाला में लगातार हादसा पर विधायक विनोद कंडारी ने जताई चिंता

मोहब्बेवाला हादसों पर एनएचएआई सवालों के घेरे में

देहरादून। मोहब्बेवाला हाईवे पर लगातार हो रहे सड़क हादसों ने एक बार फिर एनएचएआई की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसों की पुनरावृत्ति के बावजूद स्थायी समाधान को लेकर उठ रहे सवाल अब लगातार तेज होते जा रहे हैं।



दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर घटनास्थल का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

खबर का असर

एमपीजी कॉलेज में चुनावी घमासान थमा, 29 को मतदान

- **तीन नामांकन निरस्त करने का फैसला बरकरार, अध्यक्ष और महासचिव पद पर त्रिकोणीय मुकाबला; आईकार्ड से ही मिलेगा प्रवेश**

सुनील सोनकर

मसूरी। एमपीजी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव को लेकर छात्र संगठनों के बीच चल रहा गतिरोध शनिवार को समाप्त हो गया। प्राचार्य डॉ. सुनील पवार और चुनाव अधिकारी डॉ. अमिताभ भट्ट की छात्र संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ हुई वार्ता में 29 सितंबर को मतदान कराने पर सहमति बनी। हालांकि, एबीवीपी के तीन प्रत्याशियों के नामांकन निरस्त करने का फैसला बरकरार रखा गया। कॉलेज प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नामांकन निरस्तीकरण की कार्रवाई चुनाव नियमों के अनुरूप की गई है।

नामांकन निरस्त होने के बाद कॉलेज में विवाद बढ़ गया था। एबीवीपी ने विरोध जताया, जबकि एनएसयूआई ने कॉलेज प्रशासन की कार्रवाई को नियमसम्मत बताया। विवाद के चलते धरना और अनिश्चितकालीन अनशन भी शुरू हो गया था। शनिवार को हुई वार्ता में चुनाव नियमों की जानकारी देने के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी और चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ।



चुनावी तस्वीर के अनुसार अध्यक्ष पद पर तीन, महासचिव पद पर तीन और कोषाध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं, तीन पदों पर एक-एक प्रत्याशी शेष रहने से निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बन गई है।

प्राचार्य डॉ. सुनील पवार ने बताया कि 29 सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे और विजयी प्रत्याशियों को शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। कॉलेज पहचान पत्र के बिना किसी भी छात्र को प्रवेश और मतदान की अनुमति नहीं मिलेगी।

कांग्रेस शहर अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि नामांकन निरस्तीकरण नियमों के अनुसार हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनएसयूआई कॉलेज में अपना परचम लहराएगी। वहीं, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश रावत ने कहा कि एबीवीपी हमेशा छात्र हितों के लिए संघर्ष करती रही है। एमपीजी कॉलेज संगठन का गढ़ रहा है और इस बार भी एबीवीपी के प्रत्याशी जीत दर्ज करेंगे।

नामांकन विवाद समाप्त होने के बाद अब दोनों संगठनों की प्रतिष्ठा चुनाव से जुड़ गई है। 29 सितंबर को होने वाला मतदान तय करेगा कि छात्र मतदाता किस संगठन के प्रत्याशियों पर भरोसा जताते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सेवा संकल्प शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़ मौके पर सुनी गईं समस्याएं

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। विकासखंड कोट में शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टाल लगाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनकी समस्याएं सुनी गईं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विधायक राजकुमार पोरी ने सेवा संकल्प अभियान को सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कृषि विभाग की ओर से लाभार्थियों को फार्म मशीनरी बैंक, जियोलाइन टैंक और नैपसेक स्प्रे वितरित किए गए। ग्रामोत्थान परियोजना के तहत छह लाभार्थियों को चेक और दो लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट प्रदान की गईं। शिविर में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य, कृषि, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास और राजस्व विभागों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी।

रेड अलर्ट के चलते केदारनाथ धाम यात्रा दो दिन स्थगित

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। मौसम विभाग की ओर से 26 सितंबर को जारी रेड अलर्ट को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर केदारनाथ धाम यात्रा दो दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। यात्रा 26 सितंबर की दोपहर से 27 सितंबर तक स्थगित रहेगी। मौसम सामान्य होने के बाद यात्रा फिर शुरू की जाएगी।



श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए केदारनाथ धाम यात्रा स्थगित।

जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष विशाल मिश्रा ने बताया कि देश-विदेश से चारधाम दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते हुए एहतियातन यात्रा रोकने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि यात्रा स्थगित रखने के आदेश का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश सभी सेक्टर अधिकारियों, यात्रा मार्ग पर तैनात चेक पोस्टों और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को दिए गए हैं। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

देहरादून में 80 से अधिक आभूषण कारीगरों ने लिया तकनीकी प्रशिक्षण

अनिल थपलियाल

- **कारीगरों के कौशल विकास से बढ़ेगी आभूषण निर्माण में गुणवत्ता: बीआईएस**

देहरादून। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देहरादून शाखा कार्यालय की ओर से 25 और 26 सितंबर को आभूषण निर्माण से जुड़े कारीगरों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 80 से अधिक कारीगरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कारीगरों को आभूषण निर्माण में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों, निर्माण प्रक्रियाओं और गुणवत्ता संबंधी मानकों की जानकारी देना था।



कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षक तिरुपति राजन ने कारीगरों को आभूषण निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में व्यावहारिक और तकनीकी प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने, नई तकनीकों को अपनाने तथा उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण आभूषण तैयार करने के तरीकों की जानकारी दी गई। कारीगरों ने प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

सुरक्षित आभूषण निर्माण पर विशेष जोर

बीआईएस देहरादून शाखा कार्यालय के निदेशक एवं प्रमुख हेमंत बी. आडे ने कहा कि आभूषण उद्योग में तकनीक और गुणवत्ता के क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में कारीगरों का निरंतर कौशल विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कारीगरों को नवीनतम तकनीकों और निर्माण प्रक्रियाओं से परिचित कराने के साथ उनके कौशल को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने हानिकारक तत्वों से मुक्त और सुरक्षित आभूषणों के निर्माण पर विशेष जोर दिया। सर्राफा एसोसिएशन की ओर से सुनील मेसन ने प्रशिक्षण के सफल आयोजन में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और कारीगरों के कौशल विकास के लिए बीआईएस के प्रयासों की सराहना की।

सेवा संकल्प अभियान के शिविर में ग्रामीणों को मिली स्वास्थ्य सेवाएं

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। विधानसभा क्षेत्र थराली के कुलसारी में शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मानसिक दिव्यांगों सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को आवश्यक परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया। साथ ही विभिन्न विभागों की ओर से स्टाल लगाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई।

- **आंगन उत्सव में नन्हे कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा, चित्रकला प्रदर्शनी बनी आकर्षण**



शिविर का उद्घाटन थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार बहुउद्देश्यीय शिविरों का आयोजन कर दूरस्थ गांवों में रहने वाले गरीब और आम लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से गंभीरता से कार्य करने का आह्वान किया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल ने बताया कि चमोली जिले में अब तक 6063 विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विजेंद्र जीत सोनी ने बताया कि शिविर में 60 मानसिक दिव्यांगों की जांच की गई। एडीओ समाज कल्याण राजेंद्र सिंह बिमोली ने बताया कि पेंशन से संबंधित शिकायतें दर्ज कर उनके निराकरण का प्रयास किया जा रहा है।

शिविर में फिजिशियन, हड्डी रोग, ईएनटी, मानसिक रोग, आयुर्वेद और होम्योपैथी विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच की। कृषि, समाज कल्याण, श्रम, सहकारिता, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास समेत कई विभागों ने स्टाल लगाए। इस दौरान मदर लैंड पब्लिक स्कूल में आंगन उत्सव के तहत आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी का भी अतिथियों ने निरीक्षण किया और बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

15 अक्टूबर तक उत्तरकाशी की सडकें गड्ढामुक्त करने के मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित जिला योजना, राज्य वित्त, 25 सूत्रीय कार्यक्रम और केंद्र पोषित विभिन्न विकास योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्वीकृत निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने डिजिटल पहल 'योजना दीदी' ई-पुस्तक का विमोचन भी किया।



समीक्षा बैठक करते हुए।

मुख्य सचिव ने धामों और धार्मिक स्थलों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत कूड़े के उचित निस्तारण के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। सड़कों पर सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सीमा सड़क संगठन, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और स्थानीय नगर निकायों को आगामी 15 अक्टूबर तक गड्ढामुक्त सड़क अभियान चलाने के निर्देश दिए।

प्रशांत आर्य ने जनहित के मुद्दों पर दिए निर्देश

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि विभिन्न संगठनों की ओर से उठाए गए जनहित से जुड़े उचित विषयों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के माध्यम से नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य सचिव ने भटवाड़ी विकासखंड के गणेशपुर में समग्र पर्यटन पहल के तहत संचालित वूमेन हिल्स ट्रैक एडवेंचर का भी अवलोकन किया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से संवाद कर पर्यटन गतिविधियों से जुड़ने के उनके अनुभवों की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, ब्लॉक प्रमुख भटवाड़ी ममता पंवार, ब्लॉक प्रमुख डुंडा राजदीप परमार, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह, अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कूड़ा, सड़क और नेटवर्क की समस्याएं उठाई

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने 'स्वच्छ गंगा, निर्मल एवं अविरल यमुना' के संकल्प के साथ गंगोत्री और यमुनोत्री क्षेत्रों की हिमालयी नदियों के संरक्षण के लिए 3.26 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले जिला स्तरीय मॉडल का आधिकारिक उद्घाटन भी किया। इस पहल के माध्यम से हिमालयी नदियों के संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। बैठक के दौरान सिविल सोसायटी, भूतपूर्व सैनिक एवं अर्द्धसैनिक बलों के पेंशनर्स, होटल एसोसिएशन तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव से मुलाकात की। उन्होंने वीबी जी रामजी योजना में ऑनलाइन उपस्थिति की समस्या, नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण, सड़क एवं नेटवर्क की समस्या, उपनल में पूर्व सैनिकों के लिए समान कार्य-समान वेतन, नेलांग-जादुंग परमिट के लिए एकल खिड़की व्यवस्था और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग रखी।

पौड़ी में सड़क हादसे में युवक की मौत, अस्पताल पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। पौड़ी-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-534 पर निरंकारी सत्संग भवन के समीप शुक्रवार शाम फ्रॉन्क्स कार और बाइक की जोरदार भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल करीब 25 वर्षीय युवक की उपचार के लिए देहरादून ले जाते समय मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम बेंगवाड़ी निवासी ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद प्रत्यक्षदर्शियों ने 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि एंबुलेंस समय पर मौके पर नहीं पहुंची। गंभीर रूप से घायल ऋषभ काफी देर तक सड़क पर मदद का इंतजार करता रहा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने निजी वाहन से उसे जिला अस्पताल पौड़ी पहुंचाया।

- **हादसे के बाद समय पर नहीं पहुंची एंबुलेंस, घायल युवक की रास्ते में मौत**

अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायल को श्रीनगर रेफर करने को लेकर परिजनों और अस्पताल प्रबंधन के बीच विवाद की स्थिति बनी। परिजनों का आरोप है कि गंभीर घायल को ऑक्सीजन समेत आवश्यक प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने और एंबुलेंस की व्यवस्था में भी परेशानी हुई। बताया गया कि बाद में निजी एंबुलेंस को धक्का देकर चालू कराया गया और ऋषभ को परिजनों के साथ देहरादून के लिए रवाना किया गया। हालांकि, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस सेवा के साथ ही जिला अस्पताल की उपचार और रेफरल व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय निवासी विनोद दनोसी ने कहा कि समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण युवक की जान चली गई। उन्होंने मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की। स्थानीय लोगों ने भविष्य में गंभीर घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता और एंबुलेंस उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई है।

प्रतियोगिता 16 प्रतिभागियों ने देशभक्ति की मौलिक कविताओं से बांधा समां

हडको देहरादून में देश-भक्ति विषय पर स्वरचित एवं मौलिक कविता प्रतियोगिता आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

राजभाषा हिंदी के प्रति रुचि, सृजनात्मकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हडको), क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून की ओर से देशभक्ति विषय पर स्वरचित एवं मौलिक कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में करीब 12 केंद्रीय संस्थानों के 16 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, देश के प्रति कर्तव्य, सम्मान और समर्पण की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।



प्रतियोगिता का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ अधिकारियों, कर्मचारियों और आमंत्रित प्रतिभागियों में हिंदी के प्रति साहित्यिक एवं रचनात्मक अभिरुचि को बढ़ावा देना था। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की मौलिकता, विषय-वस्तु, काव्यात्मक अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के आधार पर कविताओं का मूल्यांकन किया।

परिणामों में केंद्रीय विद्यालय बीरपुर के जितेंद्र डिमरी ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। केंद्रीय विद्यालय आइटीबीपी की कविता शर्मा और ओएनजीसी के राहुल खंतवाल को संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार दिया गया।

प्रतियोगिता विजेताओं को किया सम्मानित

हडको के बलराम और केंद्रीय विद्यालय बीरपुर के जितेंद्र नेगी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं आकाशवाणी के विनय ध्यानी, केंद्रीय विद्यालय हाथीबड़कला की ममता श्रीवास्तव और केंद्रीय विद्यालय नंबर-2, सर्वे ऑफ इंडिया के मनीष नौटियाल को प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चुना गया। निर्णायक मंडल में आकाश त्यागी, हरि मोहन भटनागर, आशीष गर्ग, संजीव सुन्द्रियाल, सहायक निदेशक, प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो तथा वरिष्ठ कवि श्रीकांत शर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में हडको के कार्यकारी निदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख संजय भार्गव ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा के साथ समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजन रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने और हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम का संचालन आयुष गोसाईं ने किया।

उत्तराखंड एससीईआरटी को शिक्षक प्रशिक्षण के लिए मिला राष्ट्रीय स्काच गोल्ड अवार्ड

49 हजार शिक्षकों तक पहुंचा ई-सृजन प्रशिक्षण, 95 प्रतिशत रही पूर्णता दर

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तराखंड को शिक्षक प्रशिक्षण में तकनीक के अभिनव और व्यापक उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्काच गोल्ड अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 109वें स्काच शिखर सम्मेलन के पुरस्कार समारोह में निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण बंदना गर्ब्याल और समन्वयक डा. रमेश बड़ोनी ने यह सम्मान ग्रहण किया।

एससीईआरटी की पहल 'ई-सृजन के माध्यम से बड़े स्तर पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षक प्रशिक्षण की सफलता' को पुरस्कार के लिए चुना गया। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षकों तक प्रशिक्षण पहुंचाने की चुनौती को देखते हुए ई-सृजन को मोबाइल अनुकूल और कम लागत वाले प्रशिक्षण मॉडल के रूप में विकसित किया गया। इसके माध्यम से शिक्षकों को उनके कार्यस्थल के निकट रहते हुए तकनीक आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

इस पहल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहभागिता और वास्तविक समय में प्रशिक्षण की प्रगति की निगरानी जैसी तकनीकों का उपयोग किया गया। एससीईआरटी के अनुसार, ई-सृजन के माध्यम से करीब 49 हजार शिक्षकों तक प्रशिक्षण पहुंचा, जबकि 47 हजार से अधिक शिक्षक प्रशिक्षण पूरा कर प्रमाणित हुए। पाठ्यक्रम पूरा करने की दर करीब 95 प्रतिशत रही और विद्यालय आच्छादन 97 प्रतिशत दर्ज किया गया।

प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी कौशल को बढ़ावा देने के साथ तकनीक आधारित पाठ योजना तैयार करने, आकलन, डिजिटल सामग्री निर्माण और



संवादात्मक शिक्षण को प्रोत्साहित किया गया। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षकों को भी आधुनिक शिक्षण तकनीकों से जोड़ने में मदद मिली।

स्काच गोल्ड अवार्ड प्राप्त करने से पहले परियोजना को कई चरणों की मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। प्रारंभिक प्रस्तुतीकरण के बाद परियोजना सेमीफाइनल चरण में पहुंची और शीर्ष तीन परियोजनाओं में स्थान बनाया। इसके बाद अंतिम मूल्यांकन में इसे राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया। शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत और विद्यालयी शिक्षा सचिव ज्योति यादव ने एससीईआरटी की पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने तकनीक के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाने के प्रयासों की सराहना की।

बेटी की उम्र की लड़की पर टिप्पणी, खैहरा पर बरसीं बिश्नोई

खैहरा के बयान को गायत्री ने बताया महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को लेकर कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद आप नेता और पार्टी की सह-प्रभारी गायत्री बिश्नोई ने पलटवार किया है। उन्होंने खैहरा की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्हें निशाने पर लिया और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।



मामला उस समय सामने आया जब सुखपाल सिंह खैहरा ने मनीष सिसोदिया पर किसी दूसरी महिला के साथ रहने को लेकर आरोप लगाए। खैहरा की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए गायत्री बिश्नोई ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन किसी महिला को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने खैहरा की भाषा और टिप्पणी को लेकर सवाल उठाए। गायत्री बिश्नोई ने खैहरा को संबोधित करते हुए कहा कि क्या उन्हें बेटी की उम्र की लड़की को लेकर ऐसी टिप्पणी करते समय शर्म नहीं आई। उन्होंने इस टिप्पणी को गंभीर विषय बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं को महिलाओं के सम्मान और गरिमा का ध्यान रखना चाहिए।

आप नेता ने खैहरा के बयान को 'नीच हरकत' बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बहस नीतियों, सरकार के कामकाज और जनहित के मुद्दों तक सीमित रहनी चाहिए। व्यक्तिगत आरोपों और किसी महिला को लेकर टिप्पणी करने से राजनीतिक संवाद का स्तर प्रभावित होता है। गायत्री बिश्नोई ने कहा कि महिलाओं को लेकर किसी भी तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी को सामान्य नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने खैहरा की टिप्पणी पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इस मामले में जरूरत पड़ने पर कानूनी रास्ता अपनाया जाएगा।

उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी इस तरह के बयानों को लेकर उचित मंच पर कार्रवाई कर सकती है। इस पूरे विवाद के बीच पंजाब की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच बयानबाजी बढ़ रही है। अलग-अलग मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। इसी क्रम में नेताओं के व्यक्तिगत बयानों को लेकर भी विवाद सामने आ रहे हैं।

गायत्री बिश्नोई ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद महिलाओं के सम्मान से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने खैहरा की टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी महिला के निजी जीवन को लेकर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने इस मुद्दे पर खैहरा से जवाबदेही की मांग की। आप नेता ने यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों की जिम्मेदारी होती है कि वे अपनी बात रखते समय शब्दों का चयन सावधानी से करें। उनके अनुसार, राजनीतिक विरोध और व्यक्तिगत टिप्पणी के बीच अंतर बनाए रखना जरूरी है। वहीं, खैहरा की ओर से सिसोदिया को लेकर लगाए गए आरोपों पर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इस विवाद ने पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं के बीच चल रही बयानबाजी को और चर्चा में ला दिया है।

गायत्री बिश्नोई के पलटवार के बाद मामला केवल सिसोदिया और खैहरा के बीच आरोपों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें महिलाओं के सम्मान और राजनीतिक भाषा के इस्तेमाल का मुद्दा भी जुड़ गया है। आप नेता ने खैहरा के बयान पर कड़ा रुख अपनाते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। फिलहाल इस मामले में दोनों पक्षों की बयानबाजी सामने आ रही है। खैहरा के आरोपों के जवाब में गायत्री बिश्नोई ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है और टिप्पणी को लेकर कार्रवाई की बात कही है। पंजाब में चुनावी गतिविधियों के बीच यह विवाद आने वाले दिनों में राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रह सकता है।

पंजाब वोटर लिस्ट पर जाखड़ का निशाना

आपत्तियां दर्ज कराने का मांगा हिसाब

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक बयानबाजी के बीच भाजपा नेता सुनील जाखड़ ने राजनीतिक दलों से सवाल किए हैं। जाखड़ ने पूछा कि यदि किसी दल को मतदाता सूची में गड़बड़ी की आशंका थी तो उसने निर्धारित प्रक्रिया के तहत कितनी आपत्तियां दर्ज कराईं। पंजाब में एसआईआर के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों ने मतदाताओं का सत्यापन किया और ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की गई।



जाखड़ ने कहा कि प्रक्रिया के तहत मतदाताओं को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया था। उन्होंने राजनीतिक दलों से यह बताने को कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों के समक्ष कितनी आपत्तियां दर्ज कराईं। उनका यह सवाल ऐसे समय आया है जब मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की ओर से अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। एसआईआर के तहत पंजाब की 117 विधानसभा सीटों के लिए ड्राफ्ट मतदाता सूची 13 अगस्त को प्रकाशित की गई थी। इसके बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 12 सितंबर तक समय दिया गया था। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नाम शामिल कराने, हटाने या विवरण में सुधार के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन की व्यवस्था की गई थी।

जाखड़ ने कहा कि यदि किसी राजनीतिक दल या उसके प्रतिनिधि को किसी मतदाता का नाम हटाए जाने या सूची में किसी अन्य तरह की गड़बड़ी पर आपत्ति थी, तो वह तय प्रक्रिया के तहत उसे संबंधित अधिकारियों के सामने रख सकता था। उन्होंने दलों से इसी प्रक्रिया में उनके द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर आरोप लगाने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज कराना जरूरी है। एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची अक्टूबर में प्रकाशित की जानी है। अंतिम मतदाता सूची अक्टूबर में प्रकाशित की जानी है।

जाखड़ ने कहा कि सूची से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों को निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों के समक्ष दावे और आपत्तियां दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे मतदाता सूची में किसी भी त्रुटि या नाम हटाए जाने संबंधी शिकायतों का नियमानुसार निपटारा हो सकेगा। जाखड़ ने राजनीतिक दलों से पुनरीक्षण प्रक्रिया में अपनी ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों और कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक करने को भी कहा।

लोन लेकर पिता ने पूरा किया बेटी का सपना, नंदिनी ने जीता एशियन गेम्स में गोल्ड

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। बापूधाम कॉलोनी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम तक का सफर तय कर एशियन गेम्स 2026 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली नंदिनी शर्मा को शनिवार को सम्मानित किया गया। सेक्टर-16 क्रिकेट ग्राउंड में चंडीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नंदिनी को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मान मिला। इस दौरान चंडीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सारांश टंडन, पूर्व अध्यक्ष संजय टंडन और चंडीगढ़ प्रशासन के डायरेक्टर स्पोर्ट्स सौरव अरोड़ा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।



नंदिनी की सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष और परिवार का त्याग रहा है। साधारण परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। क्रिकेट में करियर बनाने के लिए उन्हें लगातार मेहनत करनी पड़ी। परिवार ने भी बेटी के सपने को पूरा करने के लिए आर्थिक चुनौतियों का सामना किया। नंदिनी के संघर्ष में उनके पिता की भूमिका अहम रही।

बेटी को क्रिकेट में आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने लोन तक लिया, ताकि प्रशिक्षण और खेल से जुड़ी जरूरतों को पूरा किया जा सके। बापूधाम कॉलोनी से शुरू हुआ नंदिनी का सफर धीरे-धीरे भारतीय महिला क्रिकेट टीम तक पहुंचा। कड़ी मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। इसके बाद एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने परिवार और चंडीगढ़ का नाम रोशन किया।

सम्मान समारोह के दौरान नंदिनी ने अपने संघर्ष, परिवार के सहयोग और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया। उन्होंने बताया कि सफलता के पीछे परिवार का भरोसा और लगातार मेहनत सबसे बड़ी ताकत रही। उनकी कहानी उन खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। चंडीगढ़ प्रशासन ने नंदिनी को तीन करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

फेस्टिवल सीजन से पहले चंडीगढ़ में छापा, दूध-पनीर समेत चार सैंपल भरे

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। फेस्टिवल सीजन से पहले शहर में दूध और इससे बने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार सुबह खाद्य सुरक्षा विंग की टीम ने सेक्टर-31 सी की बूथ मार्केट स्थित एक थोक सप्लायर के ठिकाने पर छापेमारी की। टीम सुबह करीब 5:30 बजे मौके पर पहुंची और वहां उपलब्ध खाद्य पदार्थों की जांच की। कार्रवाई के दौरान विभाग की टीम ने दूध, दही, क्रीम और पनीर के सैंपल लिए। इन सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। विभाग की ओर से सैंपलों की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप होने की जांच की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित खाद्य पदार्थ गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। त्योहारों के दौरान दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता परखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की टीम सप्लायर के यहां मौजूद उत्पादों और उनकी गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

महिला सम्मेलन में हरसिमरत ने आप सरकार पर साधा निशाना

महिला सम्मेलन में माताओं-बेटियों की सुरक्षा और अधिकारों का मुद्दा उठाया

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। पंजाब में माताओं और बेटियों के अधिकार, सुरक्षा और इंसाफ से जुड़े मुद्दों को लेकर शनिवार को मोहाली में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की ओर से महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बठिंडा से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल मुख्य रूप से शामिल हुईं। उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए नशे और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए।



हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि पंजाब में माताओं और बेटियों की सुरक्षा तथा उन्हें इंसाफ दिलाना अहम मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार नशे को खत्म करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन सरकार के कार्यकाल के पांच साल पूरे होने वाले हैं और नशे की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों को परेशान किया जा रहा है। हरसिमरत ने आरोप लगाया कि नशे को खत्म करने की बात करने वाले लोगों को सरेआम मार दिया जाता है या उन्हें इतना जलील किया जाता है कि वे आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। ये आरोप हरसिमरत कौर बादल ने सम्मेलन के दौरान लगाए। महिला सम्मेलन में शिअद की ओर से महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि महिलाओं और बेटियों से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उन्हें सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सम्मेलन के दौरान नशे के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। अकाली दल की ओर से नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि नशे के कारण परिवारों पर पड़ रहे असर को देखते हुए इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

हरसिमरत कौर बादल ने सम्मेलन में मौजूद महिलाओं से भी बातचीत की और उनके मुद्दों को सुना। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर पार्टी की ओर से आवाज उठाने की बात कही। मोहाली में आयोजित इस महिला सम्मेलन के जरिए शिअद ने महिलाओं से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ पंजाब में नशे की समस्या को भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में रखा। सम्मेलन में पार्टी कार्यकर्ताओं और महिला पदाधिकारियों ने भाग लिया। हरसिमरत कौर बादल के संबोधन के दौरान प्रदेश सरकार की नीतियों और नशे की स्थिति को लेकर कई आरोप लगाए गए।

चंडीगढ़ सेक्टर-39 मंडी में 23 एससीओ साइटों की दोबारा ई-नीलामी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-39 स्थित नई अनाज, फल एवं सब्जी मंडी में 23 एससीओ साइटों की दोबारा ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू होगी। पहली नीलामी सफल नहीं होने के बाद राज्य कृषि विपणन बोर्ड, यूटी चंडीगढ़ ने नए सिरे से नीलामी का शेड्यूल जारी किया है। बोर्ड के अनुसार 28 सितंबर 2026 को नीलामी का विज्ञापन जारी किया जाएगा, जबकि मुख्य ई-नीलामी 23 से 27 अक्टूबर तक चलेगी।



इस ई-नीलामी में साइट नंबर 24 से 46 तक कुल 23 एससीओ साइटें शामिल हैं। इन साइटों को फल और सब्जी कारोबार के लिए लीजहोल्ड आधार पर आवंटित किया जाएगा। प्रत्येक साइट का आकार करीब 5.48 मीटर गुणा 18.29 मीटर यानी 100.23 वर्ग मीटर है। प्रत्येक एससीओ साइट का आरक्षित मूल्य 5.31 करोड़ रुपये तय किया गया है।

इस तरह सभी 23 साइटों का कुल आरक्षित मूल्य करीब 122.08 करोड़ रुपये है। बोर्ड ने नीलामी प्रक्रिया से संबंधित कार्यक्रम जारी करते हुए इच्छुक बोलीदाताओं को तय समयसीमा के अनुसार प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर दिया है। सेक्टर-39 मंडी में इन साइटों को फल-सब्जी कारोबार के लिए विकसित किया गया है।

कनाडाई सांसद ने लॉरेंस गैंग पर कार्रवाई के लिए सरकार से सख्त कदम उठाने को कहा

छात्र वीजा पर रह रहे गैंग से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की मांग, सांसद ने उठाया मुद्दा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग को लेकर राजनीतिक बहस के बीच कनाडाई सांसद ब्रैड विस ने गैंग से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। सांसद ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें कनाडा में हुई गोलीबारी की 10 घटनाओं के फुटेज दिखाए गए हैं। वीडियो में शूटर कथित तौर पर मशीनगन से गोलियां चलाते नजर आ रहे हैं।



ब्रैड विस ने कनाडा सरकार से अपील की है कि लॉरेंस गैंग से जुड़े ऐसे लोगों की पहचान की जाए, जो छात्र वीजा या किसी अन्य अस्थायी अनुमति के आधार पर देश में रह रहे हैं। सांसद का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के आपराधिक गिरोह से संबंध सामने आते हैं और वह कनाडा में रहने का कानूनी अधिकार खो देता है, तो उसके खिलाफ इमिग्रेशन कानून के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कनाडा की संबंधित एजेंसियों से भी गैंग से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है। सांसद ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने में सक्षम बनाया जाना चाहिए। लॉरेंस बिश्नोई गैंग को लेकर कनाडा में पहले भी विवाद सामने आते रहे हैं। इस मामले में गैंग की ओर से कनाडा में अपना प्रभाव बढ़ाने या राज करने की कथित धमकी वाला पत्र सामने आने का भी उल्लेख किया गया है।

500 से ज्यादा पन्नों की चार्जशीट में हथियार सप्लाई की पूरी कड़ी का खुलासा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार केमिस्ट शॉप के कैशियर जानकीदास हत्याकांड में पुलिस ने 500 से अधिक पन्नों की चार्जशीट जिला अदालत में दाखिल की है। चार्जशीट में हत्या की साजिश से लेकर हथियारों की सप्लाई और शूटरों के चंडीगढ़ पहुंचने तक की पूरी कड़ी का उल्लेख किया गया है। जांच में सामने आया है कि वारदात में इस्तेमाल हथियार जर्मनी में बैठे एक सप्लायर के जरिये उपलब्ध कराए गए थे। हथियारों की टेस्टिंग तरनतारन में किए जाने की बात भी चार्जशीट में सामने आई है। पुलिस के अनुसार, हत्या की साजिश विदेश में बैठकर रची गई थी। इसके बाद हथियारों की व्यवस्था कर शूटरों तक पहुंचाए गए। शूटरों के चंडीगढ़ आने और सेक्टर-11 स्थित केमिस्ट शॉप में वारदात को अंजाम देने तक की गतिविधियों को भी जांच में जोड़ा गया है।

सोढल मेले में पार्क में झूले लगाने का मामला हाई कोर्ट पहुंचा

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर के प्रसिद्ध सोढल मेले के दौरान नेहरू चिल्ड्रन पार्क-रामलीला ग्राउंड में झूले लगाने को लेकर विवाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट पहुंच गया है। स्थानीय निवासियों ने पार्क में झूले लगाने के लिए नगर निगम की ओर से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) पर सवाल उठाते हुए याचिका दायर की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार और जालंधर नगर निगम को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।



याचिकाकर्ताओं की ओर से पार्क में झूले लगाने को लेकर कई तरह की आपत्तियां उठाई गई हैं। उनका कहना है कि मेले के दौरान पार्क में बड़े स्तर पर झूले और अन्य अस्थायी ढांचे लगाए जाने से पार्क के इस्तेमाल और वहां आने वाले लोगों की सुरक्षा से जुड़े सवाल खड़े होते हैं। इसके साथ ही याचिका में पर्यावरण को संभावित नुकसान और पार्क की स्थिति प्रभावित होने का मुद्दा भी उठाया गया है।

स्थानीय निवासियों ने नगर निगम की ओर से झूले लगाने की अनुमति देने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सार्वजनिक पार्क में किसी भी तरह की गतिविधि के लिए नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाना जरूरी है।

पुलिस कस्टडी से फरार आरोपी का एनकाउंटर

अमृतसर में क्रॉस फायरिंग के दौरान सिपाही घायल

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में एएसआई पर गोली चलाकर पुलिस कस्टडी से फरार हुए आरोपी करणजीत सिंह उर्फ नंदी को पुलिस ने शनिवार तड़के हुई मुठभेड़ में मार गिराया। नाकाबंदी के दौरान हुई क्रॉस फायरिंग में अमृतसर देहात पुलिस का हेड कांस्टेबल अमृतपाल सिंह भी घायल हो गया। उसके जांघ में गोली लगी है और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, करणजीत सिंह उर्फ नंदी झंझोटी गांव का रहने वाला था। वह बुधवार रात पुलिस कस्टडी से चकमा देकर फरार हो गया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। शनिवार तड़के पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में नाकाबंदी की थी। इसी दौरान पुलिस और नंदी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, दोनों ओर से हुई फायरिंग में नंदी घायल हो गया। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्रॉस फायरिंग के दौरान हेड कांस्टेबल अमृतपाल सिंह भी गोली लगने से घायल हो गए।



मामले की जानकारी देते हुए डीआईजी बॉर्डर रेंज गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि करणजीत सिंह उर्फ नंदी पर एएसआई जसवंत सिंह को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप था। पुलिस कस्टडी से फरार होने के बाद उसकी तलाश तेज कर दी गई थी। पुलिस ने नंदी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। मुठभेड़ स्थल से जुड़े साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फरारी के दौरान आरोपी किन लोगों के संपर्क में था और उसे भागने में किसी ने मदद तो नहीं की।

वहीं, घायल हेड कांस्टेबल अमृतपाल सिंह का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

घोटाला | पूर्व ब्रांच मैनेजर की जमानत अर्जी पर बैंक ने जताई विदेश भागने की आशंका

200 करोड़ की हेराफेरी मामले में रिभव ऋषि को झटका, जमानत अर्जी खारिज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम के सरकारी खातों से करीब 200 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के मामले में आरोपित बैंक के पूर्व ब्रांच मैनेजर रिभव ऋषि को सीबीआई कोर्ट से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने स्मार्ट सिटी और क्रेस्ट से जुड़े दोनों मामलों में उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। जमानत का आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने भी विरोध किया था।



बैंक की ओर से आशंका जताई गई कि यदि रिभव को जमानत मिलती है तो वह विदेश भाग सकता है। सीबीआई की जांच के दौरान रिभव के पास से यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) का टेम्परेरी रेजिडेंट आइकार्ड मिलने की बात सामने आई है। यह कार्ड उसे निवेशक के तौर पर जारी किया गया था। इसी आधार पर बैंक की ओर से अदालत के समक्ष उसकी विदेश जाने की संभावित आशंका का मुद्दा उठाया गया। अभियोजन पक्ष ने भी मामले की जांच और आरोपों की गंभीरता को देखते हुए जमानत का विरोध किया।

रिभव ऋषि पर आरोप है कि उसने बैंक में ब्रांच मैनेजर के पद पर रहते हुए चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम से जुड़े सरकारी खातों में कथित वित्तीय हेराफेरी की। जांच एजेंसियों के अनुसार, इन खातों से बड़ी रकम के लेन-देन में अनियमितताएं सामने आई। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और इसी दौरान रिभव की कथित भूमिका तथा उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की गई। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने रिभव की विदेश से जुड़ी गतिविधियों को लेकर अदालत में अपनी आपत्ति दर्ज कराई। बैंक का कहना था कि यूएई का अस्थायी रेजिडेंट कार्ड उसके पास मौजूद है और उसे निवेशक के रूप में यह कार्ड जारी किया गया था। बैंक ने आशंका जताई कि जमानत मिलने के बाद वह जांच से बचने के लिए देश छोड़ सकता है। मामले में रिभव के खिलाफ स्मार्ट सिटी और क्रेस्ट से जुड़े अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई चल रही है। दोनों मामलों में अदालत ने फिलहाल उसे जमानत देने से इनकार कर दिया है। इससे रिभव को न्यायिक प्रक्रिया के दौरान राहत नहीं मिल सकी।

सीबीआई की जांच में बैंक खातों, कथित लेन-देन और आरोपित से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। जांच के दौरान सामने आए यूएई के रेजिडेंट कार्ड को भी मामले में महत्वपूर्ण बिंदु माना जा रहा है। हालांकि, कार्ड का मिलना अपने आप में विदेश भागने का प्रमाण नहीं है; अदालत में इसे जमानत के विरोध के आधार के रूप में पेश किया गया। अब मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों पर नजर रहेगी।

राज्य के दर्जे की बहाली पर बढ़ी सियासी हलचल, अमित शाह से मिले सुनील शर्मा

सुनील शर्मा ने अमित शाह से जम्मू-कश्मीर के मौजूदा राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर विधानसभा में जारी राजनीतिक तनातनी के बीच नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्य के दर्जे की बहाली से जुड़े प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष और भाजपा के बीच मतभेद खुलकर सामने आए हैं।

सुनील शर्मा की अमित शाह से मुलाकात को विधानसभा में चल रही बहस के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर से जुड़े विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि, मुलाकात में किन-किन विषयों पर विस्तार से बातचीत हुई, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सरकार की ओर से राज्य के दर्जे की बहाली से संबंधित प्रस्ताव विधानसभा में पेश किया गया है।



मुलाकात के बाद स्टेटहुड बहाली के मुद्दे पर राजनीतिक चर्चा और तेज हो गई है।

विधानसभा में प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष और भाजपा के बीच मतभेद सामने आए हैं। भाजपा ने अनुच्छेद 370 और राज्य के दर्जे के मुद्दे को अलग-अलग देखने की बात कही है। वहीं, सदन में प्रस्ताव पर आगे की बहस और दोनों पक्षों के रुख पर सबकी नजरें टिकी हैं।

इस प्रस्ताव को लेकर सदन में राजनीतिक बहस तेज हो गई। सत्ता पक्ष राज्य का दर्जा बहाल किए जाने की मांग को प्रमुख मुद्दे के रूप में उठा रहा है, जबकि भाजपा ने इस विषय को लेकर अपना अलग रुख रखा है।

विधानसभा में राज्य के दर्जे की बहाली के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और भाजपा के सदस्यों के बीच मतभेद सामने आए। भाजपा की ओर से अनुच्छेद 370 और राज्य के दर्जे के मुद्दे को एक साथ जोड़ने को लेकर आपत्ति जताई गई है। पार्टी का कहना है कि दोनों विषयों को अलग-अलग देखा जाना चाहिए। इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि में सुनील शर्मा का दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री से मिलना सामने आया है। बैठक के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में इस मुद्दे को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। राज्य के दर्जे की बहाली लंबे समय से जम्मू-कश्मीर की राजनीति में प्रमुख विषय रही है और विधानसभा में भी इसे लेकर सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच बहस होती रही है।

सुनील शर्मा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और भाजपा का प्रतिनिधित्व करते हैं। अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री हैं और जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में दोनों नेताओं की मुलाकात को विधानसभा में चल रही स्टेटहुड बहस के संदर्भ में देखा जा रहा है। विधानसभा में प्रस्ताव को लेकर आगे की चर्चा के बीच सभी की नजरें सत्ता पक्ष और विपक्ष के रुख पर हैं। राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद के कारण यह मुद्दा सदन के साथ-साथ सार्वजनिक चर्चा में भी बना हुआ है।

नवरात्र महोत्सव को लेकर कटड़ा तैयार, व्यवस्थाएं अंतिम चरण में

जम्मू। माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटड़ा में आगामी नवरात्र महोत्सव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नौ दिवसीय नवरात्र महोत्सव 11 से 19 अक्तूबर तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की है। इस दौरान आवश्यक सेवाओं को 24 घंटे उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को तैयारियां समय पर पूरी करने को कहा गया है। महोत्सव से पहले कटड़ा और आसपास की सड़कों की मरम्मत तथा ब्लैकटॉपिंग का काम पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य नवरात्र के दौरान यातायात व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं और अन्य जरूरी सेवाओं को सुचारू बनाए रखना है। महोत्सव को लेकर कटड़ा में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच रही हैं।

श्रीनगर में एनडीपीएस और यूएपीए के तहत चार संपत्तियों पर कार्रवाई

श्रीनगर में ड्रग्स-आतंकी नेटवर्क पर कार्रवाई, 7.11 करोड़ की संपत्तियां अटैच

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकी गतिविधियों और उनसे जुड़े वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ अभियान के तहत पुलिस ने श्रीनगर और आसपास के इलाकों में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चार संपत्तियों को अटैच और फ्रीज किया है। इन संपत्तियों की कुल अनुमानित कीमत करीब 7.11 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट और यूए(पी) एक्ट के प्रावधानों के तहत की है।

पुलिस के अनुसार, कार्रवाई का उद्देश्य ड्रग्स तस्करी से जुड़े वित्तीय नेटवर्क और आतंकी गतिविधियों से जुड़े लोगों की संपत्तियों पर शिकंजा कसना है।

कार्रवाई में ड्रग्स तस्करों के साथ आतंकी नेटवर्क के ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) से जुड़ी संपत्तियां भी शामिल हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जकूरा के निकट बिलाल कॉलोनी में पुलिस स्टेशन जकूरा की टीम ने एक आवासीय मकान और उससे संबंधित भूमि को अटैच किया है। इस संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब 2.50 करोड़ रुपये बताई गई है। यह संपत्ति ओवैस अहमद राथर पुत्र गुलाम मोहम्मद राथर की बताई गई है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाले वित्तीय नेटवर्क को कमजोर करने के उद्देश्य से संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। चार संपत्तियों को अटैच और फ्रीज किए जाने के बाद संबंधित संपत्ति मालिकों और नेटवर्क से जुड़े मामलों की जांच भी आगे बढ़ाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट और यूए(पी) एक्ट के तहत की गई इस कार्रवाई के जरिए अवैध गतिविधियों से जुड़े वित्तीय संसाधनों पर रोक लगाने का प्रयास किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई और जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि चारों संपत्तियों को अटैच और फ्रीज करने के बाद संबंधित मामलों की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई का उद्देश्य ड्रग्स तस्करी और आतंकी गतिविधियों से जुड़े वित्तीय संसाधनों पर रोक लगाना है। पुलिस संपत्ति मालिकों, ओजीडब्ल्यू नेटवर्क और अन्य संभावित कड़ियों की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बाढ़ से प्रभावित राजौरी-पुंछ में सरकार ने तेज किया राहत अभियान



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से व्यापक नुकसान हुआ है। सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बहाली अभियान तेज कर दिया है। विधानसभा में शुक्रवार को सरकार ने बताया कि क्षतिग्रस्त सड़कों, बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने बताया कि राजौरी को एसडीआरएफ से 300 लाख रुपये और सीएमआरएफ से 281 लाख रुपये, जबकि पुंछ को एसडीआरएफ से 400 लाख और सीएमआरएफ से 137 लाख रुपये जारी किए गए हैं। थन्नामंडी में 149 प्रभावित परिवारों को भी राहत सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासन प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन कर बहाली कार्य को आगे बढ़ा रहा है।

बारामूला के नादिहाल पुल से नीचे कार गिरने से पति-पत्नी घायल

भारतेंदु संवाददाता, बारामूला। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के राफियाबाद इलाके में शनिवार को नादिहाल पुल से एक कार नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार पति-पत्नी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, इग्निस कार कुपवाड़ा से बारामूला की ओर जा रही थी। इसी दौरान नादिहाल पुल से अनियंत्रित होकर कार नीचे गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, 32 राष्ट्रीय राइफल्स, बीएसएफ और पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे। संयुक्त बचाव अभियान चलाकर कार में फंसे घायल पति-पत्नी को बाहर निकाला गया। दोनों घायलों को उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बारामूला ले जाया गया। फिलहाल घायलों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

कठुआ में भल्ले बेचने वाला युवक जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हिरासत में लिए गए ट्रक चालक और सह चालक के बाद अब उनके एक और साथी को गिरफ्तार किया गया है। यह युवक जम्मू के अखनूर का निवासी बताया जा रहा है और कठुआ के लखनपुर में जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे यात्रियों को भल्ले बेचने का काम करता था। जांच में सामने आया है कि युवक पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी करने का आरोप है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, उसे भी हनीट्रैप के जरिए अपने जाल में फंसाया गया था। आरोप है कि वह सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पाकिस्तान तक पहुंचा रहा था।

तीन दशक बाद भी अधूरी न्यू गांदरबल परियोजना, मंजूरी पर फिर लगा ब्रेक

1990 में परिकल्पित परियोजना को 2013 में मिली थी पर्यावरण मंजूरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



कश्मीर की 93 मेगावाट क्षमता वाली न्यू गांदरबल जलविद्युत परियोजना करीब तीन दशक बाद भी निर्माण की प्रतीक्षा में है। परियोजना की राह में एक बार फिर पर्यावरण मंजूरी का पेंच फंस गया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने परियोजना में हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए जम्मू-कश्मीर पावर डेवलपमेंट कारपोरेशन से अद्यतन जानकारी के साथ नया प्रस्ताव जमा करने को कहा है।

नए प्रस्ताव पर विचार होने तक पर्यावरण मंजूरी के विस्तार की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई गई है। न्यू गांदरबल परियोजना की परिकल्पना वर्ष 1990 में पुराने गांदरबल बिजलीघर के विकल्प के रूप में की गई थी। बाद में इसे 93 मेगावाट की नई जलविद्युत परियोजना के रूप में आगे बढ़ाया गया।

सिंध नदी पर प्रस्तावित इस रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना में 31-31 मेगावाट की तीन इकाइयां स्थापित की जानी हैं। इसका उद्देश्य कश्मीर की स्थानीय जलविद्युत क्षमता का इस्तेमाल बढ़ाना और बिजली उत्पादन की पुरानी व्यवस्था का विकल्प तैयार करना है। परियोजना को सितंबर 2013 में पर्यावरण मंजूरी मिली थी, जिसकी वैधता सितंबर 2026 तक थी।

बिजबेहाड़ा में 10 साल की बच्ची पर तेंदुए का हमला

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहाड़ा इलाके में शुक्रवार शाम तेंदुए ने घर के पास मौजूद 10 वर्षीय बच्ची पर हमला कर दिया। हमले में बच्ची घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, बिजबेहाड़ा के हायार इलाके में बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान अचानक तेंदुआ वहां पहुंचा और बच्ची पर हमला कर दिया। हमले के बाद बच्ची के परिजनों और स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे उपचार के लिए उपजिला अस्पताल (एसडीएच) बिजबेहाड़ा पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जीएमसी अनंतनाग रेफर कर दिया गया।

जम्मू में ट्रांसफार्मर चोरी गैंग का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

बिजली विभाग की शिकायत के बाद पुलिस ने गिरोह का किया पर्दाफाश

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू में जानीपुर पुलिस ने बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर चोरी किए गए दो 250 केवीए के ट्रांसफार्मर बरामद किए हैं। इसके अलावा चोरी की वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले एक टिपर और एक स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई बिजली विभाग के एईई विजय शर्मा की ओर से दी गई शिकायत और सूचना के आधार पर की गई। ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जानीपुर पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ की।

इसके बाद मामले में पांच आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर दो चोरी किए गए ट्रांसफार्मर बरामद किए। दोनों ट्रांसफार्मर 250-250 केवीए क्षमता के बताए गए हैं। पुलिस ने उन वाहनों को भी कब्जे में लिया है, जिनका इस्तेमाल चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाता था। इनमें एक टिपर और एक स्कॉर्पियो शामिल है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आरोपितों ने ट्रांसफार्मर चोरी की कितनी वारदातों को अंजाम दिया है और चोरी किए गए उपकरणों को कहां खपाया जाता था।

पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी के सामान की बरामदगी के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरोह ने जानीपुर और भलवाल क्षेत्र के अलावा आसपास के इलाकों में भी ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था या नहीं।

कुपवाड़ा बाजार में सफाई व्यवस्था बदहाल, व्यापारियों ने जताई नाराजगी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



कुपवाड़ा के मुख्य बाजार में पुराने और नए बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर कचरा जमा होने और उसे जलाए जाने को लेकर स्थानीय लोगों और व्यापारियों में नाराजगी है। व्यापारियों का आरोप है कि व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र होने के बावजूद यहां नियमित सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। बाजार में दुकानदारों, यात्रियों और आम लोगों की आवाजाही रहती है, इसके बावजूद कई स्थानों पर कचरे के ढेर नजर आते हैं।

कुपवाड़ा ट्रेडर्स फेडरेशन के अध्यक्ष मोहम्मद इसहाक ने आरोप लगाया कि पुराने और नए बस स्टैंड पर नियमित रूप से कचरा फेंका जाता है। उन्होंने कहा कि कई बार जमा कचरे में आग भी लगा दी जाती है। इससे आसपास के क्षेत्र में धुआं फैलता है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

व्यापारियों ने म्युनिसिपल काउंसिल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बाजार की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि मुख्य बाजार और बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा होने से क्षेत्र की स्थिति खराब होती है। उनका कहना है कि कचरे का नियमित उठान और उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

बार-बार स्ट्रोक से परेशान नौ साल के बच्चे की एम्स जम्मू में जटिल सर्जरी सफल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

एम्स में सफल जटिल सर्जरी



बार-बार स्ट्रोक जैसे न्यूरोलॉजिकल लक्षणों से जूझ रहे नौ वर्षीय बच्चे को एम्स जम्मू के न्यूरोसर्जरी विभाग में जटिल सर्जरी के बाद राहत मिली है। बच्चे की स्थिति में सुधार होने के बाद अब वह दोबारा स्कूल जाने लगा है। चिकित्सकों के अनुसार, गर्दन की नस पर पड़ रहे दबाव के कारण बच्चे को बार-बार गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

परिजनों ने बच्चे को बार-बार आने वाले स्ट्रोक जैसे लक्षणों के बाद उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जांच के दौरान चिकित्सकों ने समस्या के कारणों का पता लगाया। इसके बाद न्यूरोसर्जरी विभाग की टीम ने बच्चे की स्थिति को देखते हुए ऑपरेशन करने का निर्णय लिया।

एम्स जम्मू में चिकित्सकों की टीम ने जटिल न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। ऑपरेशन के बाद बच्चे की हालत में लगातार सुधार दर्ज किया गया। चिकित्सकों ने उसकी स्थिति पर निगरानी रखी और आवश्यक उपचार जारी रखा। सर्जरी के बाद बच्चे में पहले की तुलना में बेहतर स्थिति देखी गई।

बनतालाब में गाड़ी हटाने को लेकर युवक पर हमला

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



जम्मू शहर के बनतालाब इलाके में गाड़ी हटाने को कहने पर हुए विवाद में 23 वर्षीय युवक अनुराग चिब पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया गया। दो गाड़ियों पर सवार होकर आए युवकों ने अनुराग पर हमला किया, जिसमें उसके दोनों बाजुओं पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल अनुराग को परिजन उपचार के लिए जम्मू से बाहर ले गए हैं।

जानकारी के अनुसार, अनुराग चिब सब्जी लेने के लिए बनतालाब इलाके में गया था। इसी दौरान वहां खड़ी एक गाड़ी को हटाने के लिए उसने युवकों से कहा। बताया जा रहा है कि गाड़ी हटाने को कहने पर वहां मौजूद युवक भड़क गए और मामला विवाद में बदल गया। इसके बाद दो गाड़ियों में सवार होकर आए युवकों ने अनुराग पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। हमले में अनुराग के दोनों बाजुओं पर गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद आसपास के लोगों में भी हड़कंप मच गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत को देखते हुए परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए जम्मू से बाहर ले गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने हमले में शामिल युवकों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, ताकि घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि की जा सके। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई और हमले में कितने लोग शामिल थे। साथ ही हमले में इस्तेमाल किए गए तेजधार हथियार को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है। बनतालाब में हुई इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

एलओसी के करीब 220 लोगों को मिली नई रोशनी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे जम्मू-कश्मीर के टंगधार इलाके में सेना ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन दृष्टि' के तहत दो दिवसीय मेगा नेत्र सर्जिकल शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 220 मरीजों की आंखों की सर्जरी की गई। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच के साथ आवश्यक उपचार और सर्जिकल सेवाएं उपलब्ध कराईं। सेना के अनुसार, शिविर के लिए इलाके में भूमिगत ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्था की गई थी। इसमें मोतियाबिंद के अलावा रेटिना और ग्लूकोमा से जुड़ी चुनिंदा जटिल आंखों की सर्जरी भी की गईं। एलओसी के नजदीक रहने वाले लोगों के लिए इस तरह की चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना शिविर का प्रमुख उद्देश्य रहा। दो दिवसीय शिविर के दौरान चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों ने मरीजों की आवश्यक जांच की और उनकी स्थिति के अनुसार उपचार किया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने शिविर में पहुंचकर चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया।



विवाद लेह हिंसा का जिक्र करते हुए बोले, तिब्बती दोस्तों को दुख पहुंचाना उद्देश्य नहीं था

लद्दाख-तिब्बत तुलना पर घिरे सोनम वांगचुक ने मांगी माफी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू



सोनम वांगचुक ने लद्दाख की स्थिति की चीन के कब्जे वाले तिब्बत से तुलना किए जाने को लेकर उठे विवाद के बाद माफी मांगी है। शिक्षाविद और पर्यावरणविद वांगचुक ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने बयान को लेकर सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य तिब्बती समुदाय या अपने तिब्बती मित्रों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

वांगचुक ने अपनी पोस्ट में पिछले वर्ष 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने उनसे सवाल किया कि क्या लेह में हुई हत्याओं की तुलना तिब्बत में चीन के दमन से करना उचित है। उन्होंने कहा कि वह इस सवाल को उठाने वालों को दोष नहीं देते, क्योंकि उन्हें उस दिन लेह में हुई घटनाओं की पूरी जानकारी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय कई हफ्तों तक इंटरनेट पूरी तरह बंद रहा था। ऐसे में लेह में हुई घटनाओं और उनकी गंभीरता के बारे में जानकारी लोगों तक पहुंचना मुश्किल रहा। वांगचुक ने कहा कि उनकी टिप्पणी का उद्देश्य लेह में हुई हिंसा की गंभीरता को सामने रखना था। लद्दाख की स्थिति की तिब्बत से तुलना किए जाने के बाद उनके बयान को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई थी।

तिब्बत का संदर्भ चीन के नियंत्रण और वहां की स्थिति से जुड़ा है। इसी संदर्भ में वांगचुक की टिप्पणी पर सवाल उठाए गए। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपना पक्ष स्पष्ट किया। वांगचुक ने कहा कि उनकी मंशा किसी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं थी। उन्होंने तिब्बती दोस्तों के प्रति सम्मान जताते हुए इस बात पर खेद व्यक्त किया कि उनकी टिप्पणी से उन्हें दुख पहुंचा हो सकता है।

वांगचुक ने बयान पर जताया खेद

वांगचुक ने कहा कि उनकी टिप्पणी का मकसद किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने तिब्बती मित्रों के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि यदि उनकी बात से किसी को दुख पहुंचा है तो उन्हें इसका खेद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य लेह में हुई हिंसा की गंभीरता को सामने रखना था। वांगचुक ने कहा कि उस समय इंटरनेट बंद रहने के कारण घटनाओं की पूरी जानकारी लोगों तक पहुंचना मुश्किल था। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए लद्दाख और तिब्बत के संदर्भ में दिए बयान को लेकर स्थिति स्पष्ट की और अपनी मंशा सामने रखी।

तिब्बती मित्रों से वांगचुक ने मांगी माफी

वांगचुक ने कहा कि लद्दाख और तिब्बत की तुलना करते समय उनका उद्देश्य किसी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं था। उन्होंने तिब्बती मित्रों के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी से यदि किसी को दुख पहुंचा है तो उन्हें इसका खेद है। उन्होंने बताया कि उनका मकसद लेह में हुई हिंसा की गंभीरता को सामने रखना था। वांगचुक ने कहा कि उस दौरान इंटरनेट बंद रहने के कारण घटनाओं की सही जानकारी लोगों तक पहुंचना मुश्किल था। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अपने बयान का संदर्भ स्पष्ट किया और कहा कि उनकी टिप्पणी को किसी समुदाय के खिलाफ नहीं देखा जाना चाहिए।

गुरु का हर निर्णय शिष्य के हित में होता है, भले उसका अर्थ तुरंत समझ न आए





गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। गुरु केवल ज्ञान देने वाले शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे जीवन को सही दिशा दिखाने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। वे अपने शिष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु का उद्देश्य कभी भी अपने शिष्य से स्वार्थ सिद्ध करना नहीं होता। एक सच्चा गुरु केवल अपने शिष्य के कल्याण, उसके आत्मिक विकास और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करता है। यही विश्वास प्रत्येक शिष्य के मन में दृढ़ होना चाहिए कि गुरु का हर निर्णय उसके हित के लिए ही होता है, चाहे उस समय वह निर्णय समझ में आए या नहीं।

इसी सत्य को समझाने वाली एक प्रेरक कथा प्रचलित है। एक बार एक गुरु अपने शिष्य के साथ जंगल से होकर गुजर रहे थे। उनके पीछे कुछ कॉलेज के छात्र चल रहे थे, जो लगातार शिष्य का उपहास कर रहे थे और उसे अपमानित करने का प्रयास कर रहे थे। शिष्य ने उनके कटु शब्दों को सुना, लेकिन उसने धैर्य और संयम बनाए रखा। उसने किसी प्रकार का प्रतिवाद नहीं किया और शांतिपूर्वक गुरु के साथ आगे बढ़ता रहा।

कुछ समय बाद सभी लोग एक नदी के किनारे पहुंचे। गुरु और शिष्य एक नाव में बैठ गए, जबकि वे छात्र दूसरी नाव में सवार हुए। जब दोनों नावें नदी के बीच पहुंचीं, तभी अचानक उन छात्रों की नाव डूबने लगी। उसी समय गुरु ने बिना किसी स्पष्ट कारण के अपने शिष्य को एक थप्पड़ मार दिया। शिष्य आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि उसने कोई गलती नहीं की थी। तब गुरु ने समझाया कि यदि वह उन छात्रों के व्यवहार का उसी समय उचित उत्तर देता या उन्हें रोकने का प्रयास करता, तो विवाद वहीं समाप्त हो जाता और कर्म का प्रभाव भी वहीं खत्म हो जाता। लेकिन उसके मौन और सहनशीलता के कारण कर्म का परिणाम अधिक गंभीर रूप में सामने आया। अब उन छात्रों को संकट से बचाना भी उसी का दायित्व बन गया। गुरु ने उसे नदी में कूदकर सभी छात्रों की जान बचाने का आदेश दिया।

यह कथा हमें सिखाती है कि गुरु की दृष्टि सामान्य मनुष्य की दृष्टि से कहीं अधिक व्यापक होती है। गुरु केवल वर्तमान को नहीं देखते, बल्कि कर्मों के गहरे प्रभाव और भविष्य के परिणामों को भी समझते हैं। इसलिए कई बार उनके निर्णय हमें कठोर या असामान्य लग सकते हैं, लेकिन उनके पीछे शिष्य के हित और आध्यात्मिक कल्याण की गहरी भावना छिपी होती है। ज्ञानी पुरुषों के आचरण को साधारण बुद्धि से समझना संभव नहीं होता। उनके प्रत्येक कार्य का उद्देश्य आत्मिक उन्नति और जीवन की गहन सच्चाइयों का बोध कराना होता है।

गुरु और शिष्य का संबंध संसार के अन्य सभी संबंधों से अलग और अत्यंत पवित्र माना गया है। इसे माता-पिता, भाई-बहन, मित्र या किसी अन्य रिश्ते के समान नहीं देखा जा सकता। सांसारिक संबंध अपेक्षाओं और अधिकारों पर आधारित हो सकते हैं, लेकिन गुरु-शिष्य का संबंध पूर्ण समर्पण, श्रद्धा और विश्वास पर आधारित होता है। जब शिष्य अपने गुरु के प्रति पूर्ण आस्था रखता है, तभी वह वास्तविक ज्ञान और आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ पाता है।

आध्यात्मिक परंपरा में गुरु को उस विराट चेतना का माध्यम माना गया है, जिसके द्वारा ईश्वरीय ज्ञान प्रवाहित होता है। गुरु स्वयं किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रेरित होकर कार्य नहीं करते। उनके प्रत्येक कार्य का उद्देश्य केवल शिष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करना और उसे आत्मज्ञान की ओर ले जाना होता है। इसलिए गुरु के प्रति कृतज्ञता, विनम्रता और विश्वास ही साधना की सबसे मजबूत नींव मानी जाती है। इसी भावना को समर्पित है गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व। यह केवल गुरु का सम्मान करने का दिन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्ममूल्यांकन का अवसर भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शरीर से परे चेतना का अस्तित्व और कर्मों के बंधन से मुक्ति की आध्यात्मिक यात्रा





डॉ पी सी कौंडल, वरिष्ठ साहित्यकार, जिला मण्डी

मनुष्य का शरीर केवल मिट्टी का पुतला नहीं है। जब तक उसके भीतर प्राण और चेतना रहती है, तब तक वह जीवित रहता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इस चेतना का मूल आधार आत्मा को माना गया है।

आत्मा को न आंखों से देखा जा सकता है और न भौतिक साधनों से बांधा जा सकता है। जब आत्मा शरीर से अलग हो जाती है तो वही शरीर निर्जीव हो जाता है। इस दृष्टिकोण से मनुष्य के अस्तित्व का वास्तविक आधार शरीर नहीं बल्कि आत्मिक चेतना है।

आध्यात्मिक विचारधारा के अनुसार आत्मा परमात्मा का अंश है और उसका मूल स्वरूप परमात्मा से जुड़ा हुआ है। लेकिन मन और शरीर के साथ जुड़ने के कारण आत्मा सांसारिक मोह, इच्छाओं और कर्मों के बंधन में फंस जाती है। मनुष्य अपनी इच्छाओं और भौतिक आकर्षणों में इतना उलझ जाता है कि उसे अपने वास्तविक स्वरूप और परमात्मा से अपने संबंध का स्मरण नहीं रहता। यही स्थिति उसके लिए जन्म-मरण और सुख-दुःख के चक्र का कारण मानी जाती है।

संसार को देखने के दो दृष्टिकोण बताए गए हैं। पहला दृष्टिकोण परमात्मा की ओर से संसार को देखने का है, जिसमें संपूर्ण सृष्टि एक ही परम शक्ति की लीला दिखाई देती है। इस दृष्टि में परमात्मा ही रचनाकार और पालनहार है तथा जीव उसकी व्यवस्था का हिस्सा है। संत और महात्मा इसी दृष्टि से संसार को देखते हुए हर स्थान पर परमात्मा की उपस्थिति अनुभव करते हैं। दूसरा दृष्टिकोण मनुष्य का है, जिसमें संसार में अनेकता दिखाई देती है और व्यक्ति स्वयं को अपने कर्मों का कर्ता मानता है।

जब मनुष्य स्वयं को कर्ता मानकर कर्म करता है तो उन कर्मों के परिणाम की जिम्मेदारी भी उसी पर आती है। इच्छाओं से किए गए कर्म मन और अंत:करण पर संस्कार छोड़ते हैं। यही संस्कार आगे चलकर राग, द्वेष, मोह और आसक्ति को जन्म देते हैं। आध्यात्मिक मान्यता के अनुसार इन्हीं कर्मों के कारण जीव को विभिन्न जन्मों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। कर्मों का सिद्धांत बताता है कि प्रत्येक कर्म का कोई न कोई परिणाम होता है और उससे बचना संभव नहीं है।

कर्मों को सामान्यत: क्रियामान, प्रारब्ध और संचित तीन प्रकारों में समझाया जाता है। वर्तमान में किए जा रहे कर्म क्रियामान कर्म हैं, पूर्व कर्मों से प्राप्त परिणाम प्रारब्ध कहलाते हैं और पिछले कर्मों का संचित भंडार संचित कर्म माना जाता है। मनुष्य की इच्छाएं उसके कर्मों को दिशा देती हैं और इच्छाओं से उत्पन्न कर्म ही बंधन का कारण बनते हैं। इसी विचार को तुलसीदास की प्रसिद्ध पंक्ति कर्म प्रधान विश्व रचि राखा के माध्यम से व्यक्त किया गया है, जिसका भाव है कि व्यक्ति को अपने कर्मों का फल अवश्य प्राप्त होता है।

आध्यात्मिक परंपरा में संत और सतगुरु की शरण को इस कर्मबंधन से मुक्ति का मार्ग माना गया है। संतों का संदेश है कि मनुष्य अपने अहंकार को छोड़कर स्वयं को परमात्मा या सतगुरु की सेवा के लिए समर्पित करे। निस्वार्थ भाव से किए गए कर्म मनुष्य को नए बंधनों में उलझाने के बजाय आत्मिक उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। साधना, आत्मचिंतन और सतगुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने से व्यक्ति धीरे-धीरे सांसारिक मोह और इच्छाओं से ऊपर उठने का प्रयास करता है।

इस आध्यात्मिक दृष्टिकोण का अंतिम लक्ष्य मोक्ष है। जब आत्मा सांसारिक बंधनों और जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर अपने मूल स्रोत परमात्मा से एकाकार होती है तो इसे मोक्ष की अवस्था कहा जाता है। इसे उस बूंद की तरह समझाया जाता है जो समुद्र में मिलकर स्वयं समुद्र का हिस्सा बन जाती है। इस प्रकार आत्मा, कर्म और मोक्ष का चिंतन मनुष्य को अपने जीवन के उद्देश्य, कर्मों की जिम्मेदारी और आत्मिक उन्नति के बारे में विचार करने की प्रेरणा देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

2029 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य

नशा अब केवल सामाजिक बुराई या कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं रह गया है। यह देश की युवा पीढ़ी, अर्थव्यवस्था, सामाजिक ताने-बाने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार केवल युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसके पीछे सक्रिय संगठित तस्करी नेटवर्क, अवैध धन और आपराधिक गतिविधियां समाज के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं। ऐसे समय में केंद्र सरकार का वर्ष 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य और 2026 से 2029 के लिए तैयार किया गया तीन वर्षीय समयबद्ध रोडमैप महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस संकल्प की वास्तविक परीक्षा घोषणाओं में नहीं, बल्कि जमीन पर होने वाली कार्रवाई और उसके परिणामों में होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनसीओआरडी की 10वीं शीर्ष समिति की बैठक में नशामुक्त भारत अभियान का विजन दस्तावेज जारी किया। इसमें चार प्रमुख स्तंभ, 25 घटक और 200 से अधिक कार्य बिंदु शामिल किए गए हैं। इस रणनीति की खास बात यह है कि नशीले पदार्थों की केवल बरामदगी और छोटे स्तर के तस्करों की गिरफ्तारी को सफलता का पैमाना मानने के बजाय पूरे तस्करी नेटवर्क की आर्थिक और संगठित ताकत को निशाना बनाने पर जोर दिया गया है। यह दिशा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ड्रग तस्करी का कारोबार तभी लंबे समय तक चलता है जब उसके पीछे पैसा, नेटवर्क और संरक्षण का तंत्र मौजूद हो। ऐसे में तस्करों की संपत्तियां जब्त और फ्रीज करना, उनके वित्तीय ढांचे को ध्वस्त करना और विदेशों में सक्रिय शीर्ष भगोड़ों को भारत वापस लाना इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। वर्ष 2029 तक विदेशों में सक्रिय 100 शीर्ष भगोड़ों को भारत लाने का लक्ष्य इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

बदलती तकनीक के साथ नशीले पदार्थों का स्वरूप भी बदल रहा है। सिंथेटिक और रासायनिक ड्रग्स ने चुनौती को और जटिल बना दिया है। गुप्त प्रयोगशालाओं की पहचान, उनके खिलाफ कार्रवाई और प्रीकर्सर रसायनों की निर्माण प्रक्रिया से लेकर उपयोग तक 100 प्रतिशत डिजिटल ट्रैकिंग की योजना इसी खतरे को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हालांकि डिजिटल निगरानी अपने आप में समाधान नहीं है। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के बाद संबंधित एजेंसियां कितनी तेजी से कार्रवाई करती हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। तकनीक तभी प्रभावी साबित होगी, जब उससे सूचना साझा करने, जांच और कार्रवाई की गति में वास्तविक सुधार हो।

नशे के खिलाफ लड़ाई का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष मांग को कम करना है। तस्करी के खिलाफ कितनी भी सख्ती क्यों न की जाए, यदि नशीले पदार्थों का बाजार और उनकी मांग बनी रहती है तो नए तस्कर और नए नेटवर्क खड़े होने की संभावना बनी रहेगी। इसलिए स्कूल और कॉलेज परिसरों के आसपास 500 मीटर के क्षेत्र को सुरक्षित बनाने का प्रस्ताव महत्वपूर्ण है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए केवल जागरूकता अभियान पर्याप्त नहीं होंगे। परिवारों, शिक्षण संस्थानों और स्थानीय समुदायों को भी इस प्रयास में सक्रिय भागीदार बनाना होगा।

इसके साथ ही नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों के उपचार और पुनर्वास को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना होगा। नशे के आदी व्यक्ति को केवल अपराधी मानकर समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा सकता। उसे उपचार, परामर्श और पुनर्वास की आवश्यकता होती है। यदि मांग घटानी है तो नशामुक्ति केंद्रों की पहुंच और उनकी सुविधाओं को मजबूत करना होगा। इससे प्रभावित व्यक्ति को सामान्य जीवन में लौटने का अवसर मिल सकता है और परिवारों पर पड़ने वाला सामाजिक व आर्थिक दबाव भी कम किया जा सकता है।

मार्च 2027 तक प्रत्येक राज्य में पूरी तरह सुसज्जित एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स बनाने और मामलों में 30 दिन के भीतर फॉरेंसिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का लक्ष्य भी समयबद्ध कार्रवाई की दिशा में महत्वपूर्ण है। नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में जांच की गुणवत्ता और गति दोनों महत्वपूर्ण हैं। यदि जांच लंबी खिंचती है या वैज्ञानिक साक्ष्य समय पर उपलब्ध नहीं होते तो कार्रवाई की प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है। इसलिए राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, आधुनिक जांच व्यवस्था और समयबद्ध प्रक्रिया इस अभियान की सफलता के लिए आवश्यक होगी।

नशे के खिलाफ लड़ाई सरकार अकेले नहीं जीत सकती। 'होल ऑफ गवर्नमेंट' के साथ 'होल ऑफ सोसाइटी' की सोच को व्यवहार में उतारना होगा। एनसीसी, एनएसएस और माय भारत के माध्यम से एक लाख नशामुक्त मित्र तैयार करने की योजना युवाओं को इस अभियान का सक्रिय भागीदार बना सकती है। स्कूल, कॉलेज, परिवार, सामाजिक संगठन, स्थानीय निकाय और समुदाय मिलकर नशे के खिलाफ सामाजिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। युवाओं को केवल नशे के नुकसान बताने के बजाय खेल, शिक्षा, रोजगार, कौशल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना भी इस प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि अलग-अलग स्तरों पर चल रहे प्रयासों को एक साझा रणनीति में कैसे बदला जाए।

- शिवांश धाकड़

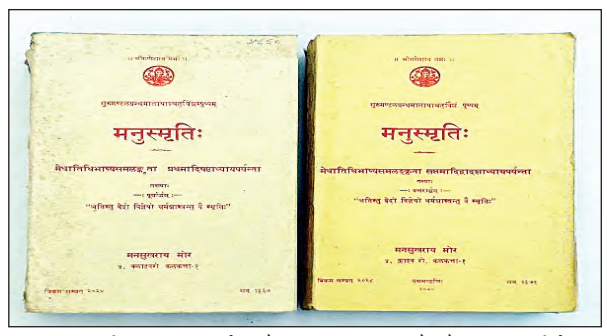
कविता

मीठी चूं-चूं

(राज कुमार कौंडल) , गांव व डा0 अमरपुर तहसील घुमारवीं जिला बिलासपुर हि0प्र0(174021)

सुबह उठकर रात बची रोटी को तोड़कर,
घर की छत पर प्यार से चारों ओर बिखरा दिया।
अभी रोटी के टुकड़ों को बिखराया ही था,
पंखियों ने आकर चहचहाने का राग सुना दिया।
गौरैया, मैना, छोटे-बड़े पंछी सब आए थे,
जो दूर थे, उन्हें भी चूं-चूं कर बुला लिया।
सब अपने-अपने बच्चों का ख्याल रख रहे थे,
नन्हे परिंदों ने आसमान को घर बना लिया।
कोई झगड़ा नहीं, कोई परेशानी कहीं नहीं,
खाने से पहले निवाला बच्चों को दे दिया।
मिल-जुलकर सब बांटकर खा रहे थे रोटी,
साझेदारी ने प्रेम का नया जहां बसा दिया।
न कोई छोटा था, न कोई बड़ा वहां,
हर किसी ने हर किसी का मान बढ़ा दिया।
जिसके हिस्से में जितना आया, उतना बांटा,
किसी ने भी अपना हिस्सा अकेले नहीं खा लिया।
जहां हम सभी बंटे हैं दुनिया की तंग सीमाओं में,
वहीं इन पंछियों ने प्रेम से रहना सिखा दिया।
न भाषा का भेद, न जाति का कोई बंधन,
बस मिल-जुलकर जीने का पाठ पढ़ा दिया।
जो प्रेम सबको हम पढ़-लिखकर भी न सिखा पाए,
वो इन परिंदों की मीठी चहचहाहट ने सिखा दिया।
छोटी-सी रोटी और नन्हे पंखों ने मिलकर,
मानवता का सबसे सुंदर अर्थ समझा दिया।

मनुस्मृति को समझने के लिए भावनाओं से नहीं, इतिहास और तर्क के आधार पर हो विचार





शिशु गुप्ता—राजनीतिक विश्लेषक

मनुस्मृति का नाम आते ही भारतीय समाज में अक्सर बहस दो विपरीत ध्रुवों में बंट जाती है। एक पक्ष इसे प्राचीन भारतीय सामाजिक और धर्मशास्त्रीय परंपरा का महत्वपूर्ण ग्रंथ मानता है, जबकि दूसरा पक्ष इसमें वर्ण, जाति और सामाजिक असमानता से जुड़ी कुछ व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर आपत्ति जताता है। ऐसे में आवश्यक है कि मनुस्मृति जैसे प्राचीन और संवेदनशील ग्रंथ पर चर्चा भावनाओं के उग्र प्रदर्शन के बजाय इतिहास, तर्क, अध्ययन और सामाजिक मर्यादा के आधार पर की जाए। किसी भी प्राचीन ग्रंथ को समझने के लिए उसके देश, काल और तत्कालीन परिस्थितियों के संदर्भ को ध्यान में रखना आवश्यक होता है।

मनुस्मृति में व्यक्ति के आचरण, परिवार, शिक्षा, कर्तव्य, राजा के दायित्व, न्याय, अनुशासन और सामाजिक व्यवस्था से जुड़े अनेक विचार मिलते हैं। इसमें सत्य, आत्मसंयम, स्वच्छता, कर्तव्यपालन, विद्या, सदाचार तथा माता-पिता और गुरु के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों पर भी बल दिया गया है। इसलिए किसी भी ग्रंथ का मूल्यांकन केवल उसके विवादित अंशों के आधार पर करना उतना ही अधूरा दृष्टिकोण है, जितना उसकी प्रत्येक बात को आज के समय में बिना किसी आलोचनात्मक विचार के स्वीकार कर लेना।

यह भी समझना आवश्यक है कि मनुस्मृति आधुनिक भारत का संविधान नहीं है। यह प्राचीन सामाजिक परिस्थितियों और तत्कालीन व्यवस्था के संदर्भ में विकसित धर्मशास्त्रीय परंपरा का हिस्सा है। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन प्रणाली, आर्थिक परिस्थितियां और जीवन-पद्धति आज के भारत से भिन्न थीं। समय के साथ समाज बदलता है और व्यवस्थाएं भी बदलती हैं। इसलिए इतिहास के किसी प्राचीन ग्रंथ को वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था के समान मानना उचित नहीं होगा।

आज भारत का शासन संविधान के अनुसार चलता है और संविधान ही देश का सर्वोच्च विधिक आधार है। समानता, स्वतंत्रता, न्याय और मौलिक अधिकार आधुनिक भारतीय संविधान से प्राप्त होते हैं। मनुस्मृति सहित किसी भी प्राचीन ग्रंथ की कोई व्यवस्था यदि वर्तमान संवैधानिक मूल्यों और कानूनों के विपरीत है, तो वह आधुनिक भारत की कानूनी व्यवस्था का आधार नहीं हो सकती।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि क्या किसी प्राचीन ग्रंथ से असहमति का अर्थ उसके अपमान का अधिकार है? लोकतंत्र नागरिकों को आलोचना और असहमति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन आलोचना और अपमान में स्पष्ट अंतर है। मनुस्मृति के जिन विचारों पर आज प्रश्न उठते हैं, उन पर खुलकर और तर्कपूर्ण बहस होनी चाहिए। उनका ऐतिहासिक और आलोचनात्मक अध्ययन होना चाहिए। किंतु पुस्तक को जलाना, उसका अपमान करना या उसके नाम पर समाज में वैमनस्य और कटुता फैलाना स्वस्थ बौद्धिक परंपरा नहीं माना जा सकता।

सम्मान का अर्थ अंधस्वीकार नहीं है और असहमति का अर्थ अपमान नहीं है। हमें प्राचीन ग्रंथों के उपयोगी और नैतिक विचारों को समझना चाहिए, तत्कालीन परिस्थितियों से जुड़ी व्यवस्थाओं को इतिहास के संदर्भ में देखना चाहिए और जो बातें आधुनिक संविधान तथा समानता के सिद्धांतों के विपरीत हैं, उन्हें वर्तमान कानून का आधार नहीं बनाना चाहिए। मनुस्मृति जैसे ऐतिहासिक और संवेदनशील विषयों को राजनीतिक लाभ, वोट-बैंक या समाज में विभाजन का माध्यम बनाना भी उचित नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

'एजेंट विनोद' से पहचान

मरियम जकारिया का जन्म 27 सितंबर 1985 को ईरान की राजधानी तेहरान में हुआ। स्वीडिश-ईरानी अभिनेत्री मरियम जकारिया ने हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा में काम किया है। उन्हें विशेष रूप से वर्ष 2012 में प्रदर्शित फिल्म 'एजेंट विनोद' में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। अभिनय के क्षेत्र में पहचान बनाने से पहले उन्होंने स्वीडन में मॉडल, नृत्य शिक्षिका और नृत्य निर्देशक के रूप में काम किया। इसी दौरान उन्होंने भारतीय फिल्मों और नृत्य की लोकप्रियता को आगे बढ़ाने के लिए 'इंडिस्क डांस स्टूडियो' नाम से बॉलीवुड नृत्य विद्यालय भी स्थापित किया।



मरियम जकारिया
जन्म : 27 सितंबर 1985

मरियम जकारिया वर्ष 2009 में मुंबई आईं और इसके बाद मनोरंजन जगत में सक्रिय रूप से काम करना शुरू किया। मुंबई आने के बाद उन्होंने विभिन्न विज्ञापनों में मॉडल के रूप में काम किया। इनमें सेट वेट, लेज और कोका-कोला जैसे ब्रांडों के विज्ञापन शामिल रहे। मॉडलिंग के साथ-साथ उनका नृत्य से जुड़ा अनुभव भी उनके करियर में महत्वपूर्ण रहा। इसी अनुभव ने उन्हें भारतीय फिल्म उद्योग में अपने लिए अवसर तलाशने में मदद की।

फिल्मी दुनिया में उनका शुरुआती महत्वपूर्ण अवसर वर्ष 2010 में आई फिल्म 'नगरम' से मिला। बताया गया है कि फिल्म के निर्देशक ने उनका नृत्य करते हुए एक वीडियो देखा था, जिसके बाद उन्हें फिल्म में विशेष नृत्य प्रस्तुति का अवसर मिला। इस फिल्म में उनकी प्रस्तुति को उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ माना गया। इसके बाद उन्हें भारतीय सिनेमा में आगे काम करने के अवसर मिले और उन्होंने हिंदी के साथ दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मरियम जकारिया की यात्रा मॉडलिंग और नृत्य से शुरू होकर अभिनय तक पहुंची। स्वीडन में नृत्य सिखाने और बॉलीवुड नृत्य विद्यालय चलाने के अनुभव ने उन्हें भारतीय फिल्म जगत से जुड़ने के लिए आधार दिया। मुंबई आने के बाद विज्ञापनों में काम करने के साथ उन्होंने फिल्मों में भी अपनी जगह बनानी शुरू की। वर्ष 2010 की 'नगरम' में मिली भूमिका और उसके बाद 'एजेंट विनोद' जैसी फिल्म में काम करने से उन्हें दर्शकों के बीच पहचान मिली।

ईरान-अफगानिस्तान की तुलना से सामने आती है इस्लामी कानून की विविध व्याख्या





तनवीर जाफरी

शरिया इस्लामी जीवन पद्धति और कानूनी व्यवस्था से जुड़ी अवधारणा है, जिसमें इबादत, खान-पान, पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक, विरासत और सामाजिक आचरण जैसे अनेक पहलू शामिल माने जाते हैं। इसके सिद्धांतों की व्याख्या कुरान, सुन्नत, हदीस, इज्मा और कयास जैसी परंपराओं के आधार पर की जाती है। हालांकि अलग-अलग देशों और समाजों में शरिया की व्याख्या तथा उसका कानूनी स्वरूप एक जैसा नहीं है। कहीं इसका प्रभाव व्यक्तिगत कानून तक सीमित है तो कहीं इसे आपराधिक और सार्वजनिक कानून के साथ भी जोड़ा गया है। इसी अंतर को समझने के लिए ईरान और अफगानिस्तान के उदाहरण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान महिलाओं की स्थिति को लेकर संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने लगातार गंभीर चिंता जताई है। तालिबान की नीतियों के कारण महिलाओं के शिक्षा, रोजगार, सार्वजनिक जीवन और स्वतंत्र आवागमन के अधिकारों पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए हैं। लड़कियों की माध्यमिक शिक्षा और महिलाओं की उच्च शिक्षा पर रोक ने लाखों छात्राओं के भविष्य को प्रभावित किया है। विश्वविद्यालयों और रोजगार के अवसरों से महिलाओं को बाहर किए जाने का असर केवल वर्तमान पीढ़ी पर नहीं बल्कि पूरे अफगान समाज के भविष्य पर पड़ रहा है।

महिलाओं के सार्वजनिक जीवन में भाग लेने पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। सरकारी संस्थानों और अनेक क्षेत्रों में उनके काम करने के अवसर सीमित किए गए हैं। महिलाओं के लिए सार्वजनिक स्थानों, मनोरंजन केंद्रों और अन्य गतिविधियों में भागीदारी पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। सौंदर्य प्रसाधन और सौंदर्य सेवाओं से जुड़े व्यवसायों पर कार्रवाई ने बड़ी संख्या में महिलाओं की आजीविका प्रभावित की है। इन प्रतिबंधों के कारण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता कमजोर हुई है और परिवारों पर भी इसका प्रभाव पड़ा है।

अफगानिस्तान की स्थिति का सबसे गंभीर पहलू शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा है। जब लड़कियों को चिकित्सा सहित उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिलेगा तो भविष्य में महिला चिकित्सकों, नर्सों और दाइयों की कमी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। ऐसे समाज में जहां अनेक महिलाएं पुरुष चिकित्सकों से इलाज कराने में सहज नहीं होतीं, महिला स्वास्थ्यकर्मियों की कमी स्वास्थ्य संकट को और गहरा कर सकती है। शिक्षा पर प्रतिबंध इसलिए केवल महिलाओं के अधिकारों का मुद्दा नहीं है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास का भी प्रश्न है।

इसके विपरीत ईरान में इस्लामी शासन व्यवस्था के बावजूद महिलाओं के लिए शिक्षा के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए गए हैं। ईरान की महिलाएं विश्वविद्यालयों में अध्ययन करती हैं और चिकित्सा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, शिक्षा तथा अन्य पेशों में भागीदारी करती हैं। वे संपत्ति रख सकती हैं और आर्थिक गतिविधियों में हिस्सा ले सकती हैं। संसद तथा विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में भी महिलाओं की मौजूदगी दिखाई देती है। इस कारण ईरान और अफगानिस्तान की तुलना यह समझने में मदद करती है कि इस्लामी शासन व्यवस्था के भीतर भी महिलाओं से जुड़े कानूनों और सामाजिक नीतियों का स्वरूप एक जैसा नहीं है।

हालांकि ईरान को महिलाओं के अधिकारों का पूरी तरह आदर्श मॉडल भी नहीं माना जा सकता। वहां हिजाब संबंधी अनिवार्यता और उसके पालन को लेकर बनाए गए कानून लंबे समय से विवाद का विषय रहे हैं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता, पहनावे और सार्वजनिक आचरण को लेकर सरकारी हस्तक्षेप की आलोचना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों द्वारा की जाती रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि महिलाओं की स्थिति को केवल इस आधार पर नहीं समझा जा सकता कि किसी देश में शिक्षा की अनुमति है या नहीं। कानून, सामाजिक स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकार और व्यक्तिगत पसंद के बीच संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

ईरान और अफगानिस्तान की तुलना का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि किसी धार्मिक व्यवस्था की व्याख्या पर स्थानीय इतिहास, संस्कृति, राजनीतिक परिस्थितियों और सत्ता की विचारधारा का भी प्रभाव पड़ता है। अफगानिस्तान में तालिबान की नीतियों पर पश्तून सामाजिक परंपराओं और कठोर रूढ़िवादी दृष्टिकोण के प्रभाव की चर्चा होती है। इसलिए वहां लागू प्रत्येक प्रतिबंध को सीधे पूरे इस्लामी जगत की एकमात्र और सर्वमान्य शरिया व्यवस्था मानना उचित नहीं होगा। इसी तरह ईरान की व्यवस्था भी इस्लामी कानून की एक विशिष्ट राजनीतिक और धार्मिक व्याख्या है, जिसे सभी मुस्लिम समाजों का सार्वभौमिक मॉडल नहीं कहा जा सकता।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि धार्मिक सिद्धांतों की व्याख्या बदलते समय और बदलती सामाजिक परिस्थितियों के साथ किस तरह की जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, संपत्ति और सम्मानजनक जीवन के अवसर किसी भी समाज के विकास के मूल आधार हैं। यदि किसी व्यवस्था के नाम पर आधी आबादी को शिक्षा और रोजगार से दूर कर दिया जाए तो उसका असर केवल महिलाओं तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था प्रभावित होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437

ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

अवैध मतांतरण के लिए नौ चरणों की रणनीति, जरूरतमंदों को बनाते थे निशाना

एजेंसी, आगरा। आगरा जिले में अवैध मतांतरण कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद उसके काम करने के तरीके की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए नौ चरणों की रणनीति अपनाता था। इसके लिए जरूरतमंद और कमजोर लोगों को निशाना बनाया जाता था। पकड़े गए गिरोह के चार आरोपितों से बरामद डाटा और पूछताछ में नेटवर्क के तरीके से जुड़ी जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह पहले लोगों से संपर्क स्थापित करता था और धीरे-धीरे उनके साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाता था। इसके बाद उन्हें अपने प्रभाव में लेकर मतांतरण की प्रक्रिया की ओर ले जाने का प्रयास किया जाता था। जांच में सामने आया है कि पूरे नेटवर्क का लक्ष्य किसी व्यक्ति को करीब एक वर्ष के भीतर अपने नेटवर्क का हिस्सा बनाना था। गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला होने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस अब बरामद डाटा और पूछताछ के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

लगातार बारिश से कानपुर बेहाल, कई इलाकों में जलभराव से बढ़ी परेशानी

एजेंसी, कानपुर। शहर में दो दिन से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। सड़कें पानी से लबालब होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालक फंस रहे हैं। बारिश के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। बिजली न आने से लोगों के सामने पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। लगातार बारिश के बीच कुछ कच्चे मकानों के गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। जलभराव और खराब मौसम के कारण लोगों को घरों से निकलने में परेशानी हो रही है। कई दुकानों के बंद रहने से आवश्यक सामान खरीदने में भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

140 की रफ्तार में एक्सप्रेसवे पर पलटी क्रेटा, तीन लोगों की मौत, दो घायल

एजेंसी, आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसा डौकी क्षेत्र के बाजिदपुर के पास सुबह करीब 7:15 बजे हुआ। कार दिल्ली से बलिया जा रही थी और उसमें पांच लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार कार की रफ्तार करीब 140 किलोमीटर प्रति घंटा थी। डिवाइडर से टक्कर के बाद कार में सवार तीन लोग उछलकर एक्सप्रेसवे की जाली पार कर आरओडब्ल्यू क्षेत्र में पत्थरों पर जा गिरे। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चालक समेत दो लोग घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है।

लोहता में तेज रफ्तार डीसीएम ने साइकिल सवार समेत दो को रौंदा, दोनों की मौत

एजेंसी, वाराणसी। वाराणसी के लोहता थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुरी गांव के पास शनिवार को तेज रफ्तार डीसीएम ने साइकिल सवार फल विक्रेता समेत दो लोगों को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान लोहता भट्ठी गांव निवासी छेदी बारी (60) और बड़ी मस्जिद, लोहता निवासी राशिद जमाल (18) के रूप में हुई। छेदी बारी साइकिल पर केला लादकर जा रहे थे, तभी पीछे से आए डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित वाहन ने पैदल घर जा रहे राशिद को भी कुचल दिया। चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। परिजनों और स्थानीय लोगों ने थाने पहुंचकर गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। डीसीएम की टक्कर से साइकिल सवार फल विक्रेता समेत दो की मौत, हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार; पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पहचान में जुटी।

लखनऊ में 70 वर्षीय महिला से दुष्कर्म हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, लखनऊ

मोहनलालगंज में 70 वर्षीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात गांव में आरोपितों ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। इसी दौरान वह लोहे की चारपाई पर गिर गई और उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, महिला की मौत के बाद आरोपित डर गए। उन्होंने शव को प्लॉट के पीछे झाड़ियों में फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई। मृतका के बेटे ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि राजेश नाम का व्यक्ति घटना के बाद नग्न अवस्था में भागते हुए कैमरे में कैद हुआ था। पुलिस ने मामले में राजेश उर्फ गुड्डू और हरिराम को आरोपी बनाया है। दोनों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, घटना की परिस्थितियों और आरोपितों की भूमिका को लेकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

कानपुर नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में हंगामा, निष्कासित पार्षद पहुंचे सदन

पवन गुप्ता के महापौर के सामने पहुंचने पर बढ़ा विवाद, रोक के बावजूद सदन में पहुंचे

एजेंसी, कानपुर

नगर निगम कार्यकारिणी के रिक्त छह सदस्यों के चुनाव के लिए शनिवार दोपहर दो बजे से सदन की बैठक शुरू हुई। चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही निष्कासित पार्षद पवन गुप्ता के सदन में पहुंचने से हंगामा हो गया। बताया गया कि उन्हें सदन में आने से रोका गया था, इसके बावजूद वह महापौर प्रमिला पांडेय के सामने पहुंच गए। उनके पहुंचते ही सदन का माहौल गरमा गया और हंगामा शुरू हो गया।

नगर निगम कार्यकारिणी में कुल 12 सदस्य होते हैं। इनमें से भाजपा के पांच और समाजवादी पार्टी के एक सदस्य का कार्यकाल पिछले माह समाप्त हो चुका है। इसके बाद कार्यकारिणी में छह पद रिक्त हो गए थे। वर्तमान में भाजपा के पांच और सपा की एक सदस्य कार्यकारिणी में पद पर हैं। इन्हीं छह रिक्त पदों को भरने के लिए शनिवार को सदन की बैठक बुलाई गई। बैठक में नए सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के साथ उन्हें



सर्वसम्मति से चुनने की तैयारी की जा रही थी। बैठक के दौरान पवन गुप्ता के पहुंचने से चुनाव प्रक्रिया के बीच विवाद की स्थिति बन गई।

उन्हें रोकने की कोशिश के बावजूद वह महापौर के सामने पहुंच गए। इसके बाद सदन में मौजूद पार्षदों के बीच बहस और हंगामा शुरू हो गया। कुछ देर तक स्थिति को संभालने का प्रयास किया गया। कार्यकारिणी के छह सदस्यों के चुनाव को लेकर सदन में पहले से ही राजनीतिक गतिविधियां तेज थीं। इसी बीच कांग्रेस पार्षद दल के नेता हाजी सुहेल अहमद ने महापौर प्रमिला पांडेय को पत्र भेजकर कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव से पहले कथित टेंडर घोटाले के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने पत्र में कहा कि नगर निगम से जुड़े हाल के मामलों के सामने आने से पार्षदों की छवि प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि सदन में संबंधित अधिकारियों से इन मामलों को लेकर जवाब मांगा जाना चाहिए। कांग्रेस पार्षद दल के नेता ने मांग की कि कार्यकारिणी के नए सदस्यों के चुनाव से पहले कथित टेंडर मामलों पर सदन में चर्चा हो। उनका कहना है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली से जुड़े मामलों पर पार्षदों को स्थिति स्पष्ट करने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यकारिणी के छह रिक्त पदों पर चुनाव को लेकर शनिवार की बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही थी। एक ओर सदन में नए सदस्यों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी, वहीं दूसरी ओर निष्कासित पार्षद के पहुंचने से हंगामा हो गया।

इसके अलावा कांग्रेस की ओर से कथित टेंडर घोटाले पर चर्चा की मांग किए जाने से बैठक में राजनीतिक मुद्दा भी सामने आया। अब सदन की कार्यवाही के दौरान छह रिक्त पदों पर चुनाव की प्रक्रिया पूरी किए जाने की तैयारी है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया। छह रिक्त पदों पर नए सदस्यों के चयन के साथ कांग्रेस की ओर से उठाए गए टेंडर मामलों पर चर्चा की मांग भी प्रमुख मुद्दा बनी रही।

कानपुर-दिल्ली के बीच नई दैनिक ट्रेन मंजूर इटावा समेत आठ स्टेशनों पर होगा ठहराव

एजेंसी, इटावा

कानपुर और दिल्ली के बीच रेल यात्रियों के लिए जल्द ही एक और ट्रेन की सुविधा मिलने जा रही है। भारतीय रेलवे ने कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के बीच नई दैनिक मेल ट्रेन चलाने को मंजूरी दे दी है। इस ट्रेन के शुरू होने से कानपुर, इटावा और दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल विकल्प उपलब्ध होगा। नई ट्रेन कानपुर सेंट्रल से चलकर आनंद विहार टर्मिनल तक जाएगी। इसके मार्ग में इटावा स्टेशन को भी शामिल किया गया है।



कानपुर-दिल्ली रेलमार्ग पर बढ़ेगा सफर का विकल्प

ट्रेन का ठहराव इटावा समेत कुल आठ स्टेशनों पर प्रस्तावित है। इससे इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को भी कानपुर और दिल्ली के बीच आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। रेलवे की ओर से ट्रेन को दैनिक आधार पर संचालित करने की मंजूरी दी गई है। इससे यात्रियों को सप्ताह के सभी दिनों में यात्रा का विकल्प मिल सकेगा। विशेष रूप से कानपुर से दिल्ली और दिल्ली से कानपुर की ओर नियमित रूप से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा उपयोगी हो सकती है। नई मेल ट्रेन के संचालन से कानपुर और दिल्ली के बीच रेल सेवा के विकल्पों में बढ़ोतरी होगी। इटावा के यात्रियों को भी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की यात्रा के लिए एक और विकल्प मिलेगा। रेलवे द्वारा ट्रेन के संचालन को मंजूरी दिए जाने के बाद अब इसके संचालन से जुड़ी तैयारियां पूरी की जानी हैं। नई ट्रेन के चलने से यात्रियों को रात में यात्रा के लिए भी अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होने की बात सामने आई है।

ट्रेन के समय और अन्य परिचालन संबंधी विवरण रेलवे की ओर से आगे जारी किए जाएंगे। नई दैनिक मेल ट्रेन शुरू होने का इंतजार कर रहे यात्रियों को इससे बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है।रेलवे की मंजूरी के बाद अब ट्रेन संचालन की तैयारियां तेज की जाएंगी। समय-सारिणी और अन्य परिचालन संबंधी जानकारी जल्द जारी होगी।

नवरात्र में विंध्याचल जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए चलेंगी 200 विशेष रोडवेज बसें

एजेंसी, प्रयागराज

नवरात्र के दौरान मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए विंध्याचल जाने वाले श्रद्धालुओं को रोडवेज की ओर से राहत मिलेगी। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने 10 से 20 अक्टूबर तक विंध्याचल रूट पर 200 विशेष बसों के संचालन की तैयारी की है। इन बसों के जरिए प्रयागराज, कौशांबी और प्रतापगढ़ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आसानी से विंध्याचल पहुंच सकेंगे।



श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए विंध्याचल रूट पर दौड़ेंगी 200 विशेष रोडवेज बसें।

कौशांबी जिले में कड़ाधाम से विशेष बसों का संचालन होगा। वहीं प्रतापगढ़ और लालगंज से भी श्रद्धालुओं को बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रयागराज शहर में जीरो रोड बस अड्डे के सामने मुख्य मार्ग और लेप्रोसी चौराहे से भी विंध्याचल जाने के लिए विशेष बसें मिलेंगी। इससे नवरात्र के दौरान यात्रियों को नियमित बसों में भीड़ से राहत मिलने की उम्मीद है। रोडवेज अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बसों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है।

बुढ़िया का ताल बनेगा नया पर्यटन स्थल रेस्टोरेंट और वॉच टावर भी बनेगा

एजेंसी, आगरा। शहरवासियों को जल्द ही घूमने और पिकनिक मनाने के लिए एक नया स्थान मिलने वाला है। आगरा के पास स्थित बुढ़िया का ताल को ईको टूरिज्म के तहत विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। पर्यटन विभाग ने इसके विकास के लिए चार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। योजना के तहत ताल और उसके आसपास पर्यटकों के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बुढ़िया का ताल को आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के साथ इसे क्षेत्र के लोगों के लिए पिकनिक स्पॉट के तौर पर तैयार किया जाएगा। यहां रेस्टोरेंट, वॉच टावर और लैंडस्केपिंग समेत कई सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इससे स्थानीय लोगों को प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने के लिए नया स्थान मिल सकेगा। पर्यटन विभाग की योजना के अनुसार, क्षेत्र के प्राकृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराए जाएंगे।

यूपी की सियासत में बुलडोजर की नई राह, भाजपा और सपा की रणनीति अलग

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में बुलडोजर का सियासी प्रतीक अब अलग-अलग संदेशों के साथ सामने आ रहा है। कभी भाजपा के लिए कानून-व्यवस्था और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई का प्रमुख प्रतीक रहे बुलडोजर को समाजवादी पार्टी अब अलग राजनीतिक संदेश देने के लिए इस्तेमाल कर रही है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रायबरेली दौरे के दौरान बुलडोजर से हुए स्वागत के बीच इसे 'वोट का बुलडोजर' बताते हुए नया नारा दिया। सपा लंबे समय से बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाती रही है और इसे पीडीए से जुड़े लोगों पर कार्रवाई के संदर्भ में उठाती रही है। अब पार्टी इसी मुद्दे को चुनावी संदेश में बदलने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा के



राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया पश्चिमी उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान मेरठ में उनके स्वागत के लिए बुलडोजर खड़े किए गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, नितिन नवीन वहां बिना रुके आगे बढ़ गए और इसके बाद अन्य स्वागत कार्यक्रमों में बुलडोजर दिखाई नहीं दिए। भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान बुलडोजर को अपराध और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तथा कानून-व्यवस्था के संदेश से जोड़ा था।

तेजी से होगी नई शिक्षक भर्ती, स्कूलों में टॉप-5 स्टूडेंट रीडर्स जैसे चलेंगे कार्यक्रम

एजेंसी, लखनऊ

परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए नई भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर सरकार का जोर है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने शुक्रवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए शिक्षकों की भर्ती, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।



बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने नई शिक्षक भर्ती और पठन कार्यक्रमों पर दिया जोर।

मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बिना आर्थिक विकास के लक्ष्यों को हासिल करना मुश्किल है। इसलिए विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम के नियमित उपयोग और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने पर जोर दिया। बैठक में बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने को लेकर भी चर्चा हुई। इसके लिए समाचार पत्रों और किताबों को पढ़ाई का हिस्सा बनाने की योजना पर जोर दिया गया। स्कूलों में सप्ताह में एक दिन विशेष पठन सत्र आयोजित किया जाएगा।

इसके अलावा बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीडर ऑफ द वीक और टॉप-5 स्टूडेंट रीडर्स जैसे कार्यक्रम चलाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयासों से बच्चों में पढ़ने की रुचि बढ़ाने के साथ उनकी समझ और ज्ञान को भी विकसित करने में मदद मिलेगी। विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा कर स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा।

राशन कार्ड धारकों को राहत दुकान पर ही पूरी होगी ई-केवाईसी

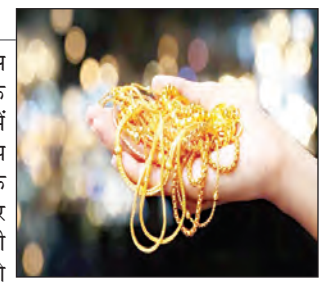
एजेंसी, लखनऊ। राशन कार्ड की ई-केवाईसी कराने के लिए आधार केंद्रों पर बढ़ रही भीड़ को देखते हुए विभाग ने लाभार्थियों को राहत दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक राशन कार्ड धारक को ई-केवाईसी के लिए आधार केंद्र जाने की आवश्यकता नहीं है। जिन लाभार्थियों का आधार पहले से अपडेट है और जिनका प्रमाणीकरण सफल हो रहा है, वे राशन की दुकान पर ही ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं। विभाग के अनुसार, राशन कार्ड से जुड़े लाभार्थियों की ई-केवाईसी के लिए आधार प्रमाणीकरण की व्यवस्था की गई है। इसके लिए राशन की दुकान पर उपलब्ध व्यवस्था के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। ऐसे में केवल ई-केवाईसी कराने के लिए आधार केंद्रों पर पहुंचने से बचना चाहिए। इससे आधार केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ भी कम होगी और लाभार्थियों को भी परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का आधार अपडेट नहीं है या आधार से संबंधित किसी तरह की समस्या है, उन्हें ही आवश्यकतानुसार आधार केंद्र जाना पड़ सकता है। आधार में मोबाइल नंबर, नाम या अन्य विवरण में बदलाव की जरूरत होने पर संबंधित प्रक्रिया आधार केंद्र के माध्यम से कराई जा सकती है। अधिकारियों ने राशन कार्ड धारकों से अपील की है कि वे पहले यह सुनिश्चित करें कि उनका आधार सही और अपडेट है। यदि आधार प्रमाणीकरण सफल है तो ई-केवाईसी के लिए राशन दुकान पर ही संपर्क करें। विभाग का उद्देश्य लाभार्थियों को सुविधा देने के साथ आधार केंद्रों पर बढ़ रही अनावश्यक भीड़ को कम करना है।

आगरा पुलिस पर 14 लाख के जेवर हड़पने का आरोप, जांच के आदेश

एजेंसी, आगरा

ताजगंज के एक सर्राफ ने पुलिस पर 14 लाख रुपये के सोने के जेवरात हड़पने और बरामदगी में नकली माल दिखाने का आरोप लगाया है। मामला सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। डीसीपी सिटी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी छत्ता को जांच सौंप दी है। जानकारी के अनुसार, सर्राफ से ठगी करने के आरोप में ट्रांस यमुना पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया।



सर्राफ का आरोप है कि आरोपितों की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसकी मदद की और करीब 14 लाख रुपये के सोने के जेवरात बरामद किए थे। आरोप है कि बाद में बरामद असली सोने के जेवरात को बदल दिया गया। सर्राफ के मुताबिक, पुलिस ने बरामदगी के दौरान जो सामान दिखाया, वह असली सोने के बजाय नकली था। उसका कहना है कि पुलिस के पास मौजूद जेवरात और बरामदगी में दिखाए गए सामान में अंतर है। इस आरोप के बाद पुलिस विभाग में भी मामला गंभीरता से लिया गया है।

डीसीपी सिटी ने शिकायत और आरोपों को देखते हुए पूरे प्रकरण की जांच एसीपी छत्ता को सौंप दी है। जांच अधिकारी बरामदगी की प्रक्रिया, पुलिस की कार्रवाई और सर्राफ की ओर से लगाए गए आरोपों की पड़ताल करेंगे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बरामदगी के समय कितने जेवर पुलिस के कब्जे में लिए गए थे और बाद में उनमें बदलाव कैसे हुआ। जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहत | यूपीएसएलडीसी के आंकड़ों में सामने आया बारिश का बिजली खपत पर सीधा असर

झमाझम बारिश से बिजली की मांग घटी, ऊर्जा विभाग को मिली बड़ी राहत

एजेंसी, सोनभद्र

उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हो रही झमाझम बारिश का असर बिजली की खपत और अधिकतम मांग पर पड़ा है। बीते 24 घंटे में प्रदेश की बिजली खपत में 125.1 मिलियन यूनिट की कमी दर्ज की गई। इसके साथ ही अधिकतम बिजली मांग में भी 6197 मेगावाट की गिरावट आई। पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही बिजली की मांग के बीच बारिश से खपत और मांग में आई कमी ने बिजली प्रबंधन को राहत दी है।

उत्तर प्रदेश राज्य लोड डिस्पैच केंद्र (यूपीएसएलडीसी) के आंकड़ों के अनुसार 24 सितंबर को प्रदेश में बिजली की खपत 501.3 मिलियन यूनिट दर्ज की गई थी। इसके बाद मौसम में बदलाव हुआ और बारिश का दौर तेज हो गया। 25 सितंबर को बिजली की खपत घटकर 376.2 मिलियन यूनिट रह गई। इस तरह एक दिन में खपत में 125.1 मिलियन यूनिट की कमी दर्ज की गई। बिजली की खपत में गिरावट के साथ राज्य की अधिकतम मांग में भी कमी आई। पिछले दिनों प्रदेश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही थी। बारिश होने से तापमान में बदलाव और बिजली के उपयोग में कमी का असर मांग पर भी पड़ा। इससे बिजली प्रबंधन को आपूर्ति व्यवस्था संभालने में राहत मिली।



बिजली विभाग के आंकड़ों के अनुसार बारिश से पहले राज्य में बिजली की खपत का स्तर काफी अधिक था। 24 सितंबर को 501.3 मिलियन यूनिट खपत दर्ज होने के बाद अगले दिन यह 376.2 मिलियन यूनिट पर आ गई। महज एक दिन में इतनी बड़ी गिरावट बिजली व्यवस्था में बारिश के प्रभाव को दर्शाती है। अधिकतम बिजली मांग में 6197 मेगावाट की कमी भी दर्ज की गई। बिजली की मांग में अचानक आई इस गिरावट से उत्पादन और आपूर्ति के प्रबंधन पर दबाव कम हुआ। लगातार बढ़ती मांग के बीच बिजली की उपलब्धता और आपूर्ति को संतुलित रखना विभाग के लिए महत्वपूर्ण होता है।

बारिश के कारण मांग कम होने से इस दिशा में भी राहत मिली। प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने के कारण बिजली की खपत में और बदलाव की संभावना बनी हुई है। हालांकि बिजली की वास्तविक मांग मौसम की स्थिति, तापमान और उपभोक्ताओं के बिजली उपयोग पर निर्भर करेगी। विभाग की ओर से मांग और खपत के आंकड़ों पर लगातार नजर रखी जा रही है। बारिश से आई गिरावट को बिजली प्रबंधन के लिहाज से राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

खासकर ऐसे समय में जब पिछले कुछ दिनों से बिजली की मांग बढ़ रही थी। 24 और 25 सितंबर के आंकड़ों में सामने आई कमी से स्पष्ट है कि मौसम में बदलाव का बिजली उपयोग पर सीधा असर पड़ा है। अब बारिश की स्थिति और आने वाले दिनों में बिजली की मांग के आधार पर आपूर्ति व्यवस्था का प्रबंधन किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी बारिश जारी रहने पर बिजली की खपत और अधिकतम मांग में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। विभाग मौसम के साथ मांग के आंकड़ों की लगातार निगरानी करेगा। मांग बढ़ने की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों के अनुसार आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित किया जाएगा।

पुराने यमुना पुल से अकाउंटेंट ने नदी में लगाई छलांग, तलाश में जुटी जल पुलिस

एजेंसी, प्रयागराज

पुराने यमुना पुल से निजी कंपनी के अकाउंटेंट के नदी में कूदने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद जल पुलिस, पीएसी और गोताखोरों की टीम ने यमुना में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि काफी प्रयास के बावजूद अब तक अकाउंटेंट का कोई पता नहीं चल सका है। परिवार के लोग भी उसकी तलाश को लेकर परेशान हैं।



घर से निकला युवक नहीं लौटा, पुराने यमुना पुल पर मिली बाइक से मचा हड़कंप।

जानकारी के अनुसार, अतरसुइया निवासी 35 वर्षीय तुषार केसरवानी निजी कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है। परिजनों के मुताबिक, तुषार शुक्रवार शाम करीब छह बजे बाइक लेकर घर से निकला था। इसके बाद वह देर रात तक घर वापस नहीं पहुंचा। काफी समय बीतने के बाद परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजन उसकी तलाश करते हुए संभावित स्थानों पर पहुंचे। इसी दौरान पुराने यमुना पुल पर तुषार की बाइक खड़ी मिली। इससे उसके

यमुना में लापता अकाउंटेंट की तलाश में रेस्क्यू टीम का अभियान जारी

यमुना नदी में कूदने की आशंका जताई गई। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और नदी में तलाश शुरू कराई गई।

जल पुलिस के साथ पीएसी के जवान और गोताखोर भी सर्च ऑपरेशन में लगाए गए हैं। टीम नदी में संभावित स्थानों पर लगातार तलाश कर रही है। नदी के बहाव और गहराई को देखते हुए अभियान में सावधानी बरती जा रही है। पुलिस की ओर से आसपास के क्षेत्र में भी जानकारी जुटाई जा रही है। परिवार के लोगों का कहना है कि तुषार शुक्रवार शाम घर से बाइक लेकर निकला था और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस उसके मोबाइल फोन और अन्य परिस्थितियों की जानकारी भी जुटा रही है, ताकि घटनाक्रम की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके।

फिलहाल नदी में तलाश अभियान जारी है और तुषार के मिलने का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस और बचाव दल की टीमें लगातार संभावित स्थानों पर सर्च कर रही हैं। अतरसुइया निवासी तुषार शुक्रवार शाम बाइक लेकर घर से निकला था। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। पुराने यमुना पुल पर उसकी बाइक मिली, जिसके बाद नदी में कूदने की आशंका जताई गई।

धर्मखेड़ी दीपक हत्याकांड में तीन आरोपित गिरफ्तार, वारदात की कड़ियां जोड़ रही पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी



गांव धर्मखेड़ी में हुए दीपक हत्याकांड में गिरफ्तार तीन आरोपितों प्रिंस, जितेंद्र हुड्डा और आर्यन को अदालत ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। सीआइए-2 हांसी ने तीनों को वारदात के 24 घंटे के भीतर अंबाला क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। अब थाना बास पुलिस उनसे हत्या की घटना, वारदात में इस्तेमाल सामान और अन्य साक्ष्यों को लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि मृतक दीपक और आरोपित प्रिंस पहले दोस्त थे। पुलिस का कहना है कि दीपक ने प्रिंस की बहन के बारे में कथित तौर पर अपशब्द कहे थे। इससे प्रिंस नाराज हो गया था। पुलिस के अनुसार इसी विवाद के बाद प्रिंस ने अपने साथियों जितेंद्र और आर्यन के साथ मिलकर दीपक की हत्या की। पुलिस अब तीनों आरोपितों से वारदात से पहले और उसके बाद की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

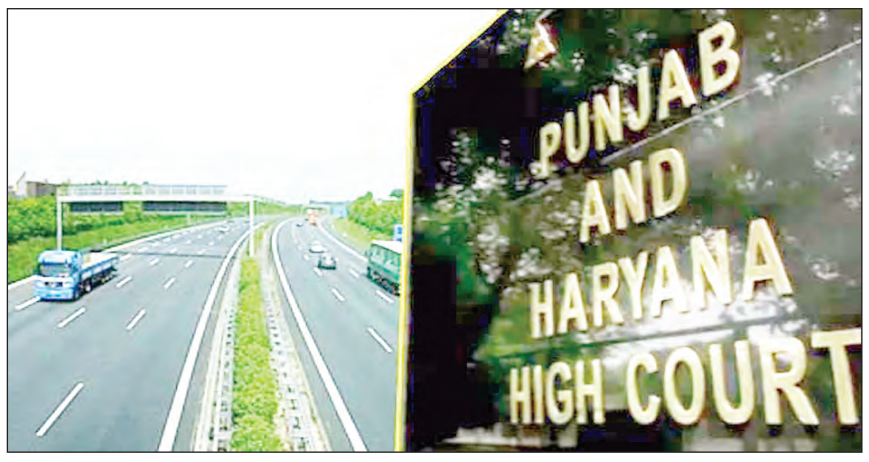
पूछताछ के दौरान पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्या की योजना कब और कहां बनाई गई थी तथा इसमें तीनों की अलग-अलग भूमिका क्या थी। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल किए गए सामान और अन्य साक्ष्यों को बरामद करने के लिए भी पूछताछ की जा रही है। सीआइए-2 की टीम ने मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को अंबाला क्षेत्र से काबू किया था। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी वारदात के करीब 24 घंटे के भीतर की गई। इसके बाद तीनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजने के आदेश दिए गए।

रिमांड अवधि के दौरान पुलिस आरोपितों से घटना की पूरी कड़ी जोड़ने का प्रयास करेगी। पुलिस यह भी जांच रही है कि हत्या से पहले मृतक और आरोपितों के बीच किसी तरह का विवाद हुआ था या नहीं। साथ ही वारदात के बाद आरोपितों की गतिविधियों और उनके अंबाला पहुंचने तक के घटनाक्रम की भी पड़ताल की जा रही है।

हाई कोर्ट का फैसला, सोनीपत में बढ़ा जमीन का मुआवजा

राठधना में अधिग्रहित जमीन का मुआवजा हुआ 1.29 करोड़ प्रति-एकड़

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सोनीपत के राठधना गांव में सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजे को लेकर जमीन मालिकों के पक्ष में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 23.77 एकड़ अधिग्रहित भूमि का मुआवजा बढ़ाकर एक करोड़ 29 लाख 47 हजार 200 रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया है। यह जमीन सेक्टर-32 और सेक्टर-33 के बीच सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी।

जस्टिस जगमोहन बंसल ने जमीन मालिकों की ओर से दायर अपीलों को स्वीकार करते हुए हरियाणा सरकार की संबंधित अपीलों को खारिज कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद अधिग्रहित भूमि के मालिकों को पहले निर्धारित मुआवजे की तुलना में अधिक राशि मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मामला राठधना गांव की उस जमीन से जुड़ा है, जिसे सड़क निर्माण परियोजना के लिए अधिग्रहित किया गया था।

जमीन अधिग्रहण के बाद मुआवजे की राशि को लेकर जमीन मालिकों और संबंधित अधिकारियों के बीच मतभेद था। जमीन मालिकों ने मुआवजे को कम बताते हुए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की थी। उनका पक्ष था कि अधिग्रहित जमीन का उचित मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के समक्ष अधिग्रहित भूमि और उसके मुआवजे से जुड़े रिकॉर्ड रखे गए। जमीन मालिकों की ओर से मुआवजा बढ़ाने की मांग की गई, जबकि सरकार की ओर से संबंधित अपीलों के माध्यम से पहले निर्धारित मुआवजे को बनाए रखने का पक्ष रखा गया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और मामले से जुड़े रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद जमीन मालिकों की अपील स्वीकार कर ली। हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार अब 23.77 एकड़ जमीन के लिए मुआवजा 1,29,47,200 रुपये प्रति एकड़ की दर से निर्धारित होगा। इस फैसले का सीधा असर राठधना गांव में सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के संबंधित मालिकों पर पड़ेगा।

राठधना जमीन मालिकों को हाई कोर्ट से राहत

अदालत के इस फैसले से राठधना गांव के प्रभावित जमीन मालिकों को राहत मिली है। अब अधिग्रहित भूमि के लिए बढ़ी हुई दर के आधार पर मुआवजा निर्धारित किया जाएगा। जमीन मालिकों का कहना था कि सड़क निर्माण परियोजना के लिए ली गई भूमि का उचित मूल्य उन्हें मिलना चाहिए। हाई कोर्ट ने मामले में उपलब्ध रिकॉर्ड और दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद जमीन मालिकों की अपील स्वीकार कर ली।

एनडीआरआई की नई तकनीक से मौके पर जांची जाएगी दूध की मिलावट

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल



दूध में मिलावट की जांच के लिए अब हर बार नमूना प्रयोगशाला भेजने और रिपोर्ट का इंतजार करने की जरूरत नहीं होगी। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआइ), करनाल ने दूध में फार्मेलिन की मौजूदगी का मौके पर पता लगाने के लिए पेपर आधारित स्ट्रिप तकनीक विकसित की है। संस्थान ने इसके व्यावसायिक उपयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। इस तकनीक की मदद से करीब सात से आठ मिनट में दूध में फार्मेलिन की मौजूदगी का पता लगाया जा सकता है।

फार्मेलिन का इस्तेमाल दूध को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए मिलावट के तौर पर किया जा सकता है। दूध में इसकी मौजूदगी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। अभी मिलावट की पुष्टि के लिए कई मामलों में नमूने प्रयोगशाला भेजने पड़ते हैं, जिससे रिपोर्ट आने में समय लगता है। ऐसे में मौके पर जांच करने वाली यह तकनीक प्रारंभिक स्तर पर काफी उपयोगी साबित हो सकती है। एनडीआरआइ की ओर से विकसित पेपर आधारित स्ट्रिप को इस्तेमाल करना आसान बताया गया है।

दूध के नमूने की जांच के बाद स्ट्रिप पर होने वाली प्रतिक्रिया के आधार पर फार्मेलिन की मौजूदगी का संकेत मिल सकता है। इससे दूध संग्रह केंद्रों पर ही प्रारंभिक जांच करना संभव होगा। उपभोक्ताओं के लिए भी यह तकनीक दूध की गुणवत्ता को लेकर जागरूकता बढ़ाने में मददगार हो सकती है। संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार, तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसका उद्देश्य ऐसी जांच सुविधा विकसित करना है, जिसे प्रयोगशाला की जटिल प्रक्रिया के बिना इस्तेमाल किया जा सके। दूध उत्पादकों, संग्रह केंद्रों और जांच से जुड़े विभागों के लिए भी यह तकनीक उपयोगी हो सकती है। दूध की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा को लेकर मिलावट की समय पर पहचान महत्वपूर्ण है।

मौके पर जांच की सुविधा मिलने से संदिग्ध नमूनों की पहचान तेजी से की जा सकेगी और जरूरत पड़ने पर आगे की विस्तृत जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला भेजे जा सकेंगे। हालांकि, स्ट्रिप से मिली जानकारी प्रारंभिक जांच के तौर पर उपयोगी होगी और नियामकीय कार्रवाई के लिए आवश्यक विस्तृत परीक्षण की प्रक्रिया अलग हो सकती है। मिलावट की पहचान तेज होने से दूध की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

एपीके एप और स्क्रीन शेयर कराकर लेक्चरर के खाते से 3.76 लाख उड़ाए

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। नारनौल में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली मंडी के एक लेक्चरर के बैंक खाते से तीन लाख 76 हजार 280 रुपये निकाल लिए। पीड़ित वर्तमान में रेवाड़ी में रहते हैं। ठगी का पता चलने के बाद उन्होंने बैंक को सूचना दी और साइबर हेल्पलाइन 1930 व राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को दी शिकायत में लेक्चरर ने बताया कि 18 सितंबर को उन्हें कॉलेज के लिए एक किताब की स्पेसिमेन कॉपी मंगवानी थी। इसके लिए उन्होंने गूगल पर पंकज बुक डिपो का मोबाइल नंबर खोजा। नंबर पर संपर्क करने के बाद खुद को बुक डिपो का कर्मचारी बताने वाले व्यक्ति ने उनके वॉट्सऐप पर एक एपीके एप्लीकेशन भेजी। एप्लीकेशन में फॉर्म भरने में परेशानी बताने पर दूसरे मोबाइल नंबर से वीडियो कॉल की गई। कॉल करने वाले ने लेक्चरर से मोबाइल की स्क्रीन शेयर करवाई। इस दौरान उसने निजी जानकारी के साथ बैंक खाते से संबंधित जानकारी भी हासिल कर ली।

धान कटाई के साथ पराली जलाने पर प्रशासन की बढ़ी सख्ती

100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी की तैनाती, बढ़ाई जाएगी जागरूकता

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



धान की कटाई का सीजन शुरू होते ही पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। पिछले वर्ष सामने आई पराली जलाने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने इस बार पहले से ही व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। रादौर, सरस्वती नगर, व्यासपुर और जगाधरी को विशेष निगरानी वाले क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया है।

प्रशासन की ओर से प्रत्येक 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। नोडल अधिकारी किसानों से संपर्क कर उन्हें पराली न जलाने के लिए जागरूक करेंगे। साथ ही फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए उपलब्ध विकल्पों की जानकारी भी किसानों तक पहुंचाई जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ खेतों में आग लगाने की घटनाओं पर प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। जिले में ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक निगरानी समितियां गठित की जा रही हैं।

ये समितियां धान की कटाई के दौरान खेतों पर नजर रखेंगी और पराली जलाने की किसी भी घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएंगी। प्रशासन ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। धान की कटाई बढ़ने के साथ ही खेतों में फसल अवशेष की मात्रा भी बढ़ेगी। ऐसे में प्रशासन किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए जागरूक करने पर जोर दे रहा है। विशेष निगरानी वाले क्षेत्रों में अधिकारियों की सक्रियता बढ़ाई जाएगी, ताकि किसी भी संभावित घटना की समय रहते जानकारी मिल सके।

◆ **पराली जलाने पर रोक के लिए प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी, नोडल अधिकारी तैनात**

प्रशासन का कहना है कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए किसानों, ग्राम स्तर की समितियों और अधिकारियों के बीच समन्वय जरूरी है। इसी उद्देश्य से नोडल अधिकारियों को किसानों से लगातार संपर्क रखने और जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

नारनौल में 152डी पर खड़े ट्राले से टकराया सब्जियों से भरा कैंटर, युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

◆ **हादसे के बाद कैंटर सवार युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित किया**

◆ **152डी पर ट्राले से भिड़ा कैंटर, चालक का चाचा गंभीर घायल**

नारनौल जिले के गांव खेड़ी तलवाना के पास शनिवार तड़के 152डी पर सड़क किनारे खड़े ट्राले से सब्जियों से भरा कैंटर टकरा गया। हादसे में कैंटर में सवार 29 वर्षीय युवक रोहित शर्मा की मौत हो गई। कैंटर चला रहे उसके चाचा प्रमोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों रेवाड़ी जिले के गांव करौली के रहने वाले हैं। घायल प्रमोद कुमार का नागरिक अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मृतक के पिता प्रेमचंद ने बताया कि प्रमोद कुमार अपने भतीजे रोहित शर्मा के साथ 24 सितंबर को महाराष्ट्र के नासिक से कैंटर में सब्जियां लेकर कैथल के लिए रवाना हुए थे। शनिवार तड़के दोनों 152डी से होते हुए खेड़ी तलवाना के पास पहुंचे। इसी दौरान पेट्रोल पंप के नजदीक बने रेस्ट एरिया में सड़क पर एक ट्राला खड़ा था। बताया गया कि कैंटर अनियंत्रित होकर ट्राले के पिछले हिस्से से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कैंटर में सवार रोहित और चालक प्रमोद गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद रेस्ट एरिया में मौजूद लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने पर दोनों घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल कनीना पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद रोहित शर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल प्रमोद कुमार का उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सड़क किनारे खड़े ट्राले से कैंटर की टक्कर के कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है। हादसे के बाद 152डी पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कैंटर और ट्राले की स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने वाहन चालकों से सड़क किनारे वाहन खड़े करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। जांच पूरी होने के बाद हादसे के कारण स्पष्ट होंगे।

आवेदन के बाद श्रेणी बदलकर आरक्षण का लाभ लेने की मांग अदालत ने नकारी

हाई कोर्ट ने सामान्य से पिछड़ा वर्ग-ए में बदलाव नकारा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सिविल सेवा एवं संबद्ध सेवाओं की भर्ती में आवेदन के बाद श्रेणी बदलने की मांग करने वाले अभ्यर्थी की याचिका खारिज कर दी है। अभ्यर्थी ने सामान्य वर्ग से आवेदन करने के बाद पिछड़ा वर्ग-ए श्रेणी में बदलाव कर आरक्षण का लाभ देने की मांग की थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि आवेदन के समय चुनी गई श्रेणी और निर्धारित कटआफ तिथि पर लागू पात्रता शर्तों में बाद में बदलाव नहीं किया जा सकता।

जस्टिस निधि गुप्ता ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया में आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा दर्ज की गई श्रेणी महत्वपूर्ण होती है। साथ ही भर्ती के लिए निर्धारित कटआफ तिथि पर अभ्यर्थी की पात्रता भी उसी आधार पर तय की जाती है। चयन प्रक्रिया आगे बढ़ने के बाद श्रेणी बदलकर आरक्षण का लाभ लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मामला वर्ष 2021 में हरियाणा सिविल सेवा एवं संबद्ध सेवाओं की भर्ती से जुड़ा है। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने 26 फरवरी 2021 को भर्ती का विज्ञापन जारी किया था। आवेदन करने की अंतिम तिथि दो अप्रैल 2021 निर्धारित की गई थी।

याचिकाकर्ता ने निर्धारित समय में सामान्य वर्ग के तहत आवेदन किया था। बाद में याचिकाकर्ता ने अपनी श्रेणी सामान्य वर्ग से बदलकर पिछड़ा वर्ग-ए करने की मांग की। उसका कहना था कि उसे पिछड़ा वर्ग-ए के तहत आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। हालांकि, हाई कोर्ट ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि आवेदन जमा होने के बाद श्रेणी में बदलाव की अनुमति देने से भर्ती प्रक्रिया के तय नियम प्रभावित हो सकते हैं। सभी अभ्यर्थियों की पात्रता आवेदन और कटआफ तिथि पर लागू नियमों के अनुसार ही तय की जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने इसी आधार पर याचिका खारिज कर दी और श्रेणी परिवर्तन की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

◆ **कटऑफ तिथि के बाद श्रेणी परिवर्तन नहीं, हाई कोर्ट ने याचिका खारिज**

न्यूज ब्रीफ

अंबाला में इंटरसिटी स्मार्टबस और ट्रक की टक्कर, कंडक्टर की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला। अंबाला शहर के कालका चौक पर शनिवार को गुरुग्राम से जालंधर जा रही इंटरसिटी स्मार्टबस की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस के 40 वर्षीय कंडक्टर छोटू की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद शुरू की। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई यात्रियों को चोटें आने की सूचना है। हादसे के कारण कालका चौक के आसपास कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। क्षतिग्रस्त स्मार्टबस को क्रेन की मदद से सड़क से हटाया गया। पुलिस दुर्घटना से जुड़े तथ्यों और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटा रही है।

100 रुपए के विवाद में पत्नी की हत्या, पति ने कस्सी-कुदाल से किए वार

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत जिले के एक गांव में घरेलू विवाद के दौरान 32 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। आरोप है कि शराब के नशे में पति ने कस्सी और कुदाल से वार कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच 100 रुपये को लेकर कहासुनी हुई थी। घटना से पहले पति ने अपने साले के साथ बैठकर शराब पी थी। बाद में साला दूसरे कमरे में चला गया, जिसके बाद दंपती के बीच विवाद बढ़ गया। जानकारी के अनुसार प्रवासी मजदूर नरेश करीब 15 दिन पहले पत्नी राजवंती और दो बच्चों के साथ पटना से सोनीपत आया था। परिवार गांव रहमाना निवासी राजेंद्र के खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे में रह रहा था और आसपास के खेतों में मजदूरी करता था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जींद की बेटी पूजा ने कबड्डी में स्वर्ण जीतकर देश का नाम किया रोशन

भारतेन्दु संवाददाता, जींद



जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने ईरान को 37-34 से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की।

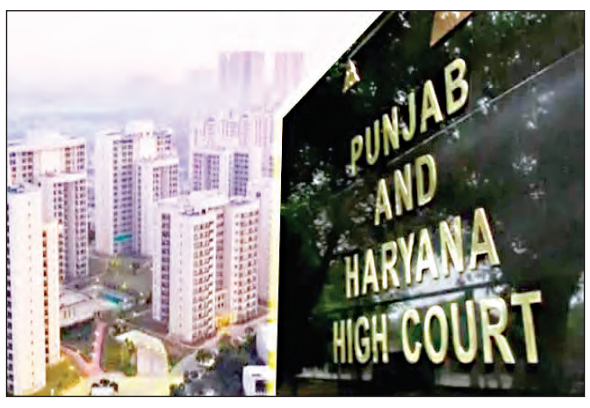
भारत ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। इससे पहले ग्रुप चरण में भी टीम ने शानदार खेल दिखाया। भारत ने बांग्लादेश को 42-21, ईरान को 37-23 और जापान को 50-25 से हराया था। इस स्वर्णिम अभियान में जींद के हथवाला गांव की कबड्डी खिलाड़ी पूजा भी भारतीय टीम का हिस्सा रहीं। टीम में वह रेडर की भूमिका निभाती हैं। पूजा ने अपने खेल से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। वह इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और कई बड़ी प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। पूजा 2022 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने एशियाई महिला कबड्डी चैंपियनशिप और महिला कबड्डी विश्व कप में भी भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हथवाला गांव की रहने वाली पूजा किसान परिवार से आती हैं। उनके पिता धर्मेंद्र किसान हैं, जबकि भाई साहिल जुलाना में इलेक्ट्रानिक्स की दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद पूजा ने कड़ी मेहनत और खेल प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

कार्रवाई नगर निगम सीमा में शामिल होने के बावजूद डीटीसीपी के अधिकार रहेंगे बरकरार

गुरुग्राम की डीएलएफ फेज-1 से 5 में अवैध निर्माण पर होगी कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



गुरुग्राम की डीएलएफ कॉलोनियों में नियमों के विपरीत किए गए निर्माण और आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर कार्रवाई को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। अदालत ने कहा है कि लाइसेंसशुदा कॉलोनी के नगर निगम की सीमा में शामिल हो जाने से नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग (डीटीसीपी) की वैधानिक शक्तियां समाप्त नहीं होतीं। ऐसे में डीएलएफ फेज-1 से 5 में भवन नियमों के उल्लंघन पर डीटीसीपी कानून के तहत कार्रवाई कर सकता है।

मामला डीएलएफ फेज-1 से 5 में भवन निर्माण और संपत्तियों के उपयोग से जुड़ा है। लंबे समय से इन कॉलोनियों में नियमों के उल्लंघन को लेकर विभागीय अधिकार क्षेत्र का सवाल उठता रहा है। हाई कोर्ट के स्पष्टीकरण के बाद इस संबंध में डीटीसीपी की भूमिका स्पष्ट हो गई है।

विभाग की ओर से किए गए सर्वे के दौरान कई संपत्तियों में स्वीकृत नियमों के विपरीत निर्माण और उपयोग के मामले सामने आए। इनमें आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करना, स्वीकृत अधिकतम फर्श क्षेत्र अनुपात यानी एफएआर से अधिक निर्माण करना और निर्धारित सीमा से अतिरिक्त मंजिलें बनाना शामिल है। विभाग ने ऐसे मामलों को गैर-समायोज्य श्रेणी में रखा है।

सर्वे में सामने आए उल्लंघनों के बाद संबंधित संपत्ति मालिकों को नोटिस भी जारी किए गए। अब हाई कोर्ट की स्थिति स्पष्ट होने के बाद नियमों के विपरीत निर्माण और संपत्ति के उपयोग से जुड़े मामलों में डीटीसीपी कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई कर सकेगा। अदालत के अनुसार किसी लाइसेंसशुदा कॉलोनी का नगर निगम की सीमा में आ जाना अपने आप में डीटीसीपी की वैधानिक शक्तियों को समाप्त नहीं करता। कॉलोनी के विकास और भवन निर्माण से जुड़े नियमों के अनुपालन की निगरानी के लिए विभाग को प्राप्त अधिकार लागू रहेंगे।

इसी आधार पर डीएलएफ फेज-1 से 5 में नियमों के उल्लंघन के मामलों पर कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ है। डीएलएफ कॉलोनियां गुरुग्राम के प्रमुख आवासीय क्षेत्रों में शामिल हैं। यहां बड़ी संख्या में आवासीय संपत्तियां हैं, लेकिन सर्वे के दौरान कुछ भूखंडों पर स्वीकृत उपयोग से अलग व्यावसायिक गतिविधियां चलाए जाने के मामले सामने आए। इसके अलावा कुछ संपत्तियों में स्वीकृत एफएआर से अधिक निर्माण और अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण भी पाया गया। विभाग ने ऐसे उल्लंघनों को गैर-समायोज्य श्रेणी में रखने के बाद संबंधित संपत्ति मालिकों को नोटिस जारी किए।

साढ़े 7 करोड़ के विकास कार्यों पर बहादुरगढ़ में विधायक-चेयरपर्सन में तकरार

भारतेन्दु संवाददाता, बहादुरगढ़। झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में विकास कार्यों के शिलान्यास और उद्घाटन को लेकर नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी और विधायक राजेश जून के बीच विवाद फिर सामने आया है। सेक्टर-2 में करीब साढ़े सात करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का चेयरपर्सन ने शुभारंभ कराया। इसके बाद विधायक ने इस शिलान्यास को लेकर सवाल उठाए और इसे नकली बताया। विवाद के बीच दोनों पक्षों की ओर से अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं। चेयरपर्सन पक्ष का कहना है कि नगर परिषद की ओर से क्षेत्र में विकास कार्य कराए जा रहे हैं और निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं विधायक की ओर से शिलान्यास को लेकर आपत्ति जताई गई है। सेक्टर-2 में प्रस्तावित विकास कार्यों में विभिन्न नागरिक सुविधाओं से जुड़े काम शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच पहले भी विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं।

जींद में एक्साइज विभाग कर्मी ने फंदा लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। शहर की बूढ़ा बाबा बस्ती में 51 वर्षीय एक्साइज विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रणबीर ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए, लेकिन वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजनों के अनुसार रणबीर पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। हालांकि उनकी परेशानी के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जींद के सिविल अस्पताल भेजा। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया के दौरान परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ परिजनों से भी पूछताछ की है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आइआइटी दिल्ली ने विकसित किया देश का पहला स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू

ई-रिक्शा से नेविगेशन तक काम आएगा आइआइटी दिल्ली का स्वदेशी जीपीयू

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) के क्षेत्र में भारत ने स्वदेशी तकनीक विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली के विद्युत इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने देश का पहला कार्यशील और प्रदर्शन-योग्य स्वदेशी माइक्रो-जीपीयू डिजाइन विकसित किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह उपलब्धि देश में ग्राफिक्स प्रसंस्करण से जुड़ी तकनीक के स्वदेशी विकास की संभावनाओं को मजबूत करती है। वर्तमान में देश में इस्तेमाल होने वाले जीपीयू मुख्य रूप से विदेशी कंपनियों से आयात किए जाते हैं। ऐसे में घरेलू स्तर पर विकसित यह तकनीक भविष्य में विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने में सहायक हो सकती है।



जीपीयू एक विशेष प्रकार का प्रोसेसर है, जिसका उपयोग तस्वीरों, वीडियो, ग्राफिक्स और समानांतर रूप से होने वाली जटिल गणनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए किया जाता है। आधुनिक कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकी अनुप्रयोगों में इसका व्यापक उपयोग होता है। आइआइटी दिल्ली के शोधकर्ताओं ने इस परियोजना के तहत ऐसा माइक्रो-जीपीयू तैयार किया है, जिसे डिजिटल डिजाइन के रूप में विकसित करने के बाद विशेष प्रोग्रामेबल हार्डवेयर पर जांचा गया। परीक्षण के दौरान इससे ग्राफिक्स तैयार करने और उन्हें स्क्रीन पर प्रदर्शित करने की क्षमता का सफल प्रदर्शन किया गया।

संस्थान के अनुसार, किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया यह पहला ऐसा माइक्रो-जीपीयू है, जिसका कार्यशील प्रदर्शन भी किया गया है। परियोजना को प्रो. जयदेवा और प्रो. कौशिक साहा के मार्गदर्शन में एमटेक के विद्यार्थियों नम्मी आकाश और एम. रवि तेजा ने आगे बढ़ाया। शोधकर्ताओं ने इसे पूरी तरह डिजिटल डिजाइन के रूप में तैयार किया है। इसके बाद प्रोग्रामेबल हार्डवेयर की सहायता से इसकी कार्यक्षमता का परीक्षण किया गया। इससे यह जांचने में मदद मिली कि विकसित प्रणाली ग्राफिक्स संबंधी गणनाओं को पूरा करने और तैयार परिणाम को प्रदर्शित करने में सक्षम है या नहीं।

आठ से 16 कोर वाले ग्राफिक्स प्रोसेसर पर काम

शोध टीम के अनुसार, इस तकनीक का उपयोग कम लागत वाले विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरणों में किया जा सकता है। औद्योगिक मशीनों की प्रदर्शन प्रणालियों, मानव-मशीन संपर्क प्रणाली, ई-रिक्शा के डैशबोर्ड और छोटे मछली पकड़ने वाले जहाजों के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्धारण उपकरणों में इसके इस्तेमाल की संभावना है। इसके अलावा शैक्षिक इलेक्ट्रानिक पुस्तक पाठकों जैसे उपकरणों में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। तकनीक को एएसआइसी और एफपीजीए जैसे प्रोग्रामेबल हार्डवेयर के अनुरूप विकसित करने की संभावना भी बताई गई है। शोधकर्ताओं का लक्ष्य अब इस तकनीक को अधिक सक्षम और उपयोगी बनाना है। इसके लिए आठ से 16 कोर वाले वेक्टर आधारित ग्राफिक्स प्रोसेसर के विकास पर काम किया जाएगा।

टूरिस्ट परमिट वाली बसों में अवैध माल ढुलाई का खेल

ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट के नाम पर बस संचालक कर रहे नियमों की अनदेखी

एजेंसी, ग्रेटर नोएडा

ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट की आड़ में लंबे रूट पर संचालित होने वाली बसों में परिवहन विभाग के नियमों की अनदेखी का मामला सामने आ रहा है। परमिट के तहत बस संचालक को पहले से यह जानकारी देनी होती है कि बस किस स्थान से किस स्थान तक चलेगी और निर्धारित मार्ग में किन-किन स्थानों पर यात्रियों को चढ़ाने और उतारने के लिए ठहराव होगा। इसके बावजूद कई बस संचालक निर्धारित व्यवस्था का पालन करने के बजाय मनमाने तरीके से यात्रियों को रास्ते में कहीं से भी बैठाते और उतारते हैं। इससे परमिट व्यवस्था की निगरानी और उसके उद्देश्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं।



परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट लेने के दौरान बस के संचालन से संबंधित आवश्यक जानकारी दर्ज कराना अनिवार्य है। इसमें बस का निर्धारित मार्ग और यात्रियों के लिए तय किए गए ठहराव की जानकारी शामिल होती है। बस संचालक को इन निर्धारित स्थानों की जानकारी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध करानी होती है। साथ ही यात्रियों की यात्रा से संबंधित विवरण अपने एप पर भी दर्ज करना होता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परमिट पर चलने वाली बसें तय व्यवस्था के अनुसार ही संचालित हों और यात्रियों को मनमाने ढंग से चढ़ाने-उतारने की व्यवस्था न बनाई जाए।

आरोप है कि नियमों के बावजूद कई बसों में निर्धारित स्टॉपेज की व्यवस्था का पालन नहीं किया जाता। संचालक रास्ते में यात्रियों को उनकी सुविधा के अनुसार अलग-अलग स्थानों से बैठा लेते हैं और गंतव्य के बीच कहीं भी उतार देते हैं। इससे टूरिस्ट परमिट और नियमित यात्री बस सेवा के बीच अंतर भी खत्म होता दिखाई देता है। यदि बस संचालक लगातार अलग-अलग स्थानों से यात्रियों को बैठाकर उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाते हैं, तो परमिट की निर्धारित शर्तों के अनुपालन को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

लंबे मार्गों पर चलने वाली बसों की नियमित जांच

परिवहन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि परमिट की शर्तों के अनुसार बसों के संचालन की निगरानी की जाए। जांच के दौरान बस का मार्ग, निर्धारित स्टॉपेज, यात्रियों का विवरण और सामान की स्थिति की पड़ताल की जा सकती है। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित बस संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का प्रविधान है। ऐसे में लंबे रूट पर चलने वाली टूरिस्ट बसों की नियमित जांच से परमिट व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सकता है और नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाया जा सकता है।

बसों में सामान की ढुलाई को लेकर भी नियमों की अनदेखी की शिकायत है। परिवहन विभाग के जानकारों के अनुसार टूरिस्ट बसों में किसी प्रकार का डिलीवरी वाला सामान ले जाना प्रतिबंधित है।

कालकाजी में पुराने मतदाता रिकार्ड के मिलान पर उठे सवाल

उम्र के अंतर की विसंगतियों ने मतदाताओं को सत्यापन में उलझाया

एजेंसी, नई दिल्ली

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के पुराने रिकार्ड के मिलान में उम्र से जुड़ी कई विसंगतियां सामने आने से मतदाताओं की परेशानी बढ़ गई है। पुराने अभिलेखों में दर्ज उम्र के आधार पर परिवार के सदस्यों के बीच उम्र के अंतर का मिलान किया जा रहा है। इसी प्रक्रिया में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें एक ही अभिभावक से जुड़े बच्चों की उम्र में नौ महीने से भी कम का अंतर दर्ज है। वहीं, कुछ मामलों में अभिभावक और संतान की उम्र का अंतर 15 वर्ष से भी कम पाया गया है। इन विसंगतियों के आधार पर चुनाव विभाग की ओर से संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी कर मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर सत्यापन कराने को कहा गया है।

ईश्वर नगर निवासी नीलम के मामले में भी इसी तरह की विसंगति सामने आई है। पुराने रिकार्ड में उनकी उम्र उनके पिता



◆ पुराने रिकार्ड में उम्र का अंतर कम, मतदाताओं को भेजे नोटिस

से करीब 15 वर्ष कम दर्ज दिखाई गई है। नीलम का कहना है कि उनका नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में भी दर्ज है। इसके बावजूद अब उम्र के अंतर को लेकर नोटिस मिलने से उन्हें पुराने दस्तावेज जुटाने की चिंता है। उनका कहना है कि पिता से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा जा रहा है, जबकि कई पुराने दस्तावेज आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। उन्हें यह भी चिंता है कि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने की स्थिति में आगामी मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज रहेगा या नहीं।

नवजीवन की शीला ने बताया कि नोटिस में पुराने एसआइआर रिकार्ड का हवाला देते हुए परिवार के सदस्यों की उम्र में अंतर को संभावित गलत मिलान से जोड़ा गया है। नोटिस मिलने के बाद उन्हें निर्धारित अधिकारी के समक्ष मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा गया।

रिकॉर्ड में अंतर ने खड़ी की परेशानी

स्थानीय लोगों का कहना है कि नोटिस मिलने के बाद वे रिकार्ड ठीक कराने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास पहुंच रहे हैं, लेकिन दस्तावेजों से जुड़ी अलग-अलग कमियों के कारण प्रक्रिया पूरी करने में कठिनाई हो रही है। लोगों का सवाल है कि यदि वर्ष 2002 की निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची में परिवार के सदस्यों की उम्र स्पष्ट रूप से दर्ज है, तो बाद में उम्र के अंतर को आधार बनाकर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया किस आधार पर अपनाई जा रही है।

द्वारका एक्सप्रेसवे कट के पास पंचर वाहनों से थमी हाईवे की रफ्तार

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर पंचर हुईं दो मालवाहक गाड़ियां बनीं जाम की वजह, सेक्टर-37 से खेड़कीदौला तक रेंगे वाहन

एजेंसी, गुरुग्राम

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शनिवार दोपहर दो मालवाहक गाड़ियों के अचानक पंचर होने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। द्वारका एक्सप्रेसवे कट के पास जयपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले मार्ग पर एक पिकअप और छोटा हाथी गाड़ी के टायर पंचर हो गए। दोनों वाहन सड़क के बीच में ही खड़े हो गए, जिससे पीछे से आ रहे वाहनों को आगे निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिली। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतार लग गई और हाईवे पर यातायात की रफ्तार बेहद धीमी हो गई। दोपहर के समय यातायात का दबाव पहले से अधिक होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ती चली गई। करीब चार किलोमीटर तक वाहनों की कतार पहुंच गई और वाहन चालक काफी देर तक जाम में फंसे रहे।



जाम की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने पहले सड़क पर खड़े दोनों वाहनों को किनारे करवाने का प्रयास किया। इसके बाद दोनों वाहनों की स्टेपनी बदलवाकर उन्हें सड़क से हटाया गया। वाहनों के हटने के बाद भी यातायात तुरंत सामान्य नहीं हो सका, क्योंकि पीछे से लगातार बड़ी संख्या में वाहन पहुंच रहे थे। जाम के कारण सेक्टर-37 से खेड़कीदौला टोल प्लाजा की तरफ जाने वाले मार्ग पर वाहनों की गति काफी धीमी रही। कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते दिखाई दिए।

हाईवे पर लंबा जाम लगने के कारण कई वाहन चालकों ने मुख्य मार्ग से निकलने के लिए सर्विस लेन का सहारा लिया। इससे सर्विस लेन पर भी वाहनों का दबाव बढ़ गया और वहां भी जाम जैसी स्थिति बन गई। कुछ वाहन चालक काफी देर तक एक ही स्थान पर फंसे रहे। लोगों का कहना था कि मालवाहक वाहनों के बीच सड़क पर खराब होने के कारण पीछे से आने वाले वाहनों के लिए रास्ता बाधित हो गया था। यदि खराब वाहनों को जल्द सड़क से हटा दिया जाता तो जाम की स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

यातायात पुलिस की टीम ने मौके पर रहकर वाहनों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने चालकों को सर्विस लेन और मुख्य मार्ग पर यातायात के अनुसार आगे बढ़ाया। दोनों मालवाहक वाहनों के सड़क से हटने के बाद धीरे-धीरे यातायात का दबाव कम होना शुरू हुआ। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद हाईवे पर वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी। इस दौरान सबसे अधिक परेशानी उन वाहन चालकों को हुई, जिन्हें दिल्ली की ओर जाना था। शनिवार होने के कारण दोपहर में हाईवे पर वाहनों की संख्या अधिक थी। ऐसे में मामूली खराबी के कारण भी जाम ने विकराल रूप ले लिया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि हाईवे पर वाहन खराब होने की स्थिति में उसे जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें और पुलिस या संबंधित सहायता सेवा को सूचना दें, ताकि मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित न हो।

बिजली चोरी के खिलाफ एनपीसीएल का अभियान जारी

बिजली चोरी की जांच करने पहुंची एनपीसीएल विजिलेंस टीम पर 10-12 लोगों ने किया हमला

एजेंसी, ग्रेटर नोएडा

बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एनपीसीएल की विजिलेंस टीम ने ग्रेटर नोएडा के तुस्याना गांव में बड़ी बिजली चोरी का मामला पकड़ा है। जांच के दौरान टीम को एक परिसर में बिना मीटर के अवैध तरीके से बिजली का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी मिली। जांच आगे बढ़ाने पर सामने आया कि परिसर में चोरी की बिजली का उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए ही नहीं, बल्कि एक फैक्ट्री संचालित करने के लिए भी किया जा रहा था। एनपीसीएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर बिजली आपूर्ति से जुड़े उपकरणों और परिसर में किए जा रहे कनेक्शन की जांच की। इस दौरान करीब 29 किलोवाट बिजली की चोरी पकड़ी गई। टीम ने बिजली चोरी से संबंधित साक्ष्यों को दर्ज किया और नियमानुसार



18000 किलोवाट चोरी पकड़ी और 500 से अधिक एफआईआर।

कार्रवाई शुरू की।

जांच के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब एनपीसीएल की टीम परिसर में अपनी कार्रवाई कर रही थी। वहां मौजूद करीब 10 से 12 लोगों ने टीम के सदस्यों के साथ कथित तौर पर मारपीट शुरू कर दी। टीम के काम में बाधा डालने के साथ उनके साथ हाथापाई भी की गई। घटना के बाद एनपीसीएल की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई है। कंपनी ने टीम पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बिजली चोरी के मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत भी मामला दर्ज कराया गया है। एनपीसीएल अधिकारियों के अनुसार बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एनपीसीएल के अनुसार ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान को लगातार तेज किया गया है। एक अप्रैल 2026 से अब तक बिजली चोरी के करीब चार हजार मामले सामने आ चुके हैं। अभियान के दौरान लगभग 18 हजार किलोवाट बिजली की चोरी पकड़ी गई है। इसके अलावा बिजली चोरी के मामलों में 500 से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। एनपीसीएल का कहना है कि बिजली चोरी से न केवल कंपनी को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि इससे विद्युत व्यवस्था पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। अवैध कनेक्शन और अनधिकृत रूप से बिजली का उपयोग करने से विद्युत उपकरणों और लाइनों पर भी असर पड़ सकता है।

कंझावला में जुटेगी 36 बिरादरी की महापंचायत

सुनील की कथित टिप्पणी को लेकर क्षेत्र में बढ़ी नाराजगी, आज महापंचायत में होगी चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

जाट समाज को लेकर सुनील द्वारा कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। टिप्पणी को लेकर क्षेत्र में समाज के लोगों में नाराजगी है और विभिन्न बिरादरियों के बीच इस विषय पर चर्चा तेज हो गई है। इसी क्रम में रविवार को 36 बिरादरी की महापंचायत आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। महापंचायत में क्षेत्र की विभिन्न बिरादरियों के लोग शामिल होकर पूरे मामले पर चर्चा करेंगे और आगे की रणनीति को लेकर सामूहिक रूप से निर्णय लिया जाएगा।

महापंचायत के आयोजकों के अनुसार, रविवार सुबह 11 बजे कंझावला स्थित हरियाणा शक्ति स्कूल में पंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसमें जाट समाज



को लेकर सुनील की ओर से की गई कथित टिप्पणी का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इस टिप्पणी को लेकर समाज के लोगों में नाराजगी है और महापंचायत के माध्यम से इस मामले पर सभी पक्षों की बात सुनी जाएगी। इसके बाद चर्चा के आधार पर आगे की कार्रवाई और उठाए जाने वाले कदमों पर निर्णय लिया जाएगा।

आयोजकों ने 36 बिरादरी के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में महापंचायत में पहुंचने की अपील की है। उनका कहना है कि यह पंचायत किसी एक पक्ष की बात रखने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें विभिन्न बिरादरियों के प्रतिनिधियों और समाज के लोगों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। महापंचायत में मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लेने की बात कही गई है।

बिरादरियों की राय से तय होगी रणनीति

महापंचायत में शामिल होने वाले लोगों के विचारों के आधार पर आगे की रणनीति तय होने की संभावना है। मामले को लेकर क्षेत्र में लोगों की नजर अब रविवार को होने वाली महापंचायत पर है। पंचायत में विभिन्न बिरादरियों की भागीदारी और चर्चा के बाद सामने आने वाले निर्णय को आगे की दिशा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में सुनील की कथित टिप्पणी का पूरा विवरण या उनका पक्ष सामने नहीं आया है। ऐसे में महापंचायत में सभी पक्षों को सुनने के बाद ही मामले को लेकर आगे का निर्णय किए जाने की बात कही गई है।

हापुड़ टोल प्लाजा मामले में 38 करोड़ की वसूली

अल्लाबक्शापुर-ब्रजघाट टोल प्लाजा पर स्टांप शुल्क की कमी, कंपनी से होगी 38 करोड़ वसूली

एजेंसी, नई दिल्ली

हापुड़ में एनएच-9 स्थित अल्लाबक्शापुर-ब्रजघाट टोल प्लाजा पर वाहनों से टोल वसूली के लिए किए गए करोड़ों रुपये के अनुबंध में स्टांप शुल्क की कमी का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। सहायक आयुक्त स्टांप की ओर से लगाए गए 38 करोड़ 14 लाख 26 हजार 920 रुपये के जुर्माने की निर्धारित अवधि में अदायगी नहीं होने पर राजस्व विभाग ने मैसर्स आइआरबी हापुड़-मुरादाबाद टोल वे प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ वसूली प्रमाण पत्र (आरसी) जारी कर दिया है। अब इस धनराशि की वसूली भू-राजस्व के बकाये की तरह की जाएगी।

अल्लाबक्शापुर-ब्रजघाट टोल प्लाजा एनएच-9 पर स्थित है और यहां से गुजरने वाले वाहनों से निर्धारित नियमों के तहत टोल वसूली की जाती है। टोल वसूली से संबंधित अनुबंध में स्टांप शुल्क की कमी का मामला सामने आने के बाद इसकी जांच की गई। जांच



के बाद सहायक आयुक्त स्टांप की ओर से संबंधित कंपनी पर 38 करोड़ 14 लाख 26 हजार 920 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया। कंपनी को निर्धारित अवधि में इस धनराशि का भुगतान करना था, लेकिन समय सीमा के भीतर जुर्माने की राशि जमा नहीं की गई।

निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने के बाद प्रशासन ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू की। राजस्व विभाग की ओर से अब संबंधित कंपनी के खिलाफ आरसी जारी कर दी गई है। आरसी जारी होने के बाद जुर्माने की धनराशि की वसूली के लिए राजस्व विभाग की प्रक्रिया लागू होगी। प्रशासन की ओर से बकाया धनराशि को भू-राजस्व के बकाये की तरह वसूल किए जाने की कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद टोल प्लाजा से जुड़े अनुबंध और स्टांप शुल्क के मामले ने एक बार फिर ध्यान खींचा है। करोड़ों रुपये के अनुबंध में स्टांप शुल्क की कमी सामने आने के बाद प्रशासन ने बकाया धनराशि की वसूली के लिए सख्त कदम उठाया है। अधिकारियों के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत बकाया धनराशि की वसूली की जाएगी।

सखी कैमरों की नजर में दिल्ली के वाहन चालक, 20 सितंबर तक 38.95 लाख चालान

दिल्ली की सड़कों पर कैमरों का बढ़ा शिकंजा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कैमरों की निगरानी लगातार बढ़ रही है। यातायात पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 20 सितंबर तक कैमरों के माध्यम से यातायात नियमों के उल्लंघन के 38,95,591 चालान जारी किए जा चुके हैं। इनमें सबसे अधिक चालान कार चालकों के हैं। कार चालकों के नाम पर 17,56,160 चालान दर्ज किए गए हैं। इसके बाद दोपहिया वाहन चालकों का स्थान है, जिनके खिलाफ 12,42,653 चालान जारी हुए हैं। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में यातायात नियमों की निगरानी के लिए कैमरों का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई का दायरा भी बढ़ा है।



कैमरा निगरानी से बढ़ेगी वाहन चालकों की सतर्कता।

कैमरों के माध्यम से चालान किए जाने की व्यवस्था का उद्देश्य सड़कों पर यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर लगाए गए कैमरे वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। नियमों का उल्लंघन सामने आने पर संबंधित वाहन के पंजीकरण विवरण के आधार पर चालान जारी किया जाता है। इससे यातायात पुलिस को हर स्थान पर मौके पर मौजूद रहकर नियम तोड़ने वाले प्रत्येक वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। कैमरा आधारित व्यवस्था के कारण यातायात नियमों के उल्लंघन की निगरानी लगातार की जा सकती है।

एक साल में 1.60 लाख बढ़े कैमरा चालान

यातायात पुलिस के आंकड़ों की तुलना करने पर पता चलता है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कैमरों के माध्यम से जारी चालानों की संख्या में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष 20 सितंबर तक कैमरों से 37,34,673 चालान जारी किए गए थे। वहीं, इस वर्ष इसी अवधि तक यह संख्या बढ़कर 38,95,591 हो गई। इस तरह एक वर्ष में कैमरा आधारित चालानों की संख्या में 1,60,918 की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी दिल्ली की सड़कों पर कैमरों के माध्यम से यातायात नियमों की निगरानी और उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई के विस्तार को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार, कैमरा चालान में कार चालकों की संख्या सबसे अधिक है। इस वर्ष 20 सितंबर तक कार चालकों के 17,56,160 चालान जारी किए गए हैं।

नियम तोड़ने वालों पर कैमरों से कार्रवाई

यातायात पुलिस की ओर से लगातार वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की जाती है। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, यातायात संकेतों का पालन करने और सड़क पर सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने पर जोर दिया जाता है। कैमरों के जरिए होने वाली निगरानी से वाहन चालकों में नियमों के प्रति सतर्कता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कैमरा चालानों की संख्या में हुई बढ़ोतरी से यह भी स्पष्ट होता है कि कैमरा आधारित निगरानी व्यवस्था का इस्तेमाल यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के लिए बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन पर 3 ट्रैक्टरों के काटे चालान

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर (गलोड़)। गलोड़ पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शुक्रवार रात क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। गलोड़ चौकी प्रभारी विनय अत्री की अगुवाई में पुलिस टीम ने खड्डों और संवेदनशील क्षेत्रों में दबिश दी। इस दौरान खनन नियमों का उल्लंघन करने पर तीन ट्रैक्टरों के चालान किए गए और कुल 14 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के बाद खड्डों में अवैध खनन की गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे पेयजल योजनाओं और उपजाऊ भूमि पर असर पड़ने की चिंता है। थाना बड़सर के एसएचओ गुरवख्श सिंह ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इंटर कॉलेज क्रिकेट चैंपियनशिप में डीएवी कांगड़ा का धमाल, धलियारा को दी मात



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डीएवी कॉलेज कांगड़ा मैदान में चल रही इंटर कॉलेज क्रिकेट चैंपियनशिप ग्रुप-सी में मेजबान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गवर्नमेंट कॉलेज धलियारा को 174 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएवी कॉलेज ने 20 ओवर में छह विकेट पर 203 रन बनाए। कप्तान अरशद धीमान ने 56, सुकृत शर्मा ने 37 और बंश धीमान ने 39 रन बनाए। जवाब में धलियारा की टीम 7.3 ओवर में महज 29 रन पर ऑल आउट हो गई। राहुल और चिराज ने तीन-तीन विकेट झटके। दूसरे मुकाबले में राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां ने रीजनल सेंटर धर्मशाला को 53 रन से हराया। नगरोटा ने 127 रन बनाए, जबकि धर्मशाला की टीम 74 रन पर सिमट गई। शिवम चौधरी ने चार विकेट लिए। व्यापार मंडल अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

87 हजार के प्रोटोटाइप से 3.5 करोड़ की रक्षा परियोजना तक पहुंचे हमीरपुर के युवा: सांसद



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज बड़ू के छात्र सर्वेश शर्मा और उनके साथियों पीयूष शर्मा, सूरज नड्डा व लक्ष्य ठाकुर की तकनीकी उपलब्धि पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने उन्हें सम्मानित कर बधाई दी। सर्वेश शर्मा ने करीब 87 हजार रुपये की लागत से ड्रोन का प्रारंभिक प्रोटोटाइप तैयार किया था। इसके बाद उनके प्रोजेक्ट को डिफेंस इनोवेशन ऑर्गेनाइजेशन और इनोवेशन्स फॉर डिफेंस एक्सीलेंस के तहत 3.50 करोड़ रुपये की ग्रांट के लिए स्वीकृति मिली है। अब टीम 'रुद्रा एज टी-1 (स्पेक्ट्रम)' ड्रोन के विकास पर कार्य करेगी, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना की सीमा निगरानी आवश्यकताओं के लिए तकनीकी समाधान तैयार करना है। परियोजना का इनक्यूबेशन आईआईटी रुड़की में होगा और इसे करीब 20 माह में पूरा करने का लक्ष्य है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह उपलब्धि छोटे शहरों के युवाओं की तकनीकी क्षमता और नवाचार का उदाहरण है।

खैर की लकड़ी से लदी पिकअप जब्त, चालक फरार

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। वन संपदा की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ऊना वन विभाग की टीम ने शुक्रवार देर रात पीरनिगाह क्षेत्र में खैर की लकड़ी से लदी महिंद्रा पिकअप जब्त की। हालांकि, वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। वन विभाग के अनुसार रात करीब 12:40 बजे गश्त के दौरान तिरपाल से ढकी पिकअप को जांच के लिए रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी। पीछा करने पर चताड़ा के पास चालक पिकअप छोड़कर भाग गया। तलाशी लेने पर वाहन से अवैध रूप से काटी गई खैर की लकड़ी के 45 मोछे बरामद हुए। विभाग ने बताया कि तस्करों के साथियों ने बोलेरो कैंपर से टीम का रास्ता रोकने और पीछा भटकाने का प्रयास किया। इस संबंध में पुलिस थाना सदर ऊना को शिकायत देकर भारतीय वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। वन विभाग ने अवैध कटान के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है।

स्मार्ट एवं स्वच्छ शहर बनाने का लिया संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्मार्ट बनाने के उद्देश्य से नगर निगम हमीरपुर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत निगम ने वार्ड नंबर 11 दुगनेड़ी के इको फ्रेंडली ग्रीन पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नगर निगम के आयुक्त राकेश शर्मा, अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा स्वच्छता साथियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं शहर को हरा-भरा बनाने का संदेश देते हुए पौधे रोपे। आयुक्त ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के तहत शहर के सभी कुओं एवं बावड़ियों की साफ-सफाई का कार्य भी किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों, गलियों एवं अन्य चिन्हित क्षेत्रों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए लगातार सफाई कार्य जारी है। नगर निगम द्वारा सफाई कर्मचारियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा उन्हें अपने कार्यस्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के लिए प्रेरित किया गया है।

कंसा चौक में सीएम सुक्खू की रैली में उमड़ा जनसैलाब

हजारों लोगों ने नारों के साथ किया मुख्यमंत्री का स्वागत, सुबह से ही रैली स्थल पर जुटने लगा था लोगों का हुजूम

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बल्ह विधानसभा क्षेत्र के कंसा चौक में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की जनसभा में भारी जनसमूह उमड़ा। मुख्यमंत्री को सुनने के लिए बल्ह विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग रैली स्थल पर पहुंचे। हजारों की संख्या में मौजूद लोगों ने नारे लगाकर मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका अभिनंदन किया।

रैली स्थल पर सुबह से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे-जैसे मुख्यमंत्री के पहुंचने का समय नजदीक आता गया, कंसा चौक में लोगों की भीड़ बढ़ती गई। बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और स्थानीय लोग मुख्यमंत्री को सुनने के लिए उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के रैली स्थल पर पहुंचते ही समर्थकों और उपस्थित लोगों ने जोरदार नारों के



साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, कर्मचारी, महिला, युवा तथा अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत एवं सम्मान किया। अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को हिमाचली परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया और क्षेत्र में पहुंचने पर उनका आभार व्यक्त किया।

जनसभा के दौरान पूरा रैली स्थल मुख्यमंत्री के समर्थन में लगाए जा रहे नारों से गूंजता रहा। लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति उत्साह और रैली को लेकर विशेष जोश देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने भी उपस्थित जनसमूह का अभिवादन स्वीकार करते हुए बल्ह विधानसभा क्षेत्र के लोगों का बड़ी संख्या में रैली में पहुंचने के लिए आभार व्यक्त किया।

नेरचौक के पास बच्चों से मिलने बग्घी से उतरे मुख्यमंत्री सुक्खू, सहज अंदाज ने जीता दिल

बल्ह विधानसभा क्षेत्र के कंसा चौक में रैली को संबोधित करने जा रहे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने डीएवी स्कूल नेरचौक के पास रुककर बच्चों से मुलाकात की। बग्घी पर सवार मुख्यमंत्री बच्चों के इशारे पर नीचे उतरे और उनसे काफी देर तक बातचीत की। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने, अनुशासन व आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य हासिल करने तथा निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं और बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री के आत्मीय व्यवहार से बच्चे उत्साहित नजर आए।

सीएम की रैली के लिए एचआरटीसी की 90 बसें भेजीं, कई रूट प्रभावित और यात्री रहे परेशान

बल्ह विधानसभा चुनाव क्षेत्र के कन्सा चौक की रैली में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के संबोधन हेतु भीड़ जुटाने के लिए एचआरटीसी के मंडी डिपो से 52 और सुंदर नगर डिपो से 38 बसें का भेजी गई थीं। इसके चलते रोजमर्रा की रूटों पर चलने वाली बसें नदारद पाई गई और देहाती सवारियां बस आने का इंतजार करती रहीं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार इसके लिए सरकार द्वारा लगभग 12 लाख रुपए की राशि एचआरटीसी को प्रदान की गई है।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों की तैयारी में कसी कमर: रजनी पाटिल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की हिमाचल प्रभारी रजनी पाटिल ने कहा कि अगले वर्ष प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हाल में हुई बैठकों में पीसीसी, जिला अध्यक्षों, मीडिया पदाधिकारियों तथा अग्रणी संगठनों और विभागों के कामकाज की समीक्षा की गई।

पाटिल ने पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद बनाए रखने तथा संगठन को बूथ और ब्लॉक स्तर तक मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो पदाधिकारी संगठन को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं, उनकी जगह सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। अधूरी ब्लॉक कमेटियों को भी जल्द पूरा करने के लिए कहा गया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में संगठन और सरकार के बीच समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। साथ ही



◆ 'वोट चोरी' व एसआईआर के मुद्दे पर 28 को जिलों में प्रदर्शन का ऐलान

राहुल गांधी के 'युवा संवाद' और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद की बात कही। पाटिल ने पेपर लीक के मुद्दे को युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय बताया। चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों का भी उन्होंने उल्लेख किया। 25 सितंबर को हिमाचल कांग्रेस ने शिमला में चुनाव विभाग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन

◆ छात्र संवाद और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर भी कांग्रेस ने जताई चिंता

कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और हटाने की मांग की थी।

पाटिल ने कहा कि कांग्रेस 28 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में एसआईआर और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों तथा डिजिटल भुगतान से जुड़े शुल्क को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि इन मुद्दों को जनता के बीच रखा जाएगा।

कार-बाइक की भिड़ंत, 32 वर्षीय युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जिला सिरमौर के उपमंडल पच्छाद (सराहां) के कहान गांव के पास शुक्रवार रात कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में 32 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश कुमार पुत्र सतपाल, निवासी गांव बनाड़ (गगल शिकोर), तहसील पच्छाद के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार हादसा रात करीब 10:30 बजे हुआ। राजेश कुमार हरियाणा नंबर की मोटरसाइकिल (एचआर 03जेड 0823) पर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही कार (एचपी16एए 4413) से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल सराहां पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पच्छाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

द्रोणाचार्य कॉलेज रैत में टैलेंट हंट, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा



भारतेन्दु संवाददाता, रैत। द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय रैत के कंप्यूटर साइंस विभाग की ओर से विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने डिक्लेमेशन, नृत्य, वीडियो एडिटिंग, पेंटिंग, शायरी, कैनवा डिजाइनिंग, डिबगिंग, वेब डिजाइनिंग, मॉडलिंग और फोटोग्राफी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। डिक्लेमेशन में अर्श प्रथम, अदिति द्वितीय और कसक तृतीय रहे। नृत्य में प्रियांशिका ने पहला, आइना ने दूसरा स्थान हासिल किया। वीडियो एडिटिंग में समर्थ, पेंटिंग में अर्श, कैनवा डिजाइनिंग में लक्ष्मी, डिबगिंग में कृष तथा वेब डिजाइनिंग में शाश्वत प्रथम रहे। मॉडलिंग में वैष्णवी और विपुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि फोटोग्राफी में पार्थ प्रथम रहे। शायरी में अनीकेत ने प्रतिभा दिखाई। प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा और विभागाध्यक्ष राजेश सिंह राणा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां आत्मविश्वास, रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।

◆ वीडियो एडिटिंग में समर्थ, पेंटिंग में अर्श और डिबगिंग में कृष ने मारी बाजी

सरकारी संपत्ति को नुकसान पर राजीव बिंदल ने मांगी कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री, मंत्री और सत्ताधारी दल के नेता प्रदेश में अराजकता, राजनीतिक दबाव और गुंडागर्दी की संस्कृति को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिमला में निर्वाचन विभाग कार्यालय के बाहर कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने कानून-व्यवस्था और



सरकारी संपत्ति के प्रति सत्ताधारी दल के रवैये पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि यह तथ्य सार्वजनिक रिपोर्टों में दर्ज है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन विभाग कार्यालय की दीवारों और साइन बोर्ड पर वोट चोर लिखा तथा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन और पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने किया और इसमें कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि हमारा आरोप है कि मंत्रियों और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस को धमकाने, पुलिस वाहन पर चढ़कर उसे नुकसान पहुंचाने तथा सरकारी कार्यालय को आग लगाने की धमकी देने के जो आरोप सामने आए हैं, उनकी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर तत्काल निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। आरोप सही पाए जाते हैं तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

डॉ. बिंदल ने कहा कि सरकारी कार्यालय की दीवारों और साइन बोर्ड पर नारे लिखे जाने की तस्वीरें और रिपोर्ट सामने हैं। मीडिया रिपोर्टों में निर्वाचन विभाग का साइन बोर्ड हटाने और परिसर में नारे लिखे जाने का भी उल्लेख है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री से करवाया जाए टॉय ट्रेन का उद्घाटन : शांता

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने हिमाचल सरकार से सौरभ कालिया वन बिहार में तैयार की गई टॉय ट्रेन का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन मंत्री से करवाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि इससे हिमाचल की इस टॉय ट्रेन की ओर पूरे देश का ध्यान आकर्षित होगा और प्रदेश राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और प्रमुखता से उभरेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से हिमाचल में पर्यटन को तेजी से बढ़ावा मिलेगा।

शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि सौरभ कालिया वन बिहार में बन रही टॉय ट्रेन के सभी परीक्षण सफल रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में इसके अंतिम तकनीकी परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं। संबंधित कंपनी पिछले दो वर्षों से इस परियोजना पर काम कर रही थी और करीब दो करोड़ रुपये की लागत से टॉय ट्रेन की योजना को पूरा किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वन विभाग और संबंधित कंपनी का धन्यवाद करते हुए हिमाचल प्रदेश की जनता को बधाई दी।

जयराम बोले- चुनाव विभाग के कार्यालय पर हमला हिमाचल के लिए काला अध्याय

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और मंत्रियों के एक समूह द्वारा चुनाव विभाग के कार्यालय में कथित तौर पर अभद्रता, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाने की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे मंत्रियों की अगुवाई में संवैधानिक संस्था के कार्यालय में हुई यह घटना हिमाचल के लिए काला अध्याय है। उन्होंने घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।



जयराम ठाकुर ने शनिवार को एक बयान में आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं को सत्ता के संरक्षण में अराजकता फैलाने की छूट मिली हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले मंत्री इसी प्रक्रिया के तहत चुनकर सत्ता में पहुंचे हैं। उन्होंने बिलासपुर के घुमारवीं में भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 22 दिन के अनशन के बावजूद संबंधित लोगों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राहुल गांधी को दोबारा राजनीतिक रूप से स्थापित करने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी गारंटी पर भरोसा करता है।

जयराम ठाकुर ने एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने 10 हजार मीटर दौड़ में हिमाचल की सीमा के कांस्य पदक और जोगिंदरनगर के सावन बरवाल के मैराथन में स्वर्ण पदक जीतने का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने महिला कबड्डी टीम के स्वर्ण पदक में हिमाचल की पुष्पा राणा, ऋतु नेगी, भावना ठाकुर और ज्योति ठाकुर की भूमिका की सराहना की। उन्होंने सरकार से खिलाड़ियों को घोषित पुरस्कार राशि देने का आग्रह किया।

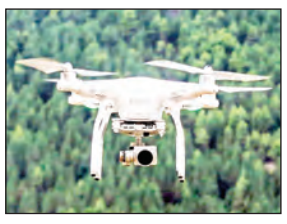
जयराम ठाकुर ने नेरचौक मेडिकल कॉलेज में रेडियोलॉजी विशेषज्ञों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार मशीनें तो खरीद रही है, लेकिन पर्याप्त डॉक्टर नियुक्त नहीं कर रही। उन्होंने एमआरआई मशीन के उद्घाटन में देरी पर भी सवाल उठाए और कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में मशीनों के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

लाहौल में डाक सेवा को मिलेगी ड्रोन की उड़ान

केलांग से तांदी 6.2 किलोमीटर की दूरी 11 मिनट में तय कर सफल परीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सर्दियों में भारी बर्फबारी के बाद जब हिमाचल प्रदेश के जनजातीय व दुर्गम जिला लाहौल-स्पीति की सड़कें बंद हो जाती हैं और कई इलाकों का संपर्क मुश्किल हो जाता है, तब डाक पहुंचाने के लिए अब आसमान का रास्ता इस्तेमाल किया जाएगा। कबायली जिला लाहौल-स्पीति में डाक विभाग ने सर्दियों के दौरान दूरदराज के शाखा डाकघरों तक डाक पहुंचाने के लिए ड्रोन सेवा शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। इसी पहल के तहत केलांग से तांदी के चार शाखा डाकघरों तक ड्रोन के जरिए डाक पहुंचाने का सफल परीक्षण किया गया। ड्रोन ने करीब 6.2 किलोमीटर की हवाई दूरी महज 11 मिनट में पूरी की।

डाक विभाग की ओर से स्काई एयर मोबिलिटी के सहयोग से केलांग से तांदी तक ड्रोन के जरिए डाक भेजी गई। इस परीक्षण में तांदी क्षेत्र के चार शाखा डाकघरों के लिए डाक सामग्री पहुंचाई गई। विभाग के अधिकारियों के अनुसार सर्दियों में भारी बर्फबारी, कम तापमान और लंबे समय तक



सड़कें बंद रहने से पारंपरिक माध्यम से चिट्ठियां, पार्सल और दूसरी डाक सामग्री पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। ड्रोन सेवा से मौसम खराब होने पर सड़क संपर्क प्रभावित होने की स्थिति में डाक को अपेक्षाकृत कम समय में दूरदराज के इलाकों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

तांदी डाकघर के अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि आने वाले समय में केलांग से संबंधित सभी शाखा डाकघरों तक डाक एक ही दिन में पहुंचाने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। डाक विभाग ने सर्दियों के दौरान केलांग क्षेत्र की 11 दूरस्थ शाखाओं तक ड्रोन सेवा पहुंचाने की तैयारी की है। इसका उद्देश्य बर्फबारी के दौरान भी इन इलाकों के लोगों को नियमित डाक सेवा उपलब्ध कराना है। मंडी जिले में ड्रोन के सफल इस्तेमाल के बाद अब इस तकनीक का विस्तार लाहौल घाटी के कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में किया जा रहा है।

स्काई एयर मोबिलिटी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित कुमार ने बताया कि लाहौल-स्पीति का कठिन भूगोल और सीमित पहुंच वाला क्षेत्र पारंपरिक डाक पहुंचाने के लिए चुनौतीपूर्ण है। केलांग लेखा कार्यालय से तांदी शाखा डाकघर तक ड्रोन सेवा शुरू होने से हवाई माध्यम से डाक पहुंचाने का लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत डाक और स्काई एयर के बीच बड़े स्तर पर किए जा रहे सहयोग के तहत हिमाचल प्रदेश और असम में 150 डाक ड्रोन मार्ग सक्षम किए गए हैं। लाहौल क्षेत्र में तांदी के अलावा समदो, प्योकर, मूलिंग, मलंग, गेमूर, कोलोंग, कारदंग, जिस्पा और गोशाल समेत अन्य स्थानों पर भी ड्रोन डाक सेवा की योजना बनाई जा रही है। सफल परीक्षण को लाहौल-स्पीति में डाक सेवा के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वीकृति बीओडी बैठक में लिया निर्णय, 20 इलेक्ट्रिक बसों से शुरू होगा डिपो, बस अड्डे पर चार्जिंग स्टेशन तैयार

कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो को मिली मंजूरी

आशीष दमीर, कांगड़ा। एचआरटीसी की 164वीं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (बीओडी) की बैठक में कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो स्थापित करने को विधिवत मंजूरी प्रदान कर दी गई है। प्रदेश सरकार की पूर्व घोषणा के बाद अब बीओडी की औपचारिक स्वीकृति मिलने से कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने इस स्वीकृति के लिए प्रदेश सरकार का आभार जताया। उन्होंने डिपो की प्रक्रिया में सहयोग करने वाले डीएम पंकज चड्ढा, आरएम साहिल कपूर, शालिमा सहित अधिकारियों और कर्मचारियों को भी बधाई दी।

अजय वर्मा ने बताया कि कांगड़ा का इलेक्ट्रिक बस डिपो 20 बसों के साथ शुरू किया जाएगा। कांगड़ा से संचालित होने वाली प्रत्येक इलेक्ट्रिक बस पर कांगड़ा का नाम अंकित होगा। कांगड़ा बस अड्डे पर इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित



किया जा चुका है। यहां एक साथ दो बसों को चार्ज किया जा सकता है, जबकि शेड के भीतर छह बसों के चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में कांगड़ा में एचआरटीसी की 27 बसें संचालित हो रही हैं।

उन्होंने बताया कि डिपो का कार्यालय कांगड़ा बस अड्डे की ऊपरी मंजिल पर स्थापित किया जाएगा। यहां बुकिंग रूम, अड्डा प्रभारी और आरएम के बैठने की व्यवस्था होगी। फिलहाल आरएम का अतिरिक्त कार्यभार धर्मशाला आरएम के पास रहेगा। डिपो का उद्घाटन जल्द किए जाने की संभावना है। अजय वर्मा के अनुसार डिपो शुरू होने से क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

बीओडी की बैठक में एचआरटीसी से संबंधित कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। अजय वर्मा ने बताया कि निगम में 2600 बसों के संचालन के अनुरूप स्टाफ की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके अलावा 250 डीजल बसों और 100 मिडी बसों की खरीद को मंजूरी दी गई है। करीब 1000 नई इलेक्ट्रिक बसें लेने की दिशा में भी स्वीकृति प्रदान की गई है। भविष्य में अधिक रेंज वाली इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल करने की योजना है। उन्होंने कहा कि कांगड़ा और हरौली में इलेक्ट्रिक बस डिपो की प्रक्रिया विधिवत शुरू हो गई है। नादौन और ठियोग में भारत सरकार की योजना के तहत नई इलेक्ट्रिक बसें मिलने की संभावना है। ऊना के पुराने बस अड्डे के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक बसें लंबी दूरी तय करने में सक्षम हैं और चंबा से धर्मशाला तक की दूरी भी एक बार चार्ज करने के बाद तय कर रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ने से यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

अजय वर्मा ने कहा कि नए बस अड्डों के निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। एचआरटीसी को आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और बेहतर यात्री सुविधाओं वाला परिवहन तंत्र बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

लंबे रूटों पर बस सेवाएं बढ़ाने की तैयारी: वर्मा

अजय वर्मा ने बताया कि कांगड़ा से होशियारपुर सहित अन्य लंबे रूटों पर बस सेवाएं शुरू करने की दिशा में भी कार्य चल रहा है। वहीं वोल्वो बसों के सेल शिमला तारादेवी, कुल्लू और धर्मशाला में उपलब्ध हैं। कांगड़ा से एम्स बिलासपुर के लिए बस सेवा शुरू हो चुकी है और जल्द ही दूसरी बस भी शुरू की जाएगी। प्रस्तावित रूट में धमरेड़, बलोड़, कुल्थी, टांडा, नदरूल, राजल, बोड़ क्वालू, गगलियां, रानीताल और जलेड़ी सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए हिम बस कार्ड शुरू किया गया है, जिससे प्रदेश की करीब चार लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। पात्र महिलाओं को इस कार्ड के माध्यम से बस किराये में 50 प्रतिशत रियायत मिलेगी। इसके अलावा हिम बस प्लस कार्ड भी शुरू किया जा रहा है। कोई भी नागरिक यह कार्ड बनवा सकता है। इससे एक यात्रा पर पांच प्रतिशत छूट मिलेगी और यात्राओं की संख्या के अनुसार छूट में वृद्धि होगी।

न्यूज ब्रीफ

घाड़ चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस थाना ज्वाली के अंतर्गत गांव घाड़ (हरसर) में हुई चोरी के मामले में एसआईटी ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी इल्मा अफरोज ने बताया कि मामले में बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत केस दर्ज किया गया था। एसआईटी ने तकनीकी विश्लेषण, फील्ड इनपुट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाते हुए आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ जारी है।

डिजिटल पर्यटन पर विद्यार्थियों ने किया मंथन



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के बीवॉक विभाग द्वारा शनिवार को विश्व पर्यटन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'पर्यटन के नए स्वरूप के लिए डिजिटल एजेंडा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) रही। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. प्रीतम और बी.वॉक विभाग के समन्वयक डॉ. पुष्पेंद्र ठाकुर उपस्थित रहे। प्राचार्य ने पर्यटन के महत्व, रोजगार की संभावनाओं और आधुनिक तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डाला। पर्यटन विभाग के प्रो. डॉ. अरुण शर्मा ने पर्यटन क्षेत्र में एआई के बढ़ते उपयोग पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एआई से पर्यटकों की पसंद समझने, यात्रा की बेहतर योजना बनाने और डिजिटल सेवाओं को प्रभावी बनाने में सहायता मिल रही है। इस अवसर पर रंगोली, मेहंदी, चार्ट निर्माण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं करवाई गईं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को आधुनिक कौशल और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सीर उत्सव में लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। सीर उत्सव-2026 के तहत 2 अक्तूबर को सिविल अस्पताल घुमारवीं में निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। एसडीएम अभिषेक बरवाल ने बताया कि विशेषज्ञ एवं सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों द्वारा लोगों को निशुल्क परामर्श और स्वास्थ्य जांच की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है। 3 अक्तूबर को रक्तदान शिविर भी आयोजित होगा। इसी दिन नगर परिषद पार्किंग में पहली बार रोजगार मेला लगाया जाएगा। इसमें करीब 15 कंपनियां भाग लेंगी। दसवीं, जमा दो, आईटीआई, डिप्लोमा और डिग्री सहित विभिन्न योग्यताओं वाले युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। रोजगार कार्यालय बिलासपुर से भी जानकारी ली जा सकती है।

डीसी ने टोबा स्कूल का किया औचक निरीक्षण



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने श्री नैना देवी जी विकासखंड के स्वर्ण जयंती उत्कृष्ट राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टोबा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम धर्मपाल भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने स्कूल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ विद्यार्थियों से संवाद किया और विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। उन्होंने बच्चों के ज्ञान और अध्ययन के प्रति रुचि की सराहना की। राहुल कुमार ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और समय के सदुपयोग के साथ अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशे से दूर रहने तथा मोबाइल फोन का अनावश्यक इस्तेमाल न करने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का संदेश दिया।

औहर में जिला स्तरीय खेलकूद स्पर्धा शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय औहर में जिला स्तरीय अंडर-19 छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ तकनीकी शिक्षा, आवास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने ध्वजारोहण और मार्च पास्ट की सलामी लेकर किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में जिलेभर से करीब 700 छात्रा खिलाड़ी भाग ले रही हैं। मंत्री ने कहा कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने शिक्षकों से हर बच्चे को खेलों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने व्यावहारिक एवं नवाचार आधारित शिक्षा तथा वर्ष 2047 के विकसित भारत के लिए लक्ष्य निर्धारित करने पर भी जोर दिया। इस दौरान उन्होंने भोजन कक्ष का निरीक्षण कर छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

नुक्कड़ नाटक से छात्रों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में तंबाकू नियंत्रण, नशा रोकथाम एवं एचआईवी/एड्स विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में अमर ज्योति समाज कल्याण एवं प्रशिक्षण सांस्कृतिक कला मंच, घुमारवीं ने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किया। प्रहरी क्लब और रेड रिबन क्लब भी इसमें शामिल रहे। नुक्कड़ नाटक और लोकगीतों के माध्यम से विद्यार्थियों को तंबाकू व नशे के दुष्प्रभावों तथा एचआईवी/एड्स से बचाव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 580 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्य ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा एचआईवी/एड्स से जुड़े भेदभाव और कलंक को समाप्त करने के लिए जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व विधायक तेजवंत नेगी ने समीरपुर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

फिटनेस व अनुशासन से युवाओं का सशक्तिकरण : अनुराग ठाकुर

सांसद ने 'फिट इंडिया मूवमेंट' को बढ़ावा देने लिए नादौन में खेल उपकरण बांटे



- कहा- खेल बजट में बढ़ोतरी से मजबूत हो रहा देश का खेल ढांचा
- स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण व प्रतिस्पर्धा के अवसर देने पर जोर

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान सांसद अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर के नादौन में एथलीटों और युवाओं को फिट इंडिया मूवमेंट' के जमीनी प्रभाव को तेज करने के लिए 385 खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता वाले खेल उपकरण वितरित किए।

उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण लेने और उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने के लिए 18 क्रिकेट किट, 11 वॉलीबॉल नेट, 15 वॉलीबॉल, 8 सेट वॉलीबॉल पोल, 3 सेट बैडमिंटन रैकेट, 3 बॉक्स शटलकॉक और 2 बैडमिंटन नेट सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल बजट 2013-14 के ₹1,219 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में ₹4,479.88 करोड़ हो गया है, साथ ही एथलीटों की भागीदारी को दस गुना बढ़ाने के लिए खेलो इंडिया के तहत अगले पांच वर्षों में अभूतपूर्व ₹36,441 करोड़ आवंटित किए गए हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि ये ढांचागत निवेश सीधे तौर पर रिकॉर्ड-तोड़ वैश्विक प्रदर्शन में तब्दील हुए हैं, जिनमें 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में 39 पदक, पेरिस 2024 पैरालंपिक में 29 पदकों की ऐतिहासिक उपलब्धि और मुक्केबाजी व शतरंज में विश्व चैंपियनशिप का सम्मान शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत 2036 के ओलंपिक पदक तालिका में शीर्ष-10 में स्थान पाने के लिए निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है, और एनडीए सरकार 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए दृढ़ता से संकल्पित है, साथ ही यह सुनिश्चित कर रही है कि हिमाचल प्रदेश के हर जिले और प्रतिभाशाली युवा तक अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं पहुंचें।

हिमाचल की 4 बेटियों ने शानदार प्रदर्शन से बढ़ाया प्रदेश का मान



- सेवा संकल्प अभियान में शामिल हुए सांसद, महिला कबड्डी टीम को दी बधाई

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। नादौन में उन्होंने फिट इंडिया खेल गतिविधि, मतदाता जागरूकता एवं पंजीकरण, सरकारी योजनाओं तथा वोकल फॉर लोकल से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता की। इसके बाद हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के दुगनेहड़ी व दुलेहड़ा में आंगन का उत्सव तथा सासण में वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान, साइबर सुरक्षा और पोषण जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लिया। नादौन में उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि टीम की जीत ने देश को गौरवान्वित किया है और हिमाचल की रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर व भावना ठाकुर ने प्रदेश का मान बढ़ाया है। हमीरपुर में मीडिया से बातचीत में उन्होंने विपक्ष पर चुनावी हार को लेकर आत्ममंथन के बजाय दूसरों पर आरोप लगाने का आरोप लगाया।

नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर शिक्षकों को दिया मार्गदर्शन



- जीजीडीएसडी महाविद्यालय राजपुर में नैक ओरिएंटेशन सत्र आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। जीजीडीएसडी महाविद्यालय, राजपुर में नैक मूल्यांकन एवं मान्यता प्रक्रिया को लेकर ओरिएंटेशन एवं मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। सत्र में कॉलेज मैनेजिंग सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. देश बंधु, एसडी कॉलेज लाहौर, अंबाला कैंट के पूर्व प्राचार्य डॉ. राजिंदर सिंह राणा तथा कंप्यूटर विभाग के प्रोफेसर डॉ. गिरिधर गोपाल ने शिक्षकों को नैक प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

डॉ. राजिंदर सिंह राणा ने प्रस्तुति के माध्यम से नैक के विभिन्न पहलुओं, मानकों और आवश्यक दस्तावेजों को सरल भाषा में समझाया तथा अपने अनुभव साझा किए। डॉ. गिरिधर गोपाल ने नैक टीम द्वारा किए जाने वाले मूल्यांकन और दस्तावेजों व गतिविधियों के सुव्यवस्थित संकलन के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. देश बंधु ने नैक तैयारियों के लिए सामूहिक प्रयास और आपसी सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। महाविद्यालय के निदेशक एवं प्रधानाचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। सत्र में शिक्षक एवं गैर-शिक्षक वर्ग ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया।

10 पंचायतों के 61 वार्ड सदस्यों ने लिया प्रशिक्षण

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। विकास खंड अधिकारी विजय कुमार के तत्वावधान में पंचायत वार्ड सदस्यों के लिए आयोजित चार दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण शिविर का पहला बैच संपन्न हुआ। 23 से 26 सितंबर तक चले प्रशिक्षण में 10 ग्राम पंचायतों के 61 वार्ड सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिनिधियों को पंचायती राज व्यवस्था, विभागीय योजनाओं, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी देना रहा।

प्रशिक्षण प्रभारी देवराज ठाकुर रहे। विभिन्न विभागों के प्रशिक्षकों ने पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसेवा से जुड़े विषयों की जानकारी दी। दूसरा बैच 28 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें 66 सदस्य भाग लेंगे। इसके बाद 3, 8 और 14 अक्तूबर से तीन और बैच आयोजित होंगे। विभाग के अनुसार पांचों बैचों में कुल 309 पंचायत वार्ड सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आकृति अध्यक्ष व अंशुल बने सचिव विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजक भी चुने



- हिमाचल तकनीकी विवि में एबीवीपी की नई कार्यकारिणी गठित

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एबीवीपी ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया। समारोह में विभाग संगठन मंत्री अभिलाष शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। पूर्व इकाई अध्यक्ष भवानी ठाकुर ने पुरानी कार्यकारिणी भंग करने की घोषणा की, जिसके बाद नई कार्यकारिणी घोषित की गई। आकृति को इकाई अध्यक्ष और अंशुल को सचिव बनाया गया। अखिल, भव्य वंश और सचिन को उपाध्यक्ष, जबकि तरुण सूरी, साहिल, सूर्या और अमन अरनावत को सह सचिव की जिम्मेदारी मिली। आदित्य ठाकुर को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। मीडिया एवं सोशल मीडिया, एसएफडी, एसएफएस, राष्ट्रीय कला मंच, खेलो भारत और रक्तदान प्रकोष्ठों के संयोजक व सह संयोजक भी घोषित किए गए। विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुखों की नियुक्ति भी की गई। अभिलाष शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी परिषद का उद्देश्य छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को उठाना और परिसर में सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

एनआईटी हमीरपुर में तनाव प्रबंधन का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में ब्रह्मा कुमारीज के सहयोग से 'भावनात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और फैकल्टी में सकारात्मक सोच, आत्म-जागरूकता, तनाव प्रबंधन और आंतरिक शांति को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. हिरा हीरा लाल मुरलीधर सूर्यवंशी ने की। मुख्य वक्ता बहन ज्योति, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं मोटिवेशनल ट्रेनर तथा बीके भारत भूषण ने भावनात्मक संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली पर विचार साझा किए। विद्यार्थियों को निर्देशित ध्यान का अभ्यास भी करवाया गया। नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता वैन से प्रचार किया गया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर लघु नाटिका प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया और नशे से दूर रहने की शपथ ली। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. अर्चना संतोष नानोटी, डॉ. पवन शर्मा सहित फैकल्टी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

सरकारी स्कूल में जुटेगा ज्ञान-विज्ञान का संगम

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला मुख्यालय स्थित सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल हमीरपुर में 29 सितंबर को विशेष यूनिवर्सिटी आउटरीच कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय और आसपास के विश्वविद्यालयों से जुड़े करीब 10 वरिष्ठ प्रोफेसर तथा 40 पीएचडी शोधार्थी विद्यार्थियों से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को विज्ञान, अनुसंधान और उच्च शिक्षा के अवसरों से परिचित करवाना है। दिल्ली विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रोफेसर सुकन्या लाल और जियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर रूपलाल कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। खास बात यह है कि प्रो. सुकन्या लाल इसी विद्यालय की पूर्व छात्रा रही हैं। कार्यक्रम में वैज्ञानिक मॉडल एवं प्रदर्शन, सर्वेक्षण, विज्ञान आधारित गतिविधियां, काउंसलिंग सत्र और संवादात्मक व्याख्यान होंगे। विद्यार्थियों की भागीदारी के लिए खेल गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। विद्यालय प्रशासन ने इस पहल को विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, आत्मविश्वास और उच्च शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है।

'जब सीखोगे, तभी कमाओगे' के तहत छात्रों ने तैयार किए आकर्षक टेरैरियम



- वनस्पति विज्ञान विभाग की पहल, प्रदर्शनी के साथ बिक्री के लिए भी रखे टेरैरियम

भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। राजकीय महाविद्यालय नगरोटा बगवां के वनस्पति विज्ञान विभाग ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल, रचनात्मकता और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'Earn While You Learn' के तहत टेरैरियम निर्माण गतिविधि आयोजित की।

प्रधानाचार्य डॉ. सुरेंद्र सोनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि का संचालन सहायक आचार्य डॉ. शिखा ने किया। विद्यार्थियों ने टेरैरियम निर्माण की तकनीक सीखकर आकर्षक टेरैरियम तैयार किए, जिन्हें प्रदर्शनी के साथ बिक्री के लिए भी प्रस्तुत किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को सीखते हुए कमाने का अवसर देने के साथ उनमें उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है।

प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. सलिल सागर, प्रो. सीमा, डॉ. मंजीत सिंह, प्रो. निपुणिका राणा, डॉ. राजीव कुमार सहित महाविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य मौजूद रहे।

इतिहास विभाग में विद्यार्थी मार्गदर्शन एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के इतिहास विभाग ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक, करियर, शोध, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विद्यार्थी मार्गदर्शन एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित किया है। विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि यह पहल कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी के निर्देशों के अनुरूप की गई है।

प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा, समन्वयक विकेश कुमार तथा सदस्य डॉ. रामपाल, राजेश शर्मा और कृष्ण चंद होंगे। विद्यार्थियों को विभिन्न मेंटोर समूहों में बांटकर नियमित मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्रत्येक मेंटर सप्ताह में कम से कम एक बार विद्यार्थियों से संवाद करेगा, जबकि उनकी शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति और आवश्यकताओं की मासिक समीक्षा की जाएगी। बैठक में विभाग के सभी आचार्य एवं एमए विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फार्मासिस्टों को स्वस्थ भविष्य के लिए सशक्त बनाने का दिया संदेश



- मंडी अस्पताल में वर्ल्ड फार्मासिस्ट उत्साह और गरिमा के साथ मनाया

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जोनल अस्पताल मंडी में वर्ल्ड फार्मासिस्ट-2026 उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाएं' रही। भारत में इसे 'स्वस्थ भारत: एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) से मुकाबला' अभियान से जोड़ा गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक चौहान ने की। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश हॉस्पिटल फार्मेसी ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव कुशल सिंह ने नव नियुक्त सीएमओ का स्वागत किया और फार्मेसी बिरादरी को सहयोग देने का आग्रह किया। फार्मेसी ऑफिसर सोमदत्त शर्मा और रीता शर्मा ने कार्यक्रम की मेजबानी की। प्रशिक्षु फार्मासिस्टों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर डॉ. भूप सिंह, डॉ. अरिंदम रॉय, डॉ. अरविंद बहल सहित अन्य चिकित्सक, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि फार्मासिस्ट दवा वितरण के साथ दवा सुरक्षा, तर्कसंगत औषधि उपयोग, एडीआर रिपोर्टिंग और एएमआर की रोकथाम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम



- कुराश में तन्वी व समिता ने जीते स्वर्ण, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा चनौर के विद्यार्थियों ने अंडर-14 जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए जूडो, कुराश और ताइक्वांडो में कई पदक हासिल किए। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। कुराश प्रतियोगिता में विद्यालय की तन्वी और समिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। दोनों खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

वहीं काव्या गुलेरिया ने कुराश प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया। सान्वी ने अंडर-14 जूडो में कांस्य पदक, जबकि नवण्या ने जूडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कमलप्रीत सिंह ने अंडर-14 ताइक्वांडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान सभी खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में पूरे आत्मविश्वास और समर्पण के साथ हिस्सा लिया। उनकी सफलता नियमित अभ्यास, कड़ी मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम रही।

विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनू परमार, निदेशक डॉ. विशाल महाजन तथा एमडी डॉ. रिचा महाजन ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने तन्वी और समिता के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता व चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने की भावना विकसित होती है। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बैठक नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों पर शिकंजा कसने के लिए फील्ड में औचक निरीक्षण करें अधिकारी

एससी-एसटी मामलों की जांच में न हो विलंब: एडीसी



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एडीसी अभिषेक गर्ग ने शनिवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं, अभियानों तथा अधिनियमों से संबंधित छह अलग-अलग जिला स्तरीय समितियों की बैठक की अध्यक्षता की।

एससी एवं एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा करते हुए एडीसी ने पुलिस और अभियोजन विभाग के अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों की जांच और अभियोजन में विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया इस वर्ष अभी तक जिला में अधिनियम के तहत 18 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इनमें से 5 मामलों के चालान पेश कर दिए गए हैं और 12 मामलों में पुलिस की जांच जारी है। विभिन्न अदालतों में लगभग 28 मामले विचाराधीन हैं। जबकि, 8 मामलों की कैंसलेशन रिपोर्ट तैयार की गई है। 27 पीड़ितों को राहत राशि प्रदान की गई है। एडीसी ने उच्च न्यायालय में वर्षों से लंबित मामलों की फॉलोअप रिपोर्ट भी तलब की।

नशा मुक्त भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक में एडीसी ने कहा कि जिला में 100 नशा मुक्ति मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। नशे की अधिकता वाली जिला की 14 ग्राम पंचायतों को रैड ग्राम पंचायतें घोषित करके इनमें नशा विरोधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा, पंचायतीराज और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को फील्ड में औचक निरीक्षण करने तथा इनकी रिपोर्ट नियमित रूप से जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए। सभी विभाग नशा विरोधी एवं जागरुकता गतिविधियों की रिपोर्ट निर्धारित फॉरमेट भेजें और इसके लिए अलग से नोडल अधिकारी नियुक्त करें। एडीसी ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक क्यूआर कोड भी जारी किया गया है। कोई भी व्यक्ति इसे स्कैन करके नशा मुक्ति मित्र बन सकता है। राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 के अंतर्गत गठित स्थानीय समिति की बैठक में एडीसी ने बताया कि मानसिक विकलांगता, ऑटिज्म, सेरीब्रल पाल्सी और बहु-विकलांगता से ग्रस्त 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोगों के लिए कानूनी संरक्षकों की नियुक्ति आवश्यक होती है। जिला में अभी तक 211 ऐसे दिव्यांगजनों के अभिभावकों को कानूनी अभिभावक प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। समिति ने 2 नए मामलों में कानूनी संरक्षकों की नियुक्ति को भी मंजूरी प्रदान की। जिला दिव्यांगता समिति की बैठक में एडीसी ने सभी सरकारी भवनों, सार्वजनिक स्थलों, परिवहन सेवाओं, अस्पतालों, कार्यालयों और शौचालयों इत्यादि में दिव्यांगों के लिए निर्धारित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। हाथ से मैला उठाने वाले सफाई कर्मचारियों के नियोजन प्रतिषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम-2013 के अंतर्गत गठित जिला सतर्कता समिति की बैठक में एडीसी ने कहा कि सभी सफाई कर्मचारियों के पास आवश्यक उपकरण एवं सुरक्षा किट होनी चाहिए तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए।

एडीसी ने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा भी की तथा सभी विभागों को इस वर्ग के लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

उक्त सभी समितियों की बैठकों में जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा ने विभिन्न योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में एसपी बलवीर सिंह, जिला न्यायवादी संदीप अग्निहोत्री, नगर निगम के आयुक्त राकेश शर्मा, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा उक्त समितियों के गैर सरकारी सदस्य भी उपस्थित थे।

अनिता अल्वारेज खूबसूरत तैराक

अनिता अल्वारेज अमेरिका की एक प्रसिद्ध आर्टिस्टिक और सिंक्रोनाइज्ड तैराक हैं, जिनका जन्म 2 दिसंबर 1996 को हुआ था। वह तैराकी के साथ-साथ अपनी खूबसूरती के लिए भी दुनियाभार में जानी जाती हैं। उनके चाहने वालों की लिस्ट में लाखों लोग हैं।



स्पोर्ट्स विंडो

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिर चोटिल न्यूजीलैंड सीरीज खेलने पर संशय

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिर चोटिल हो गए हैं। उनके दाएं पैर की आगे की हड्डी में चोट लगी है। इस



वजह से वे कम से कम 3 हफ्ते तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, चोट के कारण हार्दिक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे दोनों सीरीज नहीं खेल पाएंगे। टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी। वह मार्च से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र के मुताबिक, हार्दिक के हालिया स्कैन में दाएं पैर के आगे की हड्डी में इंजरी सामने आई है। उन्हें 2 हफ्ते पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई है। बीसीसीआई मेडिकल पैनल के हेड डॉ. दिनशॉ पारदीवाला अभी जापान में हैं। उनके लौटने के बाद हार्दिक की रिपोर्ट का आकलन किया जाएगा। इसके बाद रिहैब शुरू करने का फैसला होगा। हार्दिक का रिटर्न टू प्ले टारगेट 20 सितंबर रखा गया था। इसी के आधार पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम में चुना गया था। नई चोट के कारण अब वे इस सीरीज से भी बाहर हो गए हैं।

एशियाई गेम्स: बॉक्सिंग में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे कपिल पोखरिया

एजेंसी, नागोया। भारतीय मुक्केबाज कपिल पोखरिया ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को क्वार्टर फाइनल में



जगह बनाई जबकि जादूमणि सिंह हारकर बाहर हो गए। उत्तराखंड के कपिल ने ईरान के सैम एस्ताकी को पुरूषों के 90 किलो वर्ग में 5-0 से मात दी। जादूमणि पुरुषों के 55 किलो वर्ग में फिलीपींस के तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-3 से हार गए। भारत की प्रिया का सामना अब महिलाओं के 60 किलोवर्ग में दक्षिण कोरिया की ओह यिओंजी से होगा। पोखरिया ने शुरू ही से दबाव बनाकर पहले दौर में 4 -1 की बढत बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के एस्ताकी को खुलकर खेलने नहीं दिया। दूसरे दौर में जजों का फैसला सर्वसम्मति से उनके पक्ष में 5- 0 रहा।

एशियाई गेम्स: अनाहत और अभय स्क्वैश के एकल फाइनल में पहुंचे



एजेंसी, नागोया। भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की स्क्वैश प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया तथा युवा सनसनी अनाहत सिंह ने जहां महिला एकल में जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं अभय सिंह भी पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहे। भारत की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। अनाहत ने यह मैच 9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3 से जीता और इस तरह से इसी साल के शुरू में जापानी खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुकता कर दिया। युवा सुपरस्टार अनाहत सेमीफाइनल मुकाबले में वातानाबे के खिलाफ 0-2 से पीछे चल रही थीं लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा। इस बीच गेंद लेने की कोशिश में भारतीय खिलाड़ी का सिर जापानी खिलाड़ी के कंधे से टकरा गया। इस टक्कर के बाद अनाहत को चिकित्सा सहायता प्रदान किए जाने के कारण मैच को थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया था। इसके बाद अभय ने पाकिस्तान के मोहम्मद इरफान को 3-0 (11-3 12-10 11-6) से हराकर पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

बैडमिंटन में आयुष शेट्टी ने बनाई प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह

एजेंसी, नागोया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एशियाई खेल 2026 में पुरुष एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आयुष ने शनिवार को दूसरे दौर के मुकाबले में कजाकिस्तान के मखसुत ताजिबुल्लायेव को सीधे गेम में 21-7, 21-7 से हराया। आयुष ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने तेज मूवमेंट तथा सटीक शॉट्स से कजाकिस्तान के खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी ने महज 18 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर अगले दौर में प्रवेश किया। दोनों गेम में आयुष ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और ताजिबुल्लायेव को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने दोनों गेम समान 21-7 के स्कोर से जीतकर मुकाबला समाप्त किया। प्री-क्वार्टर फाइनल में आयुष की चुनौती अब काफी कठिन होने वाली है। उनका सामना चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो मौजूदा बीएफडब्ल्यू वर्ल्ड टूर नंबर-1 हैं। आयुष अब अपनी शानदार लय को बरकरार रखते हुए पुरुष एकल स्पर्धा में आगे बढ़ने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे।

बैडमिंटन में सिंधू-आयुष प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सिंधू ने चियू पिन चियान और आयुष ने ताजिबुल्लायेव को दी शिकस्त

एजेंसी, नागोया

पीवी सिंधू और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके शनिवार को यहां एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में क्रमश: महिला एवं पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन लक्ष्य सेन दूसरे दौर में ही बाहर हो गए। विश्व में 11वें नंबर की खिलाड़ी और इस साल की जापान ओपन की विजेता सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे की विश्व की 17वें नंबर की खिलाड़ी चियू पिन चियान को 21-19 21-14 से हराया। पहले दौर में बाय हासिल करने वाली सिंधू का अगला मुकाबला जापान की टोमोका मियाजाकी से होगा।

पुरुष एकल में आयुष ने दूसरे दौर में कजाकिस्तान के मखसुत ताजिबुल्लायेव को 21-7 21-7 से हराया। उनका मुकाबला अब चीनी ताइपे के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी चाउ तिएन चेन से होगा। महिला एकल में तीन बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीतने वाली उन्नति हुडा ने मलेशिया की लिंग चिंग वोंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला इंडोनेशिया की छठी



वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी से होगा। इससे पहले लक्ष्य को सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा।

दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी सेन को 13वीं रैंकिंग वाले 2021 के विश्व चैंपियन ने 21-12, 15-21, 21-14 से मात दी। इंचिनोमोया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेशियम में खेला गया यह मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। इससे एक दिन पहले दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल के पहले दौर में ही हार गए थे। सेन ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे लेकिन एशियाई खेलों में एक बार फिर व्यक्तिगत पदक नहीं जीत पाए। उन्होंने हांगझोउ में टीम स्पर्धा का रजत और यहां कांस्य पदक जीता।

एशियन गेम्स: चीन ने 1773 अंक लेकर जीता स्वर्ण पदक

भारत ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में जीती चांदी



एजेंसी, नागोया

तिलोत्तमा, विदर्सा और आशी चौकसी की तिकड़ी ने हासिल किए 1763 अंक

भारत की तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने एशियाई खेलों में शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विदर्सा 327 . 4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई। उनका स्कोर 337. 3 रहा। चीन की जिआयु हान ने 359. 0 के एशियाई चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन की ही लियुआन झांग (358. 8) को रजत और दक्षिण कोरिया की जियुन किम (348.4) को कांस्य पदक मिला। फाइनल में नीलिंग पोजिशन के बाद तिलोत्तमा 102.4 अंक लेकर पांचवें और विदर्सा 102.1 अंक के साथ छठे स्थान पर थी। प्रोन में दोनों का प्रदर्शन औसत रहा लेकिन स्टैंडिंग में उन्होंने वापसी की जो पदक दिलाने के लिये काफी नहीं थी।

इससे पहले क्वालीफिकेशन में आशी और तिलोत्तमा शीर्ष तीन में रहे जिन्होंने 395.25 एक्स और 395.23 एक्स स्कोर किया। विदर्सा ने 588 स्कोर करके क्वालीफिकेशन में छठा स्थान हासिल किया। विश्व में 107वीं रैंकिंग पर काबिज तिलोत्तमा नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग में कुल 590 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही। वहीं आशी ने 585 अंक बनाए।

एशियन गेम्स: भारत और अफगानिस्तान के बीच होगा क्रिकेट का क्वार्टर फाइनल

एजेंसी, नागोया

एशियन खेल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम शनिवार को नागोया पहुंच गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार, 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान का सामना करेगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे शुरू होगा। भारतीय टीम की नजर पिछले संस्करण में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर है। हांगझोऊ 2023 एशियन खेल में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था।

फाइनल मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका था और बेहतर वरीयता के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। उस समय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ ने की थी। एशियन गेम्स 2026 के मेंस क्रिकेट इवेंट के क्वार्टर फाइनल में 28 सितंबर को भारत का सामना अफगानिस्तान से होगा। भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है और उसका मुकाबला ग्रुप स्टेज के रनरअप से होना था।

भारतीय टीम में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ी शामिल



एशियन खेल के लिए भारतीय टीम में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी और यश ठाकुर शामिल हैं।

15 मैच प्वाइंट्स के साथ भारत दूसरे और उज्बेकिस्तान पहले स्थान पर

चेस ओलंपियाड में भारत की पुरुष टीम ने जर्मनी को 2.5-1.5 से हराया

एजेंसी, समरकंद

46वें फीडे चेस ओलंपियाड के 9वें राउंड में भारतीय मेंस टीम ने जर्मनी को 2.5-1.5 से हराया। भारत के लिए डी. गुकेश ने अलेक्जेंडर डोनचेंको को हराकर महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इस रिजल्ट के बाद भारत 15 मैच प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया। मेजबान उज्बेकिस्तान 16 प्वाइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। जर्मनी के खिलाफ मुकाबले में एक समय भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। निहाल सरीन की बाजी ड्रॉ हो चुकी थी, जबकि आर. प्रज्ञानानंद और अर्जुन एरिगैसी की बाजियां भी बराबरी पर थीं। गुकेश की स्थिति खराब थी। इसके बावजूद गुकेश ने खेल जारी



रखा और डोनचेंको की गलती का फायदा उठाया। उन्होंने शानदार चाल चलते हुए बाजी की दिशा पलट दी और कुछ ही चालों में जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ भारत ने मैच 2.5-1.5 से अपने नाम किया।

महिला टीम ने 3-1 से हराया उज्बेकिस्तान

भारतीय विमेंस टीम ने 9वें राउंड में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया। इस जीत के बाद भारत के 15 मैच-पॉइंट्स हो गए। चीन 17 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने भारत के लिए जीत दर्ज की। बी. सविता श्री की लगातार 7 जीत का सिलसिला ड्रॉ के साथ रुक गया। उन्होंने गुइल्डोना करीमोवा के खिलाफ बाजी बराबर की। कोनेरू हंपी की बाजी भी ड्रॉ रही।

सचिन महापात्रा ने रिलायंस पावर के बोर्ड निदेशक पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ली

अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस पावर के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव और नॉन-इंडिपेंडेंट निदेशक के रूप में सेवाएं दे रहे सचिन महापात्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 25 सितंबर 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। कंपनी ने इसकी जानकारी शेयर बाजारों को दी है। महापात्रा ने अपने त्यागपत्र में कहा है कि उन्होंने व्यक्तिगत और पारिवारिक कारणों से पद छोड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने इस्तीफे के पीछे किसी अन्य कारण का उल्लेख नहीं किया है।

महापात्रा ने अपने कार्यकाल के दौरान कंपनी के बोर्ड और प्रबंधन से मिले सहयोग के लिए आभार जताया है। साथ ही उन्होंने कंपनी के भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी



रिलायंस पावर के निदेशक सचिन महापात्रा ने इस्तीफे के पीछे बताए व्यक्तिगत और पारिवारिक कारण

हैं। उनके इस्तीफे के बाद रिलायंस पावर के बोर्ड में आगे होने वाले बदलावों पर नजर रहेगी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब कंपनी के शेयर में बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। उपलब्ध बाजार आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में रिलायंस पावर के शेयर में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं वर्ष 2026 में भी अब तक शेयर में 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, महापात्रा ने अपने इस्तीफे में इन बाजार परिस्थितियों को पद छोड़ने का कारण नहीं बताया है।

बोर्ड से एक निदेशक के हटने के बाद कंपनी के आगामी बोर्ड बैठकों और प्रशासनिक फैसलों पर निवेशकों की नजर रहेगी। कंपनी को अब बोर्ड में रिक्त पद से जुड़े आवश्यक कदम उठाने होंगे। महापात्रा के इस्तीफे की जानकारी कंपनी ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत शेयर बाजारों को उपलब्ध करा दी है। कंपनी की ओर से उनके स्थान पर किसी नए निदेशक की नियुक्ति के संबंध में जानकारी सामने नहीं आई है।

अदाणी ग्लोबल ने यूएई की कंपनी में खरीदी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली। अदाणी समूह ने विदेश में अपने कारोबार के विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदाणी ग्लोबल लिमिटेड ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एक कंपनी में 50 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल की है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में इस अधिग्रहण की जानकारी दी है। इसके तहत अदाणी ग्लोबल लिमिटेड ने मोनवरेक्स एल्युमीनियम होल्डिंग आरएससी लिमिटेड में आधी हिस्सेदारी खरीदी है। अदाणी एंटरप्राइजेज की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, अदाणी ग्लोबल लिमिटेड ने यह हिस्सेदारी मोनवरेक्स होल्डिंग आरएससी लिमिटेड से खरीदी है। मोनवरेक्स एल्युमीनियम होल्डिंग आरएससी लिमिटेड यूएई में पंजीकृत कंपनी है। अदाणी समूह की ओर से इस सौदे को लेकर शेयर बाजार में नियामकीय जानकारी साझा की गई है।

पासपोर्ट नवीनीकरण में अब कड़े होंगे पुलिस सत्यापन नियम

एजेंसी, नई दिल्ली। पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने पर अब नवीनीकरण के लिए एजेंट या सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट दोबारा जारी कराने की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है। आवेदक आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण कर घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। सामान्य पासपोर्ट की वैधता 10 वर्ष होती है। इसकी अवधि समाप्त होने से एक वर्ष पहले तथा समाप्त होने के तीन वर्ष बाद तक दोबारा जारी कराने के लिए आवेदन किया जा सकता है। यात्रा में किसी तरह की परेशानी से बचने के लिए अवधि समाप्त होने से करीब नौ महीने पहले आवेदन करना उचित माना जाता है।



आवेदन के लिए पोर्टल पर नया पंजीकरण कर खाता सक्रिय करना होगा। इसके बाद पासपोर्ट दोबारा जारी कराने का विकल्प चुनकर व्यक्तिगत जानकारी, पुराने पासपोर्ट का नंबर और वर्तमान पता दर्ज करना होगा। आवेदन जमा करने के बाद शुल्क का भुगतान कर पासपोर्ट सेवा केंद्र या डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र में नियुक्ति लेनी होगी। 36 पृष्ठ की पुस्तिका के लिए 2500 रुपये और 60 पृष्ठ की पुस्तिका के लिए 3500 रुपये शुल्क निर्धारित है। तत्काल सेवा में 2500 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

आवेदक देश में किसी भी स्थान से आवेदन कर सकता है, लेकिन पुलिस सत्यापन वर्तमान पते के आधार पर होगा। नियुक्ति के समय पुराना पासपोर्ट, उसकी प्रति और पते का प्रमाण साथ ले जाना जरूरी है। आवेदन के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट का इस्तेमाल करना चाहिए।

आठवें वेतन आयोग से 30% बढ़ सकती है सैलरी

एजेंसी, मुंबई। आठवें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच संभावित वेतन वृद्धि को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। एक अनुमानित गणना के अनुसार, यदि सरकार 1.92 के फिटमेंट फैक्टर को स्वीकार करती है और मौजूदा 60 प्रतिशत महंगाई भत्ते को नए मूल वेतन में समायोजित किया जाता है, तो कर्मचारियों के वेतन में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, यह केवल अनुमानित गणना है और अंतिम वेतन वृद्धि आयोग की सिफारिशों तथा सरकार के निर्णय पर निर्भर करेगी। उदाहरण के तौर पर वेतन मैट्रिक्स के लेवल-2, स्टेज-40 पर कार्यरत कर्मचारी का वर्तमान मूल वेतन 62,100 रुपये है। 1.92 का फिटमेंट फैक्टर लागू होने पर यह बढ़कर 1,19,232 रुपये हो सकता है। इसके बाद महंगाई भत्ता नए वेतन ढांचे में शून्य से शुरू होने की स्थिति मानी गई है। एक्स श्रेणी के शहर में 30 प्रतिशत मकान किराया भत्ता और 2,160 रुपये परिवहन भत्ता जोड़ने पर अनुमानित सकल वेतन 1,57,162 रुपये तक पहुंच सकता है। वर्तमान 1,20,150 रुपये की तुलना में यह करीब 30.80 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

सहमति अक्टूबर में रुबियो आएंगे भारत, दिसंबर में मोदी जाएंगे अमेरिका

व्यापार समझौते के अंतिम चरण में भारत-अमेरिका

एजेंसी, न्यूयॉर्क

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही व्यापार वार्ता अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित व्यापार समझौते से जुड़े 90 प्रतिशत से अधिक काम को पूरा किया जा चुका है। अब कुछ महत्वपूर्ण बारीकियों और शेष मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए बातचीत जारी है। अधिकारी ने कहा कि व्यापार दोनों देशों के बीच लंबे समय से एक जटिल विषय रहा है, लेकिन समझौते को अंतिम रूप दिए जाने से द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिल सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले समय में इस संबंध में बड़ी घोषणा की जा सकती है।

अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआइ के सवाल के जवाब में दी। उनके अनुसार, दोनों पक्षों के बीच व्यापार से जुड़े कई मुद्दों पर लगातार बातचीत हुई है और अब अधिकांश विषयों पर सहमति बन चुकी है। हालांकि कुछ बिंदुओं पर अभी चर्चा बाकी है। इन मुद्दों पर दोनों



देशों के अधिकारी आपसी सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। व्यापार समझौते को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों के साथ-साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित समझौते को लेकर आने वाले महीनों में उच्च स्तरीय संपर्क भी महत्वपूर्ण रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अक्टूबर 2026 में भारत आने की संभावना है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिसंबर 2026 में फ्लोरिडा में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इन उच्च स्तरीय यात्राओं और बैठकों के दौरान व्यापार समेत विभिन्न रणनीतिक विषयों पर चर्चा और समझौतों की घोषणा की संभावना है।

भारत को यूरोप से जोड़ेगा आईएमईसी

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा यानी आइएमईसी भी दोनों देशों की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इस परियोजना का उद्देश्य भारत को पश्चिम एशिया के रास्ते यूरोप से जोड़ने के लिए आधुनिक परिवहन और व्यापार संपर्क विकसित करना है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण परियोजना की गति प्रभावित हुई है, लेकिन क्षेत्र में स्थिरता आने के बाद इसके काम में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। भारत और अमेरिका शिपिंग तथा लाजिस्टिक्स मार्गों को चिह्नित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। वहीं सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जार्डन और इजरायल अपने-अपने हिस्से से संबंधित व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।